झारखंड का
रण 2024

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 23 अक्टूबर 2024 • कार्तिक कृष्ण पक्ष 06, संवत 2081 • पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 • वर्ष : 2, अंक : 193

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.1	22.4
जमशेदपुर	33.0	22.4
डालटनगंज	33.8	21.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

सर्राफा

सोना (बिक्री)	73,700
चांदी (किलो)	1,02,000

सारे गिले शिकवे हुए दूर: राजद ने अपने कोटे के छह व माले ने तीन प्रत्याशी उतारे

इंडिया ब्लॉक में सीट शेयरिंग पर थमी रार

- आज चतरा से नामांकन करेंगी रश्मि प्रकाश शामिल होंगे तेजस्वी यादव समेत कई बड़े नेता
- तेजस्वी पांच दिन से रांची में ही जमे हैं, बोले- इंडिया ब्लॉक एकजुट, हेमंत सोरेन को फिर से सीएम बनाएंगे
- गठबंधन में नया ट्वीस्ट, कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व मंत्री राधाकृष्ण किशोर, छत्तरपुर से हो सकते हैं प्रत्याशी

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में इंडिया गठबंधन के बीच अब 'ऑल इज वेल' है. राजद नेझारखंड चुनाव के लिए अपने 6 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है. राजद नेता तेजस्वी यादव नेकहा कि सीटों के बंटवारे पर आम सहमति बन गई है. इंडिया ब्लॉक पूरी तरह एकजुट है. हम एक साथ मिल कर चुनाव लड़ेंगे. हेमंत सोरेन फिर से झारखंड के सीएम होंगे. इसी के साथ राजद ने अपने छह प्रत्याशियों की सूची भी जारी कर दी है. इसके मुताबिक देवघर से सुरेश पासवान, गोड्डा से संजय प्रसाद यादव, कोडरमा से सुभाष यादव, चतरा से रश्मि प्रकाश, विश्रामपुर से नरेश प्रसाद सिंह और हुसैनाबाद से संजय सिंह यादव के नाम शामिल हैं.

बता दें कि झारखंड विस चुनाव के पहले चरण के नामांकन के लिए अब सिर्फ 60 घंटे ही शेष रह गये हैं. अब जाकर इंडिया ब्लॉक में एकता दिखने लगी है. घटकों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर चल रही रार थमने लगी है.अब भाकपा-माले को ही समझाना बाकी है. कांग्रेस ने 21 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है, दूसरी सूची आनी है. झामुमो ने अपने प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की है, लेकिन नामांकन कराना शुरू कर दिया है. इधर, मंगलवार को माले ने भी तीन सीटों पर प्रत्याशी उतार दिये हैं. पार्टी ने निरसा से अरूप चटर्जी, धनवार से राजकुमार यादव, सिंदरी से चंद्रदेव महतो उर्फ बबलू महतो को प्रत्याशी बनाया है.

साथ ही माले ने यह कह कर सस्पेंस और बढ़ा दिया है कि झारखंड विधानसभा चुनाव में राज्य में भाजपा को हराने और इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए तमाम लोकतांत्रिक शक्तियां एकजुट हो जाएं. पार्टी के राज्य सचिव मनोज भक्त ने कहा कि भाकपा माले उन्हीं सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी, जहां पार्टी भाजपा को शिकस्त देने की स्थिति में है. इधर राजद ने भी चार सीट से अपने प्रत्याशी को सिंबल दे दिया है. राजद का नामांकन 23 अक्टूबर से शुरू हो रहा है. 23 अक्टूबर को चतरा से पार्टी प्रत्याशी और मंत्री सत्यानंद भोक्ता की बहू रश्मि प्रकाश नामांकन करेंगी. उनके नामांकन में बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, प्रदेश प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव, महासचिव भोला यादव, सांसद सुरेंद्र यादव, प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव आदि शामिल होंगे. नामांकन के बाद चतरा सदर थाना मैदान में चुनावी सभा भी होगी. हालांकि सीटों का बंटवारा अब तक आधिकारिक रूप से नहीं गया है.

ये हैं राजद के छह प्रत्याशी

राजद ने देवघर से सुरेश पासवान, गोड्डा से संजय प्रसाद यादव, कोडरमा से सुभाष यादव, चतरा से रश्मि प्रकाश, विश्रामपुर से नरेश प्रसाद सिंह और हुसैनाबाद से संजय सिंह यादव को प्रत्याशी बनाया है. इन सबको पार्टी ने सिंबल भी प्रदान कर दिया है.

कांग्रेस ने पूर्व मंत्री राधाकृष्ण किशोर को अपने पाले में किया

छतरपुर से बनेंगे प्रत्याशी : मंगलवार को तेजी से बदलते राजनीतिक घटनाक्रम के बीच कांग्रेस ने राजद को झटका देते हुए पूर्व मंत्री राधाकृष्ण किशोर को अपने पाले में कर लिया. किशोर ने बजाप्ता कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली है. चर्चा है कि क्या किशोर छतरपुर से और केएन त्रिपाठी डाल्टनगंज कांग्रेस प्रत्याशी हो सकते हैं. कांग्रेस के इस कदम से इंडिया गठबंधन की राजनीतिक तपिश और बढ़ गयी है.

माले को गठबंधन से मिली हैं चार सीटें, पर जमुआ पर पार्टी अड़ी

माले को भी गैर आधिकारिक रूप से गठबंधन की ओर से बगोदर, सिंदरी, निरसा और धनवार सीट दी गयी है. लेकिन भाकपा- माले पांचवीं सीट जमुआ के लिए अड़ी है. जबकि जमुआ सीट झामुमो ने अपने पास रख लिया है. इस सीट से भाजपा के सिटिंग विधायक केदार हाजरा भाजपा से टिकट नहीं मिलने के कारण झामुमो में शामिल हो गए हैं. इसलिए झामुमो किसी भी कीमत पर जमुआ माले को देने को तैयार नहीं है.

जारी हो सकती है झामुमो की पहली और कांग्रेस की दूसरी सूची

कांग्रेस ने सोमवार रात 21 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है, जिसमें सभी सिटिंग मंत्री और दो को छोड़ सभी विधायकों को टिकट दिया गया है. पार्टी ने हटिया से फिर अजय नाथ शाहदेव को उतारा है. कांग्रेस के हिस्से आयी 29 में से 21 सीटों पर ही प्रत्याशी घोषित कर दिये गये हैं. शेष आठ सीटों पाकुड़, बरही, धनबाद, बोकारो, कांके, पांकी, डालटनगंज और विश्रामपुर से प्रत्याशी घोषित होने बाकी हैं. जानकारी के अनुसार पाकुड़ में कांग्रेस उलझी हुई है.क्या जेल में बंद पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को उतारा जाए या फिर उनके परिवार में से किसी एक को. पार्टी को यह डर है कि आलमगीर आलम को टिकट देने से कांग्रेस और गठबंधन की किरीकिरी हो सकती है. ऐसे में संभावना है कि आलमगीर आलम के पुत्र तनवीर आलम को पार्टी उतारे. वहीं बरही से उम्र उमाशंकर अकेला के आड़े आ रही है. इसलिए उन्होंने खुद अपने पुत्र का नाम प्रस्तावित कर दिया है. झामुमो और कांग्रेस की सूची जारी होने के बाद बहुत हद तक गठबंधन की तस्वीर साफ हो जाने की उम्मीद है.

न्यूज इन ब्रीफ

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, डूबे 9 लाख करोड़

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को भारी गिरावट देखने को मिली. शेयर बाजार में भारी गिरावट के कारण बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का मार्केट कैप करीब 9 लाख करोड़ रुपए कम होकर 445 लाख करोड़ रुपए रह गया है. सेंसेक्स कारोबार के अंत में 930.55 अंक या 1.15 प्रतिशत की भारी गिरावट के बाद 81,151.27 पर बंद हुआ. वहीं, निफ्टी 309.00 अंक या 1.25 प्रतिशत गिरने के बाद 24,472.10 पर बंद हुआ.

-पेज 11 भी देखें

मतदान के दिन झारखंड में सार्वजनिक छुट्टी रहेगी

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया गया है. चुनाव आयोग ने मतदान की तिथि 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होनेवाले मतदान के दिन निगोशिएबुल इन्स्ट्रुमेन्ट्स एक्ट, 1881 की धारा-25 के तहत सभी सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में छुट्टी घोषित की है. कार्मिक विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है.

फिर धरती की ओर आ रहा एस्टेरॉयड

वाशिंगटन। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने घोषणा की है कि एक विशाल एस्टेरॉयड (क्षुद्रग्रह) 24 अक्टूबर को रात 9:17 बजे पृथ्वी के पास से गुजरनेवाला है. इस एस्टेरॉयड को 363305 (2002 एनवी16) नाम दिया गया है. यह नियर-अर्थऑब्जेक्ट लगभग 580 फीट लंबा है, जो आकार में एक बड़ी इमारत के बराबर है. यह पृथ्वी के सबसे नजदीक 4,520,000 किमी की दूरी से होकर गुजरेगा. यह विशाल एस्टेरॉयड लगभग 17,542 किमी प्रति घंटे की स्पीड से अंतरिक्ष में सफर कर रहा है.

तस्लीमा का निवास परमिट हुआ रिन्यू

नयी दिल्ली। बांग्लादेश की चर्चित लेखिका तस्लीमा नसरीन को भारत सरकार से बड़ी राहत मिली है. उन्होंने निवास परमिट रिन्यू होने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया है. मंगलवार को तस्लीमा ने एक्स पर शाह को बहुत-बहुत धन्यवाद कहा. तस्लीमा सोमवार को अमित शाह से निवास परमिट बढ़ाने की अपील की थी. उन्होंने कहा था कि वह भारत को अपना दूसरा घर मानती हैं और पिछले 20 वर्षों से यहां रह रही हैं. अब गृह मंत्रालय ने उनके परमिट को रिन्यू कर दिया है.

दिल्ली में दिव्यांगों को 5000 महीना मिलेगा

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग व्यक्तियों के लिए मासिक सहायता राशि देने का ऐलान किया है. दिल्ली सरकार ऐसे दिव्यांग लोगों को हर माह 5000 रुपए दिया करेगी. यह राशि पूरे देश में सबसेअधिक है. इसकी जानकारी समाज कल्याण मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दी. भारद्वाज ने कहा कि 60 फीसदी से अधिक विकलांगता वाले दिव्यांगजन इस मासिक आर्थिक सहायता के लिए योग्य होंगे.

सरकार हमारी ही बनेगी: हेमंत

- जो अपने राज्य में आदिवासियों को एसटी का दर्जा नहीं देते, वे यहां आदिवासियों के विकास की बात करते हैं
- केंद्र सरकार यदि झारखंड की इतनी ही हितैषी है, तो हमारा 1 लाख 36 हजार करोड़ का बकाया तुरंत दे दे

संवाददाता। चांडिल

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि जो अपने राज्य में यहां के आदिवासियों को एसटी का दर्जा नहीं दिला सके, वे यहां आकर आदिवासियों के विकास की बात करते हैं. ताज्जुब की बात है. जब-जब चुनाव आता है, भाजपा जनता को छलने का काम करती है. ऐसे मौकापरस्तों और उनके नेताओं से सावधान रहना है.

हेमंत मंगलवार को चांडिल प्रखंड के गांगुडीह फुटबॉल मैदान में ईचागढ़ से गठबंधन समर्थित उम्मीदवार सविता महतो के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि कोरोना काल में झारखंड सरकार ने देश के अलग-अलग राज्यों से विशेष हवाई जहाजों और ट्रेनों से मजदूरों को घर लाने का काम किया. महामारी के दौरान विकास का काम ठप पड़ गया था. बावजूद इसके उन्होंने राज्य में किसी को भूखा मरने नहीं दिया.

विपक्षी दलों ने सरकार को अस्थिर करने का प्रयास जारी रखा. राज्य में विकास का काम बाधित हो, इसलिए उन्हें जेल में भी डाला गया. बावजूद इसके राज्य में विकास की गंगा बही है. उन्होंने कहा कि आने वाली सरकार में ऐसी व्यवस्था बनाएंगे कि सरकारी कर्मी घर-घर जाकर आय, जाति, आवासीय प्रमाण पत्र के अलावा जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, पेंशन आदि के कागज बनाएंगे. गांव मजबूत होगा, तो पंचायतों का विकास होगा. पंचायतें मजबूत होंगी, तो प्रखंड मजबूत होगा, प्रखंड मजबूत होने से जिला मजबूत होगा और जिला मजबूत होता है, तो निश्चित रूप से राज्य मजबूत होगा.

हेमंत ने कहा कि विरोधी दल के दर्जन भर सीएम और पूर्व मुख्यमंत्री को लगाकर राज्य की खनिज संपदा लूटने की प्रयास हो रहा है. इसके लिए भाजपा ने पूरे देश के नेताओं को झारखंड भेजा है. मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों के लिए इतना काम कर उन्हें इस कदर मजबूत करेंगे कि यहां से गरीबी का नामोनिशान मिट जाएगा. विरोधी दलों ने उनकी सरकार को बंटी-बबली की सरकार बताया है, लेकिन उन्हें मालूम होना चाहिए कि बंटी-बबली एक सुपरहिट फिल्म है और यह सरकार भी सुपरहिट रही. अगली सरकार राज्य में निश्चित रूप से झामुमो के नेतृत्व में बनेगी. डबल इंजन की सरकार सिर्फ हवा हवाई बात करती है. अगर केंद्र सरकार वास्तव में गरीबों का विकास चाहती है, तो झारखंड का एक लाख 36 हजार करोड़ रुपए बकाया का भुगतान करे. उन्होंने एनडीए प्रत्याशी को नकली आंदोलनकारी बताया है.

चांडिल में जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन.

सेबी चेयरपर्सन को मिली सरकार से क्लीन चिट!

नयी दिल्ली। सेबी की चेयरपर्सन माधबी बुच को सरकार ने क्लीन चिट दे दी है. इंडिया टुडे की खबर में सूत्रों के हवाले से बताया गया, बुच के खिलाफ आरोपों की जांच में आपत्तिजनक कुछ भी नहीं मिला. वह अपना कार्यकाल पूरा करेंगी, जो फरवरी 2025 में पूरा होगा. सूत्रों के मुताबिक अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च व कांग्रेस द्वारा सेबी प्रमुख के खिलाफ हितों के टकराव और वित्तीय कदाचार के आरोप लगाए जाने के बाद जांच जरूरी थी. बुच को हितों के टकराव और वित्तीय कदाचार के आरोपों पर जांच का सामना करना पड़ा. हिंडनबर्ग ने एक रिपोर्ट में अडानी समूह के साथ सेबी की प्रमुख माधवी बुच पर कई आरोप लगाए थे. हिंडनबर्ग ने कहा कि बुच व उनके पति ने बरमूडा तथा मॉरीशस में अस्पष्ट विदेशी कोषों में अघोषित निवेश किया था.

चीन ने भी की लद्दाख सीमा विवाद पर समझौते की पुष्टि

चीनी विदेश मंत्रालय बोला- हम प्रासंगिक समाधान पर पहुंचे हैं

एजेंसियां। बीजिंग

चीन ने पुष्टि की है कि पूर्वी लद्दाख में दोनों सेनाओं के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए भारत के साथ समझौता हो गया है. चीन के सरकारी ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, विवादित क्षेत्रों में सीमा गश्त पर चीन और भारत के बीच कथित समझौते के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने वर्तमान समझौते की पुष्टि की. उन्होंने कहा कि चीन और भारत ने सीमा से संबंधित मुद्दों के बारे में कूटनीतिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से घनिष्ठ संचार बनाए रखा है. सहमति इस पर बनी है कि देपसांग और डेमचॉक एरिया में जहां गश्त ब्लॉक है, वहां सैनिक पीछे हटेंगे और गश्त फिर से शुरू होगी.

भारत के साथ काम करने पर चीन का जोर

लिन जियान ने कहा कि वर्तमान में, दोनों पक्ष प्रासंगिक मामलों पर एक समाधान पर पहुंच गए हैं, जिसे चीन सकारात्मक रूप से देखता है. प्रवक्ता ने कहा कि अगले चरण में, चीन समाधान योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए भारत के साथ काम करेगा.

भारत ने कहा-भरोसा करने में वक्त लगेगा

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सीमा पर पेट्रोलिंग समझौते के बाद कहा है कि चीन पर भरोसा करने में अभी समय लगेगा. जनरल द्विवेदी ने कहा, एलएसी पर विश्वास बहाल करना लंबी प्रक्रिया होगी, जिससे अप्रैल 2020 की स्थिति पर पहुंचा जा सकेगा. उन्होंने कहा, प्रक्रिया चरणों में होगी, जिसमें प्रत्येक चरण का उद्देश्य तनाव कम करना होगा.

किसी के घर नहीं चलेगा बुलडोजर, सुप्रीम कोर्ट का ब्रेक

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फिर यूपी सरकार के बुलडोजर ऐक्शन पर रोक लगा दी है. मंगलवार को बहराइच हिंसा में शामिल तीन आरोपियों की संपत्तियों को ध्वस्त करने की यूपी सरकार की कार्रवाई पर एक दिन लिए रोक लगा दी है. मामले की सुनवाई बुधवार को भी होगी. न्यायमूर्ति बीआर गवई ने कहा, आप इस कोर्ट के आदेशों से अवगत हैं. यदि यूपी सरकार इन आदेशों का उल्लंघन करने का जोखिम उठाना चाहती है, तो यह उसकी मर्जी है. कोर्ट ने सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों, रेलवे लाइनों या जल निकायों पर अतिक्रमण से जुड़े मामलों को छोड़ कर देश में बिना अनुमति बुलडोजर ऐक्शन पर रोक लगा दी है. बीते एक अक्टूबर को कोर्ट ने अधिकारियों द्वारा गैरकानूनी बुलडोजर विध्वंस को चुनौती देनेवाली याचिकाओं के एक बैच में अपना फैसला सुरक्षित रखा. पिछले हफ्ते लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने धार्मिक जुलूस के दौरान संगीत बजाने को लेकर बहराइच जिले के एक गांव में सांप्रदायिक हिंसा में शामिल तीन लोगों को ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किया. बता दें कि इस हिंसा में राम गोपाल मिश्रा की गोली लगने से मौत हो गई थी.याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि संपत्तियां 10-70 साल पुरानी हैं और आरोप लगाया कि प्रस्तावित विध्वंस कार्रवाई दंडात्मक है. उन्होंने कहा कि सरकार का अनधिकृत निर्माण का दावा केवल सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं मानने का एक बहाना है.

बिक्स सम्मेलन | पुतिन के साथ द्विपक्षीय बातचीत में बोले पीएम- रूस से रिश्ते और मजबूत होंगे

हर समस्या का समाधान शांति से ही संभव : मोदी

एजेंसियां। कजान

कजान में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने मंगलवार को पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर बात की. पीएम मोदी ने कहा कि रूस के साथ हमारे ऐतिहासिक संबंध हैं. हमारी गहरी मित्रता है. हमारे संबंध और मजबूत होंगे. पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन को ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर बधाई दी.

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे मोदी का भव्य स्वागत

पीएम मोदी ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर हमारा संपर्क बना हुआ है. हर समस्या का हल शांति से ही हो सकता है. रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर पीएम ने कहा कि भारत अपने रुख पर कायम है और शांति को लेकर हर संभव सहयोग करेगा. भारत मानवता को प्राथमिकता देने के लिए तैयार है. हम शांति और स्थिरता की बहाली का समर्थन करते हैं. पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं रूस की मित्रता, गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं. ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए कजान जैसे खूबसूरत शहर में आने का अवसर मिलना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है. कजान में भारत के नए वाणिज्य दूतावास के खुलने से दोनों देशों के संबंध और मजबूत होंगे. पिछले 3 महीनों में मेरा दो बार रूस आना हमारे करीबी समन्वय और गहरी मित्रता को दर्शाता है. उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में ब्रिक्स की सफलता के लिए मैं आपको बधाई देता हूं. ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए उत्सुक हूं. इससे पहले पीएम मोदी के कजान पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया. रूसियों ने मोदी के स्वागत में कृष्ण के भजन भी गाए. इसके जवाब में मोदी भी हाथ जोड़े रहे. कुछ रूसी समुदाय के लोगों ने अपने हाथों में तिरंगा थाम रखा था.

रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ पीएम मोदी.

पुतिन ने ऐसा क्या कहा जो हंस पड़े पीएम मोदी

रूस के कजान पहुंचने के बाद पीएम मोदी रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिले और द्विपक्षीय बैठक की. बैठक में दौरान हंसी मजाक के क्षण भी देखे गए. दरअसल पुतिन की बात समझने के लिए मोदी को अनुवादक की जरूरत पर पुतिन के कमेंट ने सभागार का माहौल हल्का-फुल्का कर दिया. मोदी भी पुतिन की बात पर हंसने लगे. पुतिन ने कहा कि पीएम को अनुवादक की जरूरत नहीं है. हमारे संबंध इतने पुराने हैं कि मुझे नहीं लगता कि आप को मुझे समझने के लिए अनुवाद की जरूरत है. पुतिन ने कहा, मुझे याद है कि हम जुलाई में मिले थे और कई मुद्दों पर बहुत अच्छी चर्चा हुई थी.

वक्फ बिल पर जेपीसी की बैठक में जमकर बवाल

टीएमसी सांसद ने तोड़ी बोतल खुद को ही कर लिया घायल

एजेंसियां। नयी दिल्ली

वक्फ बिल पर हुई जेपीसी की बैठक के दौरान टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी और भाजपा के अभिजीत गंगोपाध्याय के बीच मंगलवार को तीखी बहस के बाद बैठक में हंगामा हो गया. इस दौरान बनर्जी ने गुस्से में कांच की बोतल तोड़ दी, जिससे उनकी उंगली घायल हो गई. घटना के बाद उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया. यह घटना तब हुई जब वक्फ बिल पर चर्चा के दौरान कुछ विपक्षी सदस्यों ने सेवानिवृत्त जजों- वकीलों की भूमिका पर सवाल उठाए. बैठक की अध्यक्षता भाजपा सांसद जगदंबिका पाल कर रहे थे. चर्चा में कल्याण बनर्जी और भाजपा नेता अभिजीत गंगोपाध्याय के बीच तकरार हुई, जिसके बाद स्थिति और बिगड़ गई. बनर्जी ने गुस्से में पानी की कांच की बोतल उठाई और उसे जोर से मेज पर मार दिया, जिससे उनके हाथ में चोट लगी.

कल्याण बनर्जी एक सत्र के लिए निलंबित: कल्याण बनर्जी को उनके व्यवहार के लिए जेपीसी की बैठक से एक सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है. वह जेपीसी की अगली बैठक में शामिल नहीं हो सकेंगे हैं. बैठक में 9-7 वोट के अंतर से यह फैसला किया गया है. सूत्रों के मुताबिक, जेपीसी की बैठक में जस्टिस इन रियल्टी, कटक और पंचसखा बानी मंडली, कटक के प्रतिनिधि बात रख रहे थे, तो हंगामा हो गया. बिना बारी के कल्याण बनर्जी कई बार अपनी बात रख चुके थे. लेकिन, जब उन्होंने एक बार फिर से बोलने का प्रयास किया तो भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय ने उस पर विरोध जताया.

कभी किसी एक पार्टी को बहुमत नहीं, गठबंधन ही जीता, सत्ता पर काबिज हुआ

झारखंड में 24 साल में 13 सरकारें, सात नेताओं के इर्द-गिर्द ही घूमती रही राज्य की सत्ता

2014 में पहली दफा रघुवर दास के नेतृत्ववाली सरकार ने सत्ता संभाली, पांच साल का कार्यकाल भी पूरा किया

13 अलग-अलग सरकारें देखीं झारखंड ने, और इन सरकारों का नेतृत्व अलग-अलग सात नेताओं ने ही किया है

रवि भारती। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर दो चरणों में 13 व 20 नवंबर को मतदान होना है. एनडीए के घटक दलों ने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है. इंडी गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने 21 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है. झामुमो ने प्रत्याशियों को बता दिया है कि उन्हें कहां से चुनाव लड़ना है. सीएम हेमंत सोरेन ने गढ़वा से झामुमो प्रत्याशी मिथलेश ठाकुर का नामांकन भी करा दिया है. इंडी गठबंधन में सीट शेयरिंग के लेकर अभी भी पेंच फंसा है. राजद-माले नाराज बताये जा रहे हैं. लेकिन जो बी मुंकाबला इंडी और एनडीए के बीच ही होना है. वर्ष 2000 में झारखंड अलग राज्य के गठन के बाद से हीं यहां ज्यादातर सरकारें झामुमो या कांग्रेस की ही बनी हैं. देका जाए, तो 24 साल के झारखंड ने 13 अलग-अलग सरकारें देखी हैं. और इन सरकारों का नेतृत्व अलग-अलग सात नेताओं ने किया है.

झारखंड बिहार का हिस्सा था. वर्ष 2000 में झारखंड बिहार से अलग होकर देश का 28वां राज्य बना था. साल के शुरुआत में ही बिहार में हुए चुनाव के आधार पर झारखंड की पहली विधानसभा का गठन हुआ. इन चुनावों के आधार पर भाजपा ने सहयोगी आजसू व जदयू के साथ मिलकर राज्य में पहली सरकार बनायी थी. 15 नवंबर 2000 को बाबूलाल मरांडी ने राज्य के पहले मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. सीएम के रूप में मरांडी ढाई साल तक सत्ता में रहे. सहयोगी जदयू से खटपट के कारण मरांडी को सत्ता छोड़नी पड़ी और उनकी जगह अर्जुन मुंडा राज्य के दूसरे मुख्यमंत्री बने. मुंडा 2005 में पहली विधानसभा के कार्यकाल के अंत तक मुख्यमंत्री बने रहे. वैसे अर्जुन मुंडा तीन दफा झारखंड के मुख्यमंत्री रह चुके हैं.

2005 में 10 दिन के लिए मुख्यमंत्री बने थे शिबू सोरेन

81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा के लिए 2005 में राज्य में पहली बार चुनाव हुए थे. इस चुनाव में सत्ताधारी भाजपा व गठबंधन के साथी दल 41 सीटों के जादुई आंकड़ों से पिछड़ गये. भाजपा ने 23.57% वोटों के साथ सबसे ज्यादा 30 सीटें जीतीं. झारखंड मुक्ति मोर्चा ने 14.29% वोटोंके साथ 17 सीटें जीतीं थीं. नौ सीटें जीतकर कांग्रेस तीसरी बड़ी पार्टी बनी थी. उसे 12.05% वोट मिले थे. इसके अलावा राजद (राष्ट्रीय जनता दल) के सात, जदयू के छह और आजसू के दो उम्मीदवार जीते थे. निर्दलीय सहित अन्य दलों के 10 उम्मीदवार जीते थे. यानि किसी भी एक पार्टी या गठबंधन को सरकार बनाने का जनादेश नहीं मिला था. झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन ने सरकार बनाने का दावा तो पेश किया था, लेकिन आवश्यक संख्या नहीं जुटा सके. इसलिए सीएम के रूप में शपथ लेने के 10 दिन के भीतर उन्हें इस्तीफा देना पड़ा.

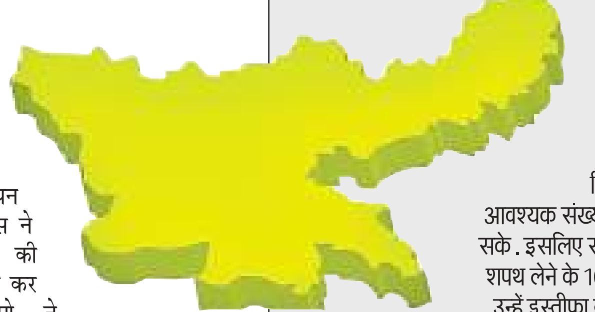

डेढ़ साल तक ही चल पाई थी अर्जुन मुंडा की सरकार

शिबू सोरेन के इस्तीफे के बाद अर्जुन मुंडा ने भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया और मार्च 2005 में दूसरी बार सीएम बने. लेकिन मुंडा के नेतृत्व वाली सरकार केवल डेढ़ साल तक ही चल सकी थी. गठबंधन टूटने के कारण सितंबर 2006 में उन्हें इस्तीफा देना पड़ा. इसके बाद उसके बाद जेएमएम के समर्थन वाली एक और गठबंधन सरकार ने राज्य की सत्ता संभाली थी.

निर्दलीय मधु कोड़ा दो साल सीएम रहे शिबू ने सत्ता संभाली, पर चुनाव हार गये

झारखंड में पहली बार सरकार का नेतृत्व एक निर्दलीय विधायक मधु कोड़ा ने किया. कोड़ा जब सीएम बने, तब उनकी उम्र करीब 35 साल थी. कोड़ा सरकार को झामुमो और अन्य दलों का समर्थन हासिल था. करीब दो साल बाद झामुमो ने समर्थन वापस ले लिया और मधु कोड़ा की सरकार गिर गई.इ सके बाद झामुमो के नेता शिबू सोरेन अगस्त 2008 में दूसरी बार सीएम बने. सोरेन जब सीएम बने, तो वे लोकसभा सांसद थे. सीएम बने रहने के लिए शिबू सोरेन को उपचुनाव लड़ना पड़ा. जनवरी 2009 में सोरेन उपचुनाव हार गए, जिसके चलते उन्हें सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा.

दूसरी दफा चुनाव होने तक राष्ट्रपति शासन लागू हुआ

उपचुनाव में शिबू सोरेन के हारने के बाद राज्य में राजनीतिक अनिश्चितता का माहौल बन गया. नतीजतन राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू हो गया. दिसंबर 2009 तक राज्य में राष्ट्रपति शासन जारी रहा. इसका बाद ही झारखंड में दूसरी बार चुनाव हुए.

दूसरे चुनाव के बाद भी कई बार सरकारें बनीं और गिरीं

2009 में राज्य में दूसरी बार विधानसभा चुनाव हुए.लेकिन कोई भी पार्टी या गठबंधन 41 सीटों के जादुई आंकड़े को नहीं छू पाया. भाजपा को सबसे ज्यादा 20.18% मत के साथ 18 सीटें मिलीं थीं. झारखंड मुक्ति मोर्चा ने 15.20% वोट हासिल कर 18 सीटें जीतीं. 16.16% वोट के साथ 14 सीटें जीतकर कांग्रेस तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी. 8.99% वोट के साथ बाबूलाल मरांडी की पार्टी झारखंड विकास मोर्चा (प्रजातांत्रिक) के 11 विधायक जीत कर आये. राजद और आजसू के पांच-पांच और जदयू के दो उम्मीदवार जीते था. निर्दलीय और अन्य दलों के कुल आठ प्रत्याशी चुनाव जीते.

झामुमो ने भाजपा के साथ मिलकर भी सरकार बनायी

खंडित जनादेश के कुछ महीनों बाद झामुमो, भाजपा ने अन्य दलों के साथ मिलकर गठबंधन सरकार बनाई, जिसका नेतृत्व शिबू सोरेन ने किया. सोरेन का तीसरा कार्यकाल करीब पांच महीने (दिसंबर 2009-मई 2010) तक रहा, क्योंकि भाजपा ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया. कुछ समय तक राष्ट्रपति शासन लगा रहने के बाद सितंबर 2010 में भाजपा के अर्जुन मुंडा तीसरी बार सीएम बने. लेकिन अर्जुन मुंडा सरकार का तीसरा कार्यकाल जनवरी 2013 में ही समाप्त हो गया. राष्ट्रपति शासन हटने के बाद शिबू सोरेन के बेटे हेमंत सोरेन सीएम बने. झामुमो-कांग्रेस गठबंधन के नेतृत्व वाली सरकार डेढ़ साल तक चली.

पहली बार रघुवर सरकार ने कार्यकाल पूरा किया

2014 में विधानसभा के लिए तीसरी बार हुए चुनाव में 81 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने सबसे अधिक 37 सीटें जीतीं थीं.भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने दिसंबर 2014 में बतौर सीएम शपथ ली. उनकी सरकार ने राज्य के इतिहास में पहली बार पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा किया था.भाजपा को 31.26% वोट मिले थे. झामुमो ने 20.43% वोट के साथ 17 सीटें जीती थीं. 9.99% वोट के साथ आठ विधायक झाविमो (प्रजातांत्रिक) के जीते थे. 10.46% वोट के साथ कांग्रेस के छह, तो 3.68% वोट के साथ आजसू के पांच विधायक जीते. छह अन्य विधायक भी विधानसभा पहुंचे.

2019 में पांच चरणों में हुए चुनाव, झामुमो सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी

वर्ष 2019 में चौथी दफा हुए झारखंड विधानसभा के चुनाव हुए .30 नवंबर से 20 दिसंबर के बीच पांच चरणों में 65.18 फीसदी मतदान हुआ.नतीजे 23 दिसंबर 2019 को घोषित हुए. सत्ताधारी भाजपा को झटका लगा और वह 41 सीटों के जादुई आंकड़ों से पिछड़ गई. हेमंत सोरेन की पार्टी झामुमो को सबसे ज्यादा 30 सीटें आईं और इसे 18.72% वोट मिले. इसके बाद भाजपा को 25 सीटें मिलीं, जिसने 33.37% वोट हासिल किए. कांग्रेस के 16 विधायक (13.88% वोट), झाविमो के तीन (5.45% वोट) और आजसू के दो विधायक (8.1% वोट) जीते. इसके अलावा दो निर्दलीय विधायक भी जीते. जबकि राजद, भाकपा (माले) और एनसीपी के एक-एक विधायक जीते. राज्य में झामुमो के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनी. सरकार में झामुमो को कांग्रेस, राजद, सीपीआई (एमएल) और एनसीपी का साथ मिला. इसके अलावा झाविमो प्रमुख और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने भी सोरेन सरकार को अपनी पार्टी का समर्थन दिया और 29 दिसंबर को झामुमो विधायक दल के नेता हेमंत सोरेन ने सीएम पद की शपथ ली थी.

2020 में बाबूलाल मरांडी ने भाजपा में वापसी की

फरवरी 2020 में झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने घर वापसी की. वे भाजपा में शामिल हो गए. उन्होंने अपनी पार्टी झाविमो (झारखंड विकास मोरचा) का भाजपा में विलय कर दिया.

जनवरी 2024 में हेमंत जेल गये तो चंपाई सीएम बने : 31 जनवरी 2024 को भूमि घोटाले के आरोपों से घिरने के कारण सीएम हेमंत सोरेन को ईडी(प्रवर्तन निदेशालय(ने गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी से ऐन पहले उन्होंने पद से त्यागपत्र दिया और राज्य की कमान शिबू सोरेन के करीबी माने जाने वाले चंपई सोरेन को मिली. 2 फरवरी 2024 को उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली.

चार जुलाई 2024 को हेमंत तीसरी बार सीएम बने : पांच महीने से जेल में बंद हेमंत को 28 जून को बड़ी राहत मिल गई. झारखंड उच्च न्यायालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत दे दी. इसके बाद झारखंड में नेतृत्व परिवर्तन हुआ और अदालत से राहत मिलने के बाद हेमंत ने चंपई की जगह ली. 4 जुलाई को हेमंत तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बन गये.

चंपाई हटाये गये, तो बिदके, भाजपा के हुए, सरायकेला से लड़ रहे चुनाव : हेमंत सोरेन द्वारा सत्ता संभालने के बाद ही पूर्व मुख्यमंत्री चंपई के पाला बदलने की पटकथा शुरू हो गई. अगस्त मध्य में चंपई सोरेन ने भाजपा नेताओं से मुलाकात की. चंपई ने 18 अगस्त को एक लंबा सोशल मीडिया पोस्ट लिखा, यह साफ हो गया कि चंपाई अब जल्द ही झामुमो से नाता तोड़ेंगे. चंपाई ने सोशल मीडिया पर ए पार्टी नेतृत्व पर खुद को अपमानित करने का आरोप लगाया. 26 अगस्त को चंपई नई दिल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से फिर मुलाकात की. चंपई सोरेन आखिरकार 30 अगस्त को रांची में आधिकारिक तौर पर भाजपा में शामिल हो गये और पार्टी के टिकट से सरायकेला से चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे हैं.

विस चुनाव : कांग्रेस की पहली लिस्ट में सिटिंग एमएलए से 21 को टिकट मिला

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने सोमवार देर रात अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी. पहली लिस्ट में 21 उम्मीदवारों के नाम हैं. अफवाहों और अटकलों के बीच कांग्रेस ने हटिया से अजयनाथ शहदेव को टिकट दिया है. वहीं जामताड़ा से डॉ इरफान अंसारी, रामगढ़ से ममता देवी, हजारीबाग से मुन्ना सिंह, जमशेदपुर पूर्वी से डॉ अजय कुमार और सिमडेगा से भूषण बाड़ा को चुनावी मैदान में उतारा है. इसके अलावा कांग्रेस की लिस्ट में 15 प्रत्याशियों के नाम हैं.

बीजेपी जारी कर चुकी है पहली लिस्ट : बता दें कि बीजेपी 66 उम्मीदवारों की अपनी पहली लिस्ट पहले ही जारी कर चुकी है. बीजेपी ने पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को सरायकेला विधानसभा सीट से टिकट दिया है. चंपाई सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं. साथ ही बाबूलाल मरांडी को धनवार से चुनावी मैदान में उतारा है. बीजेपी ने जामताड़ा सीट से सीता सोरेन, कोडरमा से नीरा यादव, गांडेय से मुनिया देवी, सिंदरी से तारा देवी, निरसा से अपर्णा सेनगुप्ता, झरिया से रागिनी सिंह, चाईबासा से गीता बलमुचू, छतरपुर से पुष्पा देवी भुइयां को टिकट दिया है.

झारखंड विस चुनाव इस बार कई मायनों में खास : झारखंड विस चुनाव इस बार कई मायनों में खास है. एक तरफ बीजेपी इस बार झारखंड जीतने के लिए पूरी जान लगा रही है, वहीं दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन भी सत्ता में बने रहने के लिए जोर लगा रहा है. चुनावी दंगल के बीच जेएमएम ने सोमवार देर रात बड़ा दांव खेला. हेमंत सोरेन ने बीजेपी के छह दिग्गज नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करा लिया. इनमें बरेहट विधानसभा सीट से हेमंत सोरेन के खिलाफ बीजेपी की संभावित उम्मीदवार लुईस मरांडी, घाटशिला के पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू, बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी, सरायकेला सीट से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी गणेश महली, पूर्वी सिंहभूम के भाजपा जिलाध्यक्ष बारी मुर्मू और भाजपा नेता बास्को बेसरा शामिल हैं. लुईस मरांडी को भाजपा हेमंत सोरेन की बरेहट सीट से चुनावी मैदान में उतारना चाहती थी, लेकिन वे दुमका सीट से चुनाव लड़ना चाहती थीं, जहां से बीजेपी ने सुनील सोरेन को मैदान में उतारा है. ऐसे में उन्होंने जेएमएम का दामन थाम लिया.

जानें किसे कहां से मिला है टिकट

हटिया : अजय नाथ शहदेव
जामताड़ा : इरफान अंसारी
जरमुंडी : बादल पत्रलेख
पोड़ैयाहाट : प्रदीप यादव
महगामा : दीपिका पांडेय सिंह
बड़कागांव : अंबा प्रसाद
रामगढ़ : ममता देवी
मांडू : जयप्रकाश भाई पटेल
हजारीबाग : मुन्ना सिंह
बेरमो : कुमार जयमंगल
झरिया : पूर्णिमा नीरज सिंह
बाघमारा : जलेश्वर महतो
जमशेदपुर (पूर्वी) : डॉ अजय कुमार
जमशेदपुर (प.) : बन्ना गुप्ता
जगन्नाथपुर (एसटी) : सोनाराम सिंकू
खिजरी (एसटी) : राजेश कच्छप
मांडर (एसटी) : शिल्पी नेहा तिर्की
सिमडेगा (एसटी) : भूषण बाड़ा
कोलेबिरा (एसटी) : नमन विक्सल कोंगाड़ी
लोहरदगा (एसटी) : रामेश्वर उरांव
मनिका (एसटी) : रामचंद्र सिंह

81 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में होगा चुनाव

झारखंड की 81 विधानसभा क्षेत्रों में दो चरणों में मतदान होगा. पहला चरण 13 नवंबर को होगा, जिसमें 43 सीटों पर वोटिंग होगी. वहीं दूसरा चरण 20 नवंबर को है, जिसमें 38 सीटों पर मतदान होगा. इसके बाद 23 नवंबर को मतगणना होगी. चुनाव आयोग के मुताबिक, झारखंड में कुल मतदाताओं की संख्या 2,55,18,642 है, जिनमें 1,29,97,325 पुरुष मतदाता और 1,25,20,910 महिला मतदाता हैं.

जयराम की पार्टी की चौथी लिस्ट जारी 25 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा

रांची। जयराम महतो की पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने मंगलवार को चौथी लिस्ट जारी की. इस सूची में 25 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गयी है.

जानें किसे कहां से मिला है टिकट

विधानसभा सीट	उम्मीदवारों के नाम	विधानसभा सीट	उम्मीदवारों के नाम
जुगसलाई (एससी)	विनोद स्वांसी	सिमरिया(एससी)	जीतेंद्र राम
नाला	रघुवीर यादव	बहरागोड़ा	दिनेश महतो
जामताड़ा	तरूण गुप्ता	बड़कागांव	बालेश्वर मेहता
जमशेदपुर पश्चिमी	प्यारेलाल साहू	चक्रधरपुर(एसटी)	बसंती पूर्ति
रामगढ़	पनेश्वर महतो	तोरपा	लक्ष्मण पाहन
मनोहरपुर (एसटी)	दिलबार खारका	सिसई	सुशील तोपनो
जगन्नाथपुर (एसटी)	लक्ष्मीनाथ गगराई	इचागढ़	तरूण कुमार महतो
विश्रामपुर	विवेक तिवारी	विशुनपुर(एसटी)	यशोदा देवी
मधुपुर	सद्दाम अंसारी	पांकी	ओंकारनाथ जायसवाल
बोरिया(एसटी)	उमेश वेदिया	लातेहार(एससी)	संतोष पासवान
गढ़वा	सोनू कुमार यादव	मणिका(एसटी)	बलवंत सिंह चेरो
चतरा(एससी)	उमेश भारती	हटिया	अयुब अली
		कोलेबिरा(एसटी)	अजय एक्का

सीपीआई 15 सीटों पर लड़ेगी चुनाव, 10 उम्मीदवार घोषित

संवाददाता। रांची

भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के महासचिव महेंद्र पाठक, कार्यालय सचिव अजय सिंह, पार्टी के केडी सिंह, पीके पांडे ने संवाददाता सम्मेलन मंगलवार को घोषणा की उनकी पार्टी झारखंड में 15 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. उन्होंने बताया कि इंडिया गठबंधन से सहमति नहीं बन पाई. लेकिन हम लोग बीजेपी को सत्ता में आने से रोकने के लिए जनता के हक अधिकार के लिए चुनावी मैदान में उतर रहे हैं. सीपीआई ने झारखंड के 15 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है. कार्यालय सचिव अजय सिंह ने कहा कि 10 सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा की गई है.

10 सीटें इस प्रकार : नाला से कन्हाई चंद्रपाल पहाड़िया, सारठ से छाया कोन, डालटनगंज से रूचि तिवारी, कांके से संतोष रजक, सिमडेगा से सुरेश भुईया, चतरा से डोमन भुईया, विशुनपुर से महेंद्र उरांव, बरकट्टा से महादेव राम, भवनाथपूर से घनश्याम पाठक हैं. अन्य सीटों में पोड़ैया हाट, बड़कागांव, रांची, हजारीबाग शामिल हैं.

2019 में भाजपा से लड़ा था चुनाव, गठबंधन में कांग्रेस को मिली है मनिका सीट

रघुपाल सिंह ने थामा सपा का दामन

वरीय संवाददाता। लातेहार

मनिका विधानसभा क्षेत्र में इस बार चुनाव दिलचस्प होने की संभावना है. भाजपा और कांग्रेस के बाद अब मनिका में बसपा की भी इंट्री हो चुकी है. सपा ने रघुपाल सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया है. जबकि भाजपा से हरिकृष्ण सिंह व कांग्रेस से विधायक रामचंद्र सिह मैदान में हैं. रघुपाल सिंह का खरवार एवं अन्य समुदायों में खासी पकड़ है. कहना गलत नहीं होगा कि इस बार मनिका में त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है. यहां यह बता दें कि रघुपाल सिंह वहीं है जिन्होने वर्ष 2019 में भाजपा के सिबंल पर चुनाव लड़ा था और दूसरे स्थान पर रहे थे. कांग्रेस के रामचंद्र सिंह ने उन्हें हराया था. रामचंद्र सिंह को 74000 और रघुपाल सिंह को 57760 वोट मिले थे. रघुपाल सिंह 16240 वोटों से पीछे रह गये थे. दो बार के सीटिंग विधायक हरिकृष्णा सिंह का टिकट काट कर भाजपा ने रघुपाल सिंह पर दांव खेला था और यह दांव उल्टा पड़ गया था. इसके बाद रघुपाल सिंह पिछले साल राजद में शामिल हो गये. उन्हें उम्मीद थी कि इस चुनाव में यह सीट राजद को मिलेगी. लेकिन गठबंधन के तहत मनिका विधानसभा सीट कांग्रेस के पाले में चली गयी है. यहां से कांग्रेस के सीटिंग विधायक रामचंद्र सिह के लिए यह सीट राजद को छोड़नी पड़ी. जानकारों के अनुसार मनिका विधानसभा सीट के लिए राजद ने एड़ी-चोटी कर एक दी थी. अंततः यह सीट कांग्रेस को चली गयी. इसके बाद रघुपाल सिंह ने बसपा से संपर्क साधा और सिंबल ले कर मनिका लौटे. मनिका में उनका भव्य स्वागत किया गया. रघुपाल सिंह के साथ राजद के जिला महासचिव मोहन सिंह यादव, वरीय राजद नेता बलि यादव समेंत अन्य कई राजद नेताओं ने बसपा का दामन थाम लिया है.

क्षेत्र में प्रचार के दौरान सपा प्रत्याशी रघुपाल सिंह

खरवार जाति में है खासा प्रभाव

झारखंड विधानसभा चुनाव में 14705 होमगार्ड जवानों की होगी प्रतिनियुक्ति

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव में 14705 होमगार्ड जवानों की प्रतिनियुक्ति होगी. होमगार्ड जवानों की प्रतिनियुक्ति 16 दिनों के लिए होगी. इसको लेकर आईजी अभियान ने होमगार्ड डीजी को पत्र लिखकर अनुरोध किया है. लिखे गये पत्र में कहा गया है कि विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने के लिए काफी अधिक संख्या में बलों की प्रतिनियुक्ति की आवश्यकता होगी. इसको लेकर झारखंड के सभी जिलों में उपलब्ध कुल 21007 होमगार्ड के जवानों में से 70% यानी 14705 होमगार्डों को चुनाव ड्यूटी में प्रतिनियुक्त किया जाना आवश्यक प्रतीत हो रहा है.

जानें किस जिले से कितने होमगार्ड को चुनाव ड्यूटी में लगाया जायेगा

रांची	1355
खूंटी	436
गुमला	633
सिमडेगा	433
लोहरदगा	477
पलामू	1093
लातेहार	505
गढ़वा	445
हजारीबाग	488
रामगढ़	624
चतरा	752
कोडरमा	285
गिरिडीह	637
धनबाद	764
बोकारो	963
देवघर	449
जामताड़ा	356
दुमका	351
साहिबगंज	537
गोड्डा	449
पाकुड	353
जमशेदपुर	949
चाईबासा	774
सरायकेला	599
कुल	14705

फ्लैश बैक - 04 झारखंड के पहले वन एव पर्यावरण मंत्री थे यमुना सिंह

जब छह बार के विधायक यमुना सिंह को निर्दलीय लड़ना पड़ा था

लगातार चार बार विधायक बने

आशीष टैगोर। लातेहार

राजनीति के खेल भी निराले हैं. यह कब किस करवट बैठेगी किसी को पता नहीं चलता. अगर ऐसा नहीं होता तो छह बार के विधायक यमुना सिंह को मनिका विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव नहीं लड़ना पड़ता. यहां तक तो ठीक था, लेकिन उस चुनाव में उनका ऐसा हश्र होगा, किसी ने सोचा नहीं था. चुनाव में यमुना सिंह नीचे नौंवे स्थान पर रहे थे. बात 2009 के विधानसभा चुनाव की है. इस चुनाव में यमुना सिंह को भाजपा ने टिकट नहीं दिया था. भाजपा ने 30 वर्षीय युवा नेता हरिकृष्णा सिंह पर दांव खेला. इससे क्षुब्ध होकर यमुना सिंह ने मनिका विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ा और कुल 1712 वोट ला कर नौंवे स्थान पर रहे. उस चुनाव में मनिका से कुल 23 प्रत्याशियों ने किस्मत आजमायी थी.

1969 में पहली बार विधायक चुने गये थे यमुना सिंह : यमुना सिंह पहली बार भारतीय जनसंघ के टिकट पर वर्ष 1969 में लातेहार विधानसभा सीट से विधायक चुने गये थे. उस समय मनिका विधानसभा सीट अस्तित्व में नहीं आया था. मनिका विधानसभा क्षेत्र के अस्तित्व में आने के बाद 1977 में विधानसभा चुनाव हुए. इस चुनाव में यमुना सिंह ने मनिका विधानसभा क्षेत्र से जनता पार्टी के टिकट से चुनाव लड़ा और विजयी हुए. इसके बाद यमुना सिंह साल 1980, 1985, 1990 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के टिकट से चुनाव लड़े और जीते. लेकिन 1995 में उनका विजय रथ थम गया. राजद के रामचंद्र सिंह ने यमुना सिंह को हरा दिया.

1977 में विधानसभा चुनाव हुए. इस चुनाव में यमुना सिंह ने मनिका विधानसभा क्षेत्र से जनता पार्टी के टिकट से चुनाव लड़ा और विजयी हुए

झारखंड के पहले वन एवं पर्यावरण मंत्री बने थे : साल 2000 के चुनाव में यमुना सिंह ने मनिका विधानसभा सीट से एक बार फिर कम बैक किया. झारखंड गठन के बाद यमुना सिंह प्रदेश के पहले वन एवं पर्यावरण मंत्री बने. इसके बाद से यमुना सिंह का ग्राफ नीचे गिरता चला गया. साल 2005 के विधानसभा चुनाव में राजद के रामचंद्र सिंह ने अपने निकटम प्रतिद्वंद्वी झामुमो के डा दीपक उरांव को 9883 वोटों से हरा दिया. भाजपा के यमुना सिंह 15680 वोट लाकर तीसरे स्थान पर रहे. यह वह दौर था जब यमुना सिंह अपनी बढ़ती उम्र व अन्य कारणों से संगठन से दूर होते चले गये. यही कारण है कि वर्ष 2009 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उनका टिकट काट कर हरिकृष्ण सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया. हरिकृष्ण सिंह निराश नहीं किया और चुनाव जीता. उन्होने अपने निकटम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के रामेश्वर उरांव को 1769 वोटों से हराया. निर्दलीय चुनाव लड़ रहे यमुना सिंह नौं वें स्थान पर खिसक गये. नौ सितंबर 2011 में यमुना सिंह का निधन हो गया.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 23 अक्टूबर 2024 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 06, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 8 ● वर्ष : 2, अंक : 193 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

सेप्टिक टैंक के अंदर दो मजदूरों की मौत

बुंडू। बुंडू नगर क्षेत्र के पतरा टोली में काम कर रहे दो मजदूरों की सेप्टिक टैंक में दम घुटने से मौत हो गई. बताया जाता है कि तमाड़ थाना क्षेत्र के सालगाडीह निवासी पिंटू दास 35 वर्ष तथा बुंडू नगर के नावाडीह टोली निवासी नेपाल मुंडा 35 वर्ष जो एक नोढी के शिक्षक किशोर कुमार शर्मा केबुंडू स्थित जमीन पर मकान निर्माण में कार्य कर रहे थे. पिंटू दास ने बनाये जा रहे सेप्टिक टैंक के अंदर का स्टेरिंग का पट्टा खोलने का काम कर रहे थे. इसी क्रम में वह नीचे गिर गया. जहां उसे बचाने के लिए गये दूसरे मजदूर नेपाल मुंडा की भी मौत हो गई. मौके पर खबर पाकर स्थानीय ग्रामीण तथा विधायक प्रतिनिधि हर्षवर्धन शर्मा तथा जदयू के प्रत्याशी राजा पीटर पहुंचे, जहां उन्होंने जानकारी ली तथा शव को बाहर निकलने में ग्रामीणों की मदद की.

याचिका दायर करने वाले पर एक लाख जुर्माना

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने रामगढ़ जिला के भुरकुंडा और उसके आसपास के इलाके में कोयला,लौह अयस्क ट्रांसपोर्टेशन व अवैध माइनिंग से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए जनहित याचिका दायर करने वाले प्रार्थी संतोष पाठक पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है. इसके साथ ही अदालत ने मंगलवार को प्रार्थी की दलील सुनने के बाद जनहित याचिका खारिज कर दी. हाईकोर्ट की खंडपीठ ने कहा कि प्राइवेट कंपनियों के जनहित याचिका में जो आरोप लगाए गए हैं, उसकी पुख्ता जानकारी प्रार्थी की ओर से नहीं दी गई है. जबकि प्रार्थी की ओर से पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि भुरकुंडा में कोल ट्रांसपोर्टिंग, आयरन ओर के ट्रांसपोर्टिंग, अवैध माइनिंग और 50 साल से ज्यादा पुराने उद्योगों के कारण प्रदूषण बढ़ा है.

राज्य सेवा के अफसर सस्पेंड एक पर डिपार्टमेंटल प्रोसिडिंग

रांची। राज्य प्रशासनिक सेवा के दो अफसरों पर गाज गिर गई है. मनिका की तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी साधना जयपुरियार को अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने एक मामले में तीन महीने का सश्रम कारावास के साथ 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है. इस कारण राज्य सरकार ने 30 मई 2024 की तिथि से उन्हें सस्पेंड कर दिया है. वहीं एक अन्य मामले में नगर उंटारी के तत्कालीन अवर निबंधक अजय तिर्की द्वारा गलत तरीके से वन भूमि की रजिस्ट्री करने के खिलाफ राज्य सरकार ने डिपार्टमेंट प्रोसिडिंग चलाने का निर्णय लिया है. इसके लिए जांच पदाधिकारी पूर्व आइएएस कमल जॉन लकड़ा को बनाया गया है. अजय तिर्की को 15 दिनों के अंदर अपना बयान देने को कहा गया है. दोनों ही मामलों में कार्मिक ने आदेश जारी कर दिया है.

दो मंजिल से कूद कर बाल कैदी फरार

गुमला। सदर अस्पताल गुमला में इलाज कराने आया बाल कैदी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया. पुलिस उसे तलाशने में जुटी है. बता दें कि सोमवार को बाल कैदी अस्पताल में लाया गया था. मंगलवार सुबह करीब पांच बजे, बाल कैदी शौच के बहाने बाथरूम गया और वहां वेंटिलेटर का ग्रिल तोड़कर दो मंजिल से कूद गया. घटना की जानकारी मिलते ही रिमांड होम के कर्मियों ने उसकी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका. इसके बाद मामले की सूचना गुमला थाना को दी गई. यह बाल कैदी सिमडेगा जिले के कुरडेग प्रखंड से चोरी के मामले में गुमला रिमांड होम में लाया गया था. 20 अक्टूबर को, रिमांड होम के अन्य बाल कैदियों के साथ उसकी लड़ाई हो गई थी, जिसमें वह घायल हो गया था. उसे इलाज के लिए सोमवार शाम को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था. रिमांड होम के कर्मी प्रदीप साहू ने पुष्टि की है कि बाल कैदी की खोजबीन जारी है.

आया राम-गया राम का खेला : 40 से अधिक नेता कई बार बदल चुके हैं दल

झारखंड की राजनीति में इन-आउट का खेल जारी

दल बदलते ही बदलने लगे हैं सुर-ताल

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड की राजनीति में इन-आउट का खेल जारी है. सुबह एक दल में तो शाम में दूसरे दल में. दल बदलते ही नेताओं के सुर-ताल भी बदलने लगे हैं. पिछले पांच साल से अब तक 40 से अधिक नेताओं ने अपने दल को बाय-बाय कह दूसरे पार्टी से हाथ मिलाया है.

वर्तमान में राजनीतिक दलों द्वारा उम्मीदवारों की सूची जारी की जा रही है. दिलचस्प बात यह है कि किसी की पत्ता कट रहा, तो किसी को सूची जारी होने के चंद घंटे पहले टिकट भी कंफर्म किया जा रहा है. लोकसभा चुनाव के दौरान भी यह नजारा झारखंड में खूब दिखा. अब यही नजारा विधानसभा चुनाव के दौरान भी दिख रहा है.

टिकट नहीं मिलने पर हो रहे इधर से उधर

टिकट कंफर्म नहीं होने पर नेता इधर से उधर भी हो रहे. आजसू नेता उमाकांत रजक ने टिकट कंफर्म नहीं होने पर झामुमो का दामन थाम लिया. इसी तरह बड़कागांव सीट आजसू के हाथ से निकली तो आजसू नेता रौशन लाल चौधरी कमल खिलाने में जुट गए. बीजेपी के केदार हाजरा और गणेश महली ने झामुमो का दामन थाम लिया. भाजपा के कुणाल षाडंगी भी अब झामुमो के साथ हो लिए. सरयू राय जदयू का दामन थाम लिए. भाजपा की सबसे बड़ी नेता लुईस मरांडी ने भी दुमका से टिकट कटने के बाद झामुमो का दामन थाम लिया. माना जा रहा है कि उन्हें झामुमो जामा से टिकट दे रहा है.

पिछले पांच साल में 40 से अधिक नेताओं ने बदला दल

नाम	किस दल में थे	नाम	किस दल में थे	नाम	किस दल में थे
बाबूलाल मरांडी	झाविमो	नागेंद्र महतो	झाविमो	सनी टोप्पो	कांग्रेस
सरयू राय	बीजेपी, भारतीय जन मोरचा	मंजू देवी	कांग्रेस	अरुण उरांव	कांग्रेस
लोबिन हेंब्रम	झामुमो	मुनिया देवी	झामुमो	प्रकाश राम	झाविमो
परितोष सोरेन	झाविमो	निर्भय शाहबादी	जेवीएम	शशि भूषण मेहता	एलआइएसपी, झामुमो
माधव महतो	झाविमो, आजसू	अमर बाउरी	जेवीएम	आलोक चौरसिया	झाविमो
सीता सोरेन	झामुमो	अपर्णा सेनगुप्ता	एआएफबी	रामचंद्र चंद्रवंशी	राजद
देवेंद्र कुंवर	झामुमो	बाबूलाल सोरेन	झामुमो	कमलेश सिंह	एनसीपी
गंगा नारायण	आजसू, कांग्रेस	चंपई सोरेन	झामुमो	सतेंद्र नाथ तिवारी	झाविमो
रंधीर सिंह	झाविमो	गीता बलमुचू	यूजीडीपी	भानु प्रताप शाही	एनएसएएम
अमित यादव	कांग्रेस	बड़कुंवर गगराई	बीएएस	बाबूधन मुर्मू	कांग्रेस
मनोज यादव	कांग्रेस	गीता कोड़ा	कांग्रेस	लुईस मरांडी	भाजपा
रौशन चौधरी	आजसू	शशिभूषण समद	झामुमो	गणेश महली	बीजेपी
प्रदीप प्रसाद	कांग्रेस	नवीन जायसवाल	जेवीएम	कुणाल षाडंगी	भाजपा

कोडरमा में कारोबारी के वृंदा गांव में पुलिस का छापा

1.07 करोड़ रुपए बरामद

संवाददाता। कोडरमा

कोडरमा पुलिस ने पथलडीहा के वृंदा गांव के एक घर में छापेमारी की है. छापेमारी में पुलिस को 1.07 करोड़ रुपए कैश, भारी मात्रा में सोना के साथ-साथ कुछ आपत्तिजनक चीजें बरामद हुई हैं. हजारीबाग के बरही में होटल चलाने वाले छोटे से व्यवसाई के आवास से बड़ी रकम की बरामदगी चर्चा का विषय बनी हुई है. बात सिर्फ ये नहीं कि इतनी बड़ी रकम मिली है, बात ये है कि इस रकम के साथ अफीम जैसे मादक और प्रतिबंधित नशीले पदार्थ की भी प्राप्ति हुई है. इधर घर पर छापेमारी की भनक लगते ही मकान मालिक सुखदेव रजक मौके पर से फरार हो गया है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है.

कैश गिनने को लेकर मंगायी गयी है मशीन : बता दें कि इतनी भारी मात्रा में कैश बरामद होने पर पुलिस को रुपए गिनने के लिए मशीन मंगवानी पड़ी है. वहीं बताया जा रहा कि एक होटल चलाने वाले के घर से कुल 1.07 करोड़ रुपये से अधिक बरामद हुए हैं. आरोपी का नाम सुखदेव रजक है और वह कोडरमा पुलिस ने पथलडीहा के वृंदा गांव में निवास करता है. मंगलवार सुबह पुलिस ने उसके इसी आवास पर दबिश दी. दबिश देने के बाद बरामद हुए कैश से पुलिस भी भौंचक रह गई. पुलिस ने कैश गिनने को लेकर मशीन मंगाने के साथ ही इनकम टैक्स के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया लिया है. हालांकि कितना कैश और कितना सोना बरामद हुआ है, इसपर पुलिस कुछ भी बोलने से इनकार कर रही है.

भारी मात्रा में सोना व मादक पदार्थ भी जब्त, छापे के बाद कारोबारी हुआ फरार, पुलिस कर रही छापेमारी

स्वर्ण और नशीले पदार्थ बरामद

मिल रही जानकारी के अनुसार रजक के घर से भारी मात्रा में सोना के साथ-साथ कुछ आपत्तिजनक चीजें जैसे अफीम ड्रग्स की भी बरामदगी हुई है. हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हुई है. पर बताया जा रहा है कि सोमवार की रात से ही पुलिस की टीम कोडरमा में छापेमारी कर रही है. पुलिस ने घर को घेराबंदी कर रखा है. सुखदेव रजक का हजारीबाग के बरही में एक होटल है. आशंका है कि होटल की आड़ में नशे का धंधा किया जाता था और इतनी भारी मात्रा में कैश इसी की काली कमाई हो सकती है.

एसपी ने दी जानकारी

एसपी अनिल कुमार सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस करके जानकारी दी कि इस छापेमारी में पुलिस ने 1 करोड़ 7 लाख 10 हजार 320 रुपए नकद, कुछ सोने के आभूषण और 58 ग्राम अफीम बरामद किया है. इस मामले एक अभियुक्त की भी गिरफ्तारी हुई है. इस संबंध में कांड संख्या-228/2024 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है. गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहित कुमार के रूप में की गई है, जो कोडरमा जिले के बुन्दन थाना अंतर्गत साटो निवासी महादेव का बेटा बताया जा रहा है. दल में थानेदार सुभाष कुमार, दिवाकर, अनुज कुमार और शस्त्र बल कोडरमा एवं जयनगर थाना मौजूद रहे.

वाहन जांच के दौरान 5.56 लाख रुपए जब्त

घाटशिला। विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड बंगाल सीमावर्ती क्षेत्र केशरपुर के चेक नाका से एसएसटी टीम को लगातार सफलता मिल रही है. गालूडीह थाना क्षेत्र के अंतरराज्यीय सीमा के केशरपुर में मंगलवार को गालूडीह थाना क्षेत्र के केशरपुर में लगाया गया चेकनाका पर पुलिस ने जांच के क्रम पिकअप वैन संख्या जेएच 10 सीएक्स 2960 से एक लाख 6 हजार हजार रुपया बरामद किया. धनबाद के बाघमारा से गालूडीह जा रहे पिक-अप वैन के चालक अखिलेश प्रसाद से यह रुपया बरामद किया गया. चालक ने निजी राशि बताते हुए सामग्री लाने की बात कही. दूसरी ओर मंगलवार को ही एक कार से 4 लाख 50 हजार रुपया पुलिस ने जब्त किया. पुलिस इसकी सघनता से जांच कर रही है.

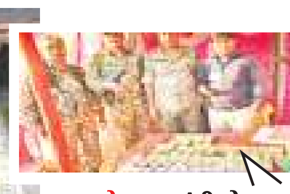

लातेहार : रांची से गढ़वा जा रही यात्री बस से 15 लाख कैश बरामद

लातेहार। लातेहार पुलिस ने रांची से गढ़वा जा रही अर्श ट्रैवल नाम के यात्री बस से 15 लाख कैश बरामद किये हैं. मंगलवार की सुबह चंदवा थाना क्षेत्र स्थित चेक पोस्ट पर वाहन जांच के दौरान पुलिस की टीम ने ये रुपए बरामद किए. बस की रेलिंग में रुपए को छिपा कर रखा गया था. घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि रांची से गढ़वा जा रही यात्री बस को चंदवा में चेक पोस्ट के समीप चेकिंग करने के लिए रोका गया. इसी दौरान बस से 15 लाख रुपए बरामद हुए. हालांकि ये रुपए किसके है, अब तक यह पता नहीं चल पाया है. बरामद रुपए में 500, 200 और 100 रुपए के नोट हैं. पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है. गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव को लेकर जगह-जगह चेक पोस्ट बना कर वाहनों की चेकिंग की जा रही है.

सावधान! आ रहा दाना तूफान

आज-कल झारखंड में होगी बारिश

संवाददाता। रांची

30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी हवा

दाना तूफान को लेकर बेगाल और झारखंड में अलर्ट जारी किया गया है. दरअसल बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवात का असर झारखंड में भी दिखेगा. 23 से 25 अक्टूबर तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश होगी. हवा की रफ्तार 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है. मौसम केंद्र के अनुसार, 23 अक्टूबर को रांची सहित गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, खूंटी, सरायकेला-खरसांवा, पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम में बारिश की संभावना है. इन जिलों में गर्जन के साथ वज्रपात की भी संभावना है. 24 अक्टूबर को राज्य के चार जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है. चक्रवात का असर सरायकेला -खरसांवा, खूंटी, पूर्वी पश्चिमी सिंहभूम में देखने को मिलेगा.

25 को रांची सहित आठ जिलों में बारिश : 25 अक्टूबर को रांची सहित खूंटी, सरायकेला-खरसांवा, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, गुमला और लोहरदगा में बारिश की संभावना जताई गई है.

अगले दो दिनों तक तापमान में बदलाव की संभावना नहीं : मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक तापमान में बदलाव की संभावना नहीं है. इसके बाद अगले तीन दिनों में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तापमान में गिरावट की संभावना जताई गई है. चक्रवात के कारण ढंढ़ भी बढ़ेगी और तापमान में भी गिरावट आएगी.

कई ट्रेनें रद्द

ट्रेन संख्या 22824 नई दिल्ली – भुवनेश्वर राजधानी (वाया – मूरी) 23 को, ट्रेन संख्या 22823 भुवनेश्वर – नई दिल्ली राजधानी (वाया – मूरी) 25 को, ट्रेन संख्या 18451 हटिया – पुरी तपस्विनी 24 को, ट्रेन संख्या 18452 पुरी – हटिया तपस्विनी 24 को, ट्रेन संख्या 02832 भुवनेश्वर – धनबाद गरीब रथ एक्सप्रेस 24 को, ट्रेन संख्या 02831 धनबाद – भुवनेश्वर गरीब रथ 24 को और ट्रेन संख्या 12875 पुरी – आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस (वाया – मूरी) 25 अक्टूबर को रद्द रहेगी.

पुलिस ने मांगा गैंगस्टर अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह के खिलाफ वारंट

रांची। रांची पुलिस ने झारखंड पुलिस के लिए सरदर्द बन चुके गैंगस्टर अमन साहू गैंग के सुनील मीना उर्फ मयंक सिंह के खिलाफ वारंट जारी करने की मांग की है. जिस केस में वारंट जारी करने की मांग की गई है, वह भारत माला प्रोजेक्ट में काम कर रही कंपनी से रंगदारी मांगने और रंगदारी नहीं देने पर फायरिंग करने से जुड़ा हुआ मामला है. इस मामले के जांच अधिकारी ने रांची सिविल कोर्ट के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में मयंक सिंह के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने के लिए आवेदन दिया है.

इस केस में झारखंड एटीएस और पुलिस ने इसी वर्ष अप्रैल महीने में अमन साहू के शूटर राहुल दुबे को गिरफ्तार किया था. इस संबंध में रांची के ओरमांझी थाना में कांड संख्या 18/2024, 44/2024 और 50/2024 दर्ज किया गया है.

पशु तस्करों को पुलिस का खौफ नहीं, करते हैं रौंदने की कोशिश

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में सक्रिय पशु तस्करों को पुलिस का खौफ नहीं है. तस्कर आये दिन पुलिस की टीम को ही रौंदने का प्रयास करते हैं. झारखंड में इस तरह के कई मामले में सामने आ चुके हैं. खबर तो यह भी है कि झारखंड में पशु तस्करी का धंधा करोड़ों रुपए का है. अधिकतर चेक-नाके इस धंधे में सेट हैं. यहां रिश्वत तय है, जहां से ये तस्कर पशुओं को लेकर आसानी से निकल जाते हैं. जिस चेक-नाके में रिश्वत की राशि नहीं मिलती है या फिर जहां रात्रि गश्त में कोई ईमानदार पुलिस कर्मी की ड्यूटी होती है, वहां ऐसे तस्करों को परेशानी होती है. इसका परिणाम यह होता है कि उस चेक-नाके का अधिकारी जान जोखिम में डालकर ऐसे तस्करों का पीछा करता है या फिर उन्हें घेरने का प्रयास करता है. ऐसी परिस्थितियों में आये दिन इस तरह की घटना, दुर्घटना या हत्या जैसी वारदातें होती हैं.

पशु तस्कर बार-बार पुलिस को रौंदने की करते हैं कोशिश

16 अक्टूबर 2024 : पशु लदे ट्रक ने गिरिडीह में जीटी रोड पर पुलिस जीप को टक्कर मार दी थी. इस घटना में चालक की मौत हो गयी थी. वहीं दरोगा घायल हो गया था.

07 सितंबर 2024 : पलामू के सदर थाना की पुलिस को पशु तस्करों ने कुचलने की कोशिश की थी. बाद में पुलिस ने किसी तरह तस्करों के वाहन को रोका और पांच तस्करों को गिरफ्तार किया था.

08 सितंबर 2024 : पलामू के नावाबाजार में पशु तस्करों के खिलाफ कार्रवाई हो रही थी. इस दौरान भी तस्करों ने पुलिस को रौंदने का प्रयास किया था.

21 जुलाई 2022 : गुमला के रायडीह में भी पशु तस्करों ने पुलिस को वाहन से कुचलने की कोशिश की थी. पुलिस टीम ने किसी तरह पीछे हटकर अपनी जान बचायी थी.

20 जुलाई 2022 : रांची में पशु तस्करों ने वाहन चेकिंग के दौरान महिला दरोगा को कुचला था. जिसकी मौके पर ही मौत हो गयी थी.

बरामद हथियार : देसी पिस्टल 4, कट्टा 1, गोली 7.65 एमएम 80, 8 एमएम का गोली 2 और चार अतिरिक्त मैगजीन बरामद

हथियारों के जखीरे के साथ दो युवकों को पुलिस ने दबोचा

संवाददाता। लोहरदगा

पुलिस ने मिली गुप्त सूचना के आधार पर चलाई गई छापेमारी में दो युवकों को हथियारों के जखीरे के साथ धर दबोचा है. एसपी हारिस बिन जमां को मिली गुप्त सूचना के सत्यापन के पश्चात की गई कार्रवाई में बड़ी सफलता हाथ लगी है. एसपी ने अपने कार्यालय कक्ष में पत्रकार वार्ता में बताया कि सूचना मिली थी कि लोहरदगा जिला अंतर्गत भंडरा थाना क्षेत्र के जमगाईं रोड पर कुछ युवकों द्वारा हथियार के भारी खेप ले जाया जा रहा है. एसपी ने बताया कि तत्पश्चात एक टीम गठित कर भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जमगाईं रोड पंडरिया में आम बगान के पास दो युवकों हथियारों के जखीरे के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की रणनीति तैयार करते हुए टीम द्वारा धर दबोचा गया. जिसमें कुंदन गोप उर्फ लंगड़ा और चिरंजीवी कृष्णा को पकड़ा गया. एसपी हारिस बिन जमां ने बताया कि उन दोनों दोनों के पास से एक देसी निर्मित कट्टा, चार पिस्टल, 7.65 एमएम का 80 पीस जिंदा कारतूस एवं दो पीस 08 एमएम का जिंदा कारतूस बरामद किया गया एवं पकड़ाए दोनों व्यक्तियों कुंदन गोप उर्फ लंगड़ा उम्र 27 वर्ष पिता स्वर्गीय धीरेन गोप ग्राम मोरो थाना इटकी जिला रांची वर्तमान पता हाजी चौंक दलादीली थाना रातू जिला रांची और चिरंजीवी कृष्णा उम्र 19 वर्ष पिता रामकृष्ण मंडल तथा दो अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध भंडरा थाना कांड संख्या 65/2024 दिनांक 22/10/2024 धारा 25(1-बी)ए/25(1एए)/26/35 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया है.

छापेमारी दल में ये रहे शामिल : भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जमगाईं से पकड़े गए दोनों युवकों की गिरफ्तारी हेतु एसपी हारिस बिन जमां के द्वारा गठित छापामारी दल में एसएसबी जी कोय के सहायक समादेष्टा, किस्को सर्किल इंस्पेक्टर चंद्रशेखर आजाद, किस्को थाना प्रभारी हर्षवर्धन कुमार सिंह, भंडरा थाना प्रभारी अरविंद सिंह, सब इंस्पेक्टर पप्पू कुमार, एएसआई संतोष कुमार राय, आरक्षी राजू महतो, विपिन हजाम, बुधराम मुंडा, निर्मल मार्शल मिंज, तकनीकी शाखा के नीरज कुमार मिश्र, आशुतोष कुमार सिंह, सुधांशु शेखर, विकास कुमार सिंह, अरविंद कुमार सिंह व अन्य जवान शामिल थे.

युवकों को पेश कर जानकारी देते एसपी जमां. बरामद हथियार.

कुंदन गोप उर्फ लंगड़ा का आपराधिक इतिहास

लोहरदगा पुलिस के गिरफ्त में आया कुंदन गोप उर्फ लंगड़ा उम्र 27 वर्ष पिता स्वर्गीय धीरेन गोप ग्राम मोरो थाना इटकी जिला रांची के विरुद्ध बेड़ो थाना कांड संख्या 90/2023 धारा 385/387 भादवि एवं द इंडियन एक्सप्लोसिव्स एक्ट 1884 के तहत कांड दर्ज है.

बाइक से नक्सलियों के गढ़ पहुंचे डीआईजी, की अपील

बिना डरे करें मतदान

संवाददाता। रांची/बोकारो

विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट मोड में है. इसी दौरान मंगलवार को खुद बाइक चलाकर बोकारो रेंज के डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा सुदूर नक्सल प्रभावित इलाके में पहुंचे. इस दौरान डीआईजी ने सुदूर नक्सल प्रभावित क्षेत्र ललपनिया, जागेश्वर विहार, तिलैया, दनिया, रहावन और झुमरा पहाड़ स्थित बूथों, फ़ोर्स आवासन स्थान, फ़ोर्स मूवमेंट, नक्सलियों के छुपने के स्थान आदि की समीक्षा की. इस दौरान डीआईजी ने सूदरवर्ती नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत पदाधिकारी और जवानों के मनोबल को बढ़ाते हुए सुरक्षा से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, साथ ही लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए जवानों को उत्साहित किया.

बिना किसी भय का करें मतदान: डीआईजी

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने ग्रामीणों से मुलाक़ात की और क्षेत्र की जानकारी ली. डीआईजी ने ग्रामीणों से भयमुक्त वातावरण मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की. इस अभियान में बोकारो एसपी, सीआरपीएफ कमांडेंट, बेरमो एसडीपीओ और कई थाना प्रभारी और पुलिस बल के जवान शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

किशोरी ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

पाटन(पलामू): पाटन थाना क्षेत्र के सगुनी गांव निवासी स्व. उदय राम की पुत्री पल्लवी कुमारी(15) ने मंगलवार की सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि मंगलवार की सुबह घर में कोई भी व्यक्ति नहीं था. इसी बीच पल्लवी ने फांसी लगा ली. जब हम सभी घर पहुंचे तब घटना की जानकारी हुई. इसके बाद घटना की जानकारी पाटन थाना पुलिस को दी गई. सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है. वही घटना की जानकारी मिलने पर पाटन पश्चिमी जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह सदर अस्पताल पहुंचकर अपनी देखरेख में मृतक का पोस्टमार्टम करवाया. पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है.

जंगली हनुमान एवं बंदर से किसान परेशान

पांडू (पलामू)। पांडू क्षेत्र के किसान जंगली जानवर हनुमान एवं बंदरों से किसान परेशान है. किसानों का कहना है कि हनुमान एवं बंदरों का आतंक से मकई का फसल बचाने में नाकामयाब हो रहे हैं. किसान का कहना है जंगल का खेती करने में नीलगाय परेशान करते थे, लेकिन गांव घर में किसानों ने मकई के फसल को लगाया. उसे फसल को भी बचाने में किसान परेशान किसानों का कहना है. यदि इसी तरह का आतंक रहेगा तो किसान खेती करना छोड़ देगे. करमडिह गांव के किसान एस कुमार सिंह अपने खेत में लगे मकई को बचाने में नाकाम साबित हो रहे है.

पांकी में जिप के नाम पर अवैध वसूली !

मेदिनीनगर। इन दिनों ठगी का धंधा भी जोरों पर है. कई लोग तो बिना आदेश के ही पदाधिकारी के नाम पर अवैध वसूली के चक्कर में लगे हुए हैं. ऐसी ही एक सूचना पलामू डीडीसी शब्बीर अहमद को मिली. उन्हें बताया गया कि पांकी में पलामू जिला परिषद के नाम पर तीन लोग अवैध वसूली कर रहे हैं. मिली इस गुप्त सूचना के बाद डीडीसी सह जिला परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी शब्बीर अहमद ने पाखी के अंचलाधिकारी को गोपनीय तरीके से छापामारी कर अवैध वसूली में लगे राकेट को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है.

संदीप सरकार 25 को करेंगे नामांकन दाखिल

नौडीहा बाजार (पलामू)। नौडीहा छतरपुर पाटन विधानसभा क्षेत्र से छतरपुर प्रखंड के रहने वाले संदीप सरकार 25अक्टूबर को नामांकन दाखिल करेंगे. उन्होंने कहा कि अब तक जितने भी विधायक छतरपुर विधानसभा क्षेत्र जीते हैं वे सभी दूसरे जगह से थे.जिससे छतरपुर का आजतक विकास नहीं हो पाया है. इस बार घर के लड़के को विधायक बनाये, जिससे क्षेत्र का विकास हो.

सोशन वर्कर संस्था ने किया भंडारा

गढ़वा। सोशल वर्कर संस्था के तत्वावधान में रंका मोड़ स्थित संकट मोचन मंदिर के समीप मंगलवार को भंडारा का आयोजन किया गया. भंडारा में प्रसाद स्वरूप पूड़ी, सब्जी, बुन्दिया व रसगुल्ला का वितरण किया गया. इस दौरान मुख्य अतिथि अरविन्द पटवा ने अपने जन्मदिन से दो दिन पूर्व सप्ताहिक भंडारा में सहयोग किया. संस्था के संचालक आकाश केशरी ने कहा कि शहर के महिलाएं, हमारे भाई-बहनें फूड फॉर हंगर का प्रोजेक्ट को अनवरत जारी रखने में सहयोग दे रहे हैं.

गणेशपुरी स्थित ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी व आर्ट एंड क्राफ्ट मेला लगा, निदेशक बोले

साइंस प्रोजेक्ट निर्माण से बच्चों में सृजन क्षमता बढ़ती है

संवाददाता। हुसैनाबाद

गणेशपुरी स्थित ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी व आर्ट एंड क्राफ्ट मेला लगा. मेले में स्कूली बच्चों ने अपने वैज्ञानिक और वह बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया. स्कूल के बच्चों ने विभिन्न श्रमिक महत्व से जुड़े मसलों पर एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट की प्रस्तुति की अपनी प्रतिभा की ओर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा इस अवसर पर स्कूल के छात्रों के द्वारा ऑटोमेटिक स्ट्रीट लाइट, हृदय तंत्र, ब्रेन तंत्र, बटरफ्लाई का जीवन चक्र, प्रकाश संश्लेषण, श्वसन तंत्र, सौरमंडल, पौधों के भाग, खाद्य श्रृंखला, ट्रैफिक लाइट, वाटर साइकिल आदि परियोजनाओं एवं मॉडल का पृष्ठीकरण किया गया. इसके अलावा छात्रों द्वारा आर्ट एंड क्राफ्ट के साथ-साथ बच्चों के द्वारा बनाई गई स्वादिष्ट व्यंजन की शानदार प्रदर्शनी से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया.

कार्यक्रम विधिवत उद्घाटन समाजसेवी बिगन प्रजापति ,विद्यालय के अभिभावक सूर्यनाथ चौधरी एवं विद्यालय के निदेशक मनोज कुमार प्रजापति ने किया. मौके पर समाजसेवी विगन प्रजापति ने कहा कि बच्चों के प्रोजेक्ट को देखकर सराहना करते हुए कहा कि जिस तरह से बच्चों ने प्रोजेक्ट की प्रदर्शनी में अपना विजन का प्रदर्शन किया है. इससे ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल के बच्चों की वैज्ञानिक प्रतिभा की गहराइयों के संकेत मिलते हैं.वहीं विद्यालय के निदेशक मनोज कुमार प्रजापति ने कहा कि बच्चों में वैज्ञानिक सोच पैदा करने के लिए उन्हें सही मार्गदर्शन की जरूरत है बच्चों के शैक्षणिक विकास को लेकर शिक्षकों के साथ माता-पिता को भी संवेदनशील होना चाहिए.

विज्ञान प्रदर्शनी शामिल बच्चों को सम्मानित करते निदेशक.

एमकेडीएवी के छात्रों को मिला सांत्वना पुरस्कार

मेदिनीनगर। भारत विकास परिषद झारखंड के तत्वावधान में रांची के नामकुम स्थित सरला बिरला विश्वविद्यालय में आयोजित राज्यस्तरीय देशभक्ति समूह गान (हिंदी – संस्कृत) प्रतियोगिता में स्थानीय एमकेडीएवी पब्लिक स्कूल के छात्रों को सांत्वना पुरस्कार मिला है. इस प्रतियोगिता में एमकेडीएवी स्कूल के आठ विद्यार्थी आर्यम सृष्टि, सोनी प्रिया दुबे , रितिका पाठक, रुचिता पाठक, आराध्या पाठक, खुशी कुमारी, प्रिया व अदिति कुमारी शामिल थे. उनके साथ विद्यालय के संगीत शिक्षक नीरज कुमार सिंहा, अनंत पाठक व सुश्री अनुश्री चक्रवर्ती भी रांची गई थी. विजेता छात्रों को मंगलवार को विद्यालय में आयोजित प्रात :कालीन प्रार्थना सभा में ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर जीएन खान ने सम्मानित किया. छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए प्राचार्य डा .खान ने कहा कि यह एक बड़ी उपलब्धि है. प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने से छात्रों का चहूमुखी विकास होता है. प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि पलामू के पूर्व प्रमंडलीय आयुक्त जटाशंकर चौधरी थे. वहीं निर्णायक मंडली में आकाशवाणी व दूरदर्शन केंद्र रांची के संगीत विशेषज्ञ व अधिकारी वृन्द थे.

पलामू एसपी मध्य रात्रि पहुंची इंटर स्टेट चेक पोस्ट, दिए कई निर्देश

विधानसभा चुनाव को लेकर पलामू पुलिस एक्शन मोड पर

संवाददाता। मेदिनीनगर

जिले की पुलिस अधीक्षक श्रीमती रीष्मा रमेशन ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बिहार-झारखंड इंटर स्टेट बॉर्डर के प्रमुख चेक पोस्टों का निरीक्षण किया. यह निरीक्षण मध्य रात्रि में किया गया, जिसमें हुसैनाबाद, दंगवार, देवरी और पथरा चेक पोस्ट शामिल थे.

निरीक्षण के दौरान, पुलिस अधीक्षक ने सभी चेक पोस्टों पर मौजूद रजिस्टरों की जांच की और सुनिश्चित किया कि चुनाव के दौरान सभी गतिविधियों का सही रिकॉर्ड रखा जा रहा है. उन्होंने चेक पोस्ट पर तैनात अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और चुनाव के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के लिए कहा.

पुलिस अधीक्षक ने जारी किए निर्देश : सभी वाहनों की कड़ी जांच की जाए. सीमा पार आने-जाने वाले हर वाहन की पूरी जानकारी दर्ज की जाए. सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती और रात के समय विशेष गश्त को बढ़ाया जाए, ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके. चुनाव आयोग द्वारा दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए. इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा, हम चुनावों को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं. चेक पोस्टों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और किसी भी अवैध गतिविधि को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं.

जनता से की अपील : पलामू पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे चुनाव के दौरान शांति बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें. उनका सहयोग चुनावों को सफल और शांतिपूर्ण बनाने में सहायक होगा

चेक पोस्टों का निरीक्षण करतीं एसपी रीष्मा रमेशन.

डीसी ने किया मतदाता जागरूकता रथ रवाना

मेदिनीनगर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन ने मंगलवार को हरी झंडी दिखाकर मतदाता जागरूकता रथ को रवाना किया. इस अवसर पर उन्होंने बताया कि विगत चुनावों में जिन क्षेत्रों में कम मतदान हुआ है, उन क्षेत्रों में यह प्रचार रथ मतदाता जागरूकता से संबंधित संदेश प्रसारित करेगा. इस दौरान ऑडिओ-विसुअल को वाहन पर लगे स्क्रीन में दिखाया जायेगा. जिला प्रशासन का प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार के प्रयोग के प्रति जागरूक होकर लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सहभागिता निभायें. इस अवसर पर मेदिनीनगर निगम आयुक्त सह स्वीप के नोडल पदाधिकारी जावेद हुसैन व जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सह मीडिया कोषांग के नोडल पदाधिकारी डॉ असीम कुमार उपस्थित थे.

डीलर से परेशान लाभुक राशन के लिए दर-दर भटक रहें हैं

चैनपुर (पलामू) । प्रखण्ड क्षेत्र के पतरिया कला पंचायत के ग्रामीणों ने मंगलवार को दुर्गा स्वयं सहायता समूह व माता स्वयं सहायता समूह का डीलर पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी को मौखिक शिकायत किया साथ ही पूर्व में डीलर के विरुद्ध दिए गए लिखित आवेदन के बारे में जानकारी लिया लेकिन अधिकारी लाभुकों को कार्रवाई के नाम पर बोलने से कतराते नज़र आए साथ ही लाभुकों के पास बर्खास्तगी करने के नाम पर ताल मटोल करते नजर आए और मौके पर ग्रामीण शंभू चौधरी,सुरेंद्र चौधरी, मानमती देवी, कौशल चौधरी, कृष्ण चौधरी, ललन चौधरी, रमेश सिंह,मनोज चौधरी, बीरेंद्र चौधरी, संजय पांडे, देवलाल सिंह,सीमा देवी सहित सैकड़ों ग्रामीण ने कहा कि डीलर लाभुको के साथ मनमानी कर रहें हैं और लाभुको को पिछले छह माह से साढ़े तीन केजी से साढ़े चार केजी तक राशन डीलर दे रहें हैं और जब इसका विरोध लाभुक कर रहे हैं तो डीलर का कहना हैं कि जहां जाना है जाव हमारा तुमलोग कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा ज्यादा बोलोगे तो तुम सभी के ऊपर थाना में मामला दर्ज़ कराएंगे. जिससे सभी लाभुक ने आक्रोशित होकर प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी से मिला लेकिन कार्रवाई के वजाए लाभुक व डीलर की बीच समझौता कराने का पदाधिकारी ने आश्वाशन दिए जबकि लाभुक डीलर को बर्खास्तगी करने की मांग पर अड़े हुए हैं लेकिन पदाधिकारी कार्रवाई करने की बात पर मौन हैं.

तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक : इंद्रनाथ प्रसाद

संवाददाता। महुआडांड़ (लातेहार)

कानूनी सहायता केंद्र, महुआडांड़ के पीएलवी इंद्रनाथ प्रसाद ने प्रखंड के रजदंडा ग्राम में जागरुकता अभियान चलाकर लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों से अवगत कराया. उन्होंने ग्रामीण महिलाओं और पुरूषों को बताया कि तंबाकू सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक है. इससे कैंसर व टीबी जैसे रोग होते हैं. तंबाकू का सेवन करने से न सिर्फ धन की हानि होती वरन स्वास्थ्य की भी हानि होती है.उन्होंने बताया कि खैनी व सिगरेट का सेवन करने से कैंसर जैसे असाध्य रोग होते हैं. इंद्रनाथ प्रसाद ने लोगों को तंबाकू के सेवन से दूर रहने की सलाह दी. साथ ही लोगों को तंबाकू का सेवन नहीं करने की शपथ भी दिलायी. उन्होंने तंबाकू के दुष्परिणामों पर छपी बुकलेट व पंपलेट का भी वितरण किया.

कानून की बुनियादी जानकारी से कराया अवगत : इंद्रनाथ प्रसाद ने लोगों को कानून की बुनियादी जानकारी भी दी. बताया कि किसी को डायन बिसाही कहकर प्रताड़ित करना कानूनन अपराध है और इसके लिए सजा का प्रावधान है. उन्होंने सभी से अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजने की अपील की. कानूनी सहायता केंद्र, महुआडांड़ के पीएलवी ने बताया कि बाल विवाह और बाल श्रम भी अपराध की श्रेणी में आता है.

चार किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता। मेदिनीनगर

पलामू जिले के शहर थाना क्षेत्र स्थित बिस्फुटा के पास से पुलिस ने गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है. उसके पास से पुलिस ने चार किलो गांजा के साथ एक मोबाइल भी बरामद किया है. गिरफ्तार गांजा तस्कर आदित्य कुमार पासवान को को पुलिस ने न्यायालय भेज दिया है. वहीं फरार दो तस्करों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी अभियान चला रही है. जल्द दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा . सदर एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद ने प्रेसवार्ता कर इस बात की जानकारी दी.

पलामू एसपी को मिली थी गांजा की खरीद-बिक्री की सूचना : मणि भूषण प्रसाद ने बताया कि पलामू एसपी को सूचना मिली थी कि बिस्फुटा चौक के सामने दो-तीन संदिग्ध व्यक्ति अवैध रूप से गांजा की खरीद-बिक्री करने वाले हैं. पलामू एसपी के निर्देश पर प्रशिक्षु डीएसपी राजेश यादव और शहर थाना की पुलिस की एक टीम का गठन किया गया. गठित टीम जैसे ही बिस्फुटा चौक के पास पहुंची तो पुलिस को गेख तीन व्यक्ति बाइक से भागने गये. इनमें से एक व्यक्ति को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार युवक आदित्य पासवान के पास से चार किलो गांजा बरामद किया गया है. फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है.

350 ग्राम गांजा के साथ एक धराया

मेदिनीनगर। सदर थाना पुलिस ने 86 के सत्यारी टोला स्थित एक दुकान से 350 ग्राम गांजा बरामद किया है . पुलिस ने इस मामले में चियांकी के सत्यारी टोला निवासी नन्दकिशोर पाण्डेय(50) पिता स्व . महेन्द्र पाण्डेय को गिरफ्तार किया है .

न्यूज अपडेट

लातेहार में जन शिकायतों का किया गया निवारण

लातेहार। मंगलवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया. इसमें जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से आये ग्रामीणों ने अपनी-अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा. उपायुक्त ने क्रमवार सभी की शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित किया. उन्होंने ग्रामीणों को उनकी शिकायतों का शीघ्र निवारण करने का आश्वासन दिया. इस जन शिकायत निवारण में नियोजन, जमीन विवाद और मुआवजा आदि से संबंधित आवेदन आये. उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अग्रसारित कर शीघ्र इन शिकायतों का निष्पादन करने का निर्देश दिया.

लावारिश घुम रहे मवेशियों को नगर पंचायत पकड़ा

लातेहार । नगर पंचायत के चेतावनी के बावजूद शहर में लावारिश घुमने वाले मवेशियों को नगर पंचायत के द्वारा पकड़ा जा रहा है. सोमवार को समाहरणालय परिसर के अलावा मेन रोड में लावारिश हालत में घुम रहे मवेशियों को जब्त किया गया. मौक पर कांजी हाउस के संवेदक अयोध्या प्रसाद जायसवाल व नगर पंचायत के अन्य कर्मी मौजूद थे. नगर प्रशासक राजीव रंजन ने शुभम संदेश को बताया कि इसे ले कर व्यापक माइकिंग की गयी है और लगातार कार्रवाई की जा रही है. उन्होने कहा कि इससे पहले कई मवेशियों को पकड़ कर कांजी हाउस में भेजा गया है. उन्होने बताया कि अक्सर देखा जाता है पशुधन मालिक रात में गाय, बैल, बछड़े व सूअर आदि को सड़कों पर छोड़ देते हैं. इस कारण आये दिन सड़क जाम व सड़क दुर्घटनायें होती है. इसकी शिकायत नगर पंचायत को मिलती है. सड़क दुर्घटनाओं में पशुधन की भी हानि होती है.

नोटिस से अधिक भूमि अधिग्रहण करने का आरोप

लातेहार । सदर प्रखंड के मननचोटाग की महिला उषा देवी पति स्व. आनंद कुमार महलका ने भू-अर्जन पदाधिकारी, लातेहार को एक ज्ञापन सौंपा है. उन्होंने अपने ज्ञापन में बताया है कि लातेहार अंचल के खाता संख्या 4 के प्लॉट नंबर 7,8 और 9 उनकी रैयती भूमि है. रेलवे ओवर ब्रिज बनाने के लिए इस भूमि का कुछ हिस्सा अधिग्रहण करने के लिए उन्हें नोटिस प्राप्त हुआ है. उषा देवी ने ज्ञापन में बताया है कि जितनी भूमि अधिग्रहण करने के लिए नोटिस उन्हें दिया गया है, उससे अधिक भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है. यह गलत है. उन्होंने फिर से उनकी मापी कराने का आग्रह किया है, ताकि पता चल सके कि कितनी भूमि का अधिग्रहण किया गया है. उन्होंने आगे बताया कि इसी प्लॉट में उनकी जमीन का कुछ हिस्सा सर्वे में सुनील पाल व अभय कुमार कुशवाहा के नाम से दर्ज हो गया है. बताया कि वह जमीन उनकी है और साल 2022 तक ऑनलाइन रसीद कटती रही है.

विरोधियों ने ब्रह्मदेव को मारने की साजिश रची थी

बिश्रामपुर (पलामू)। ब्रह्मदेव प्रसाद को विरोधियों द्वारा दुर्घटना का रूप देकर हत्या करने का प्रयास किया गया था. क्षेत्र की जनता के आशीर्वाद से वे बच गये. उक्त बातें ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय सचिव गोरखनाथ चौधरी ने कही. वे मंगलवार को ओबीसी एकता अधिकार मंच की विश्रामपुर चुनावी कार्यालय के सभागार में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे. चौधरी ने कहा कि ब्रह्मदेव प्रसाद ने विश्रामपुर की जनता के लिए अपने पूरे जीवन न्योछावर किया. कैसे विश्रामपुर के लोगों के जीवनस्तर में सुधार आये. लोगों के कैसे रोजगार मिले . सभी घरों में लोग सुखी हो. यहां के जनप्रतिनिधि केवल अपने लोगों के विकास तें लगे रहे. अब समय आ गया है ऐसे जनप्रतिनिधयों और विरोधियों के मसूबो को ध्वस्त कर दिया जाए. ब्रह्मदेव प्रसाद हर हाल में चुनाव लड़ेंगे. चौधरी ने कहा कि 25 अक्टूबर को ब्रह्मदेव प्रसाद विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल करेंगे.

अंजू व रघुपाल ने थाना समाजवादी पार्टी का दामन

मेदिनीनगर। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण के चुनाव को लेकर नामांकन को अब 3 दिन से बचे हैं. इस बीच टिकट को लेकर प्रत्याशी भी इधर से उधर दूसरे दलों का रुख कर रहे हैं. विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र से मजबूत प्रत्याशी रही अंजू देवी व मनिका से राजद नेता रघुपाल सिंह ने समर्थकों के साथ आज समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया. समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव ने दोनों नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई. साथ ही विश्रामपुर विधानसभा सीट से अंजू सिंह और मनिका विधानसभा सीट से राजद छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले रघुपाल सिंह को टिकट देते हुए कहा कि इन दोनों सीट पर पार्टी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी और दोनों प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित है.

राजनीति

झामुमो से भाजपा में आये थे बलवंत निर्दलीय चुनाव लड़ चुके हैं संतोष पासवान

भाजपा के लिए वोटकटवा साबित हो सकते हैं संतोष व बलवंत

आशीष टैगोर। लातेहार

जयराम कुमार महतो की झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने झारखंड में पहले चरण के चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों की चौथी लिस्ट जारी की है. इन सूची में दो नाम चौकाने वाले हैं. एक हैं संतोष पासवान तो दूसरा बलवंत सिंह चेरो का. संतोष पासवान को लातेहार विधानसभा क्षेत्र से पार्टी का प्रत्याशी बनाया गया है और बलवंत सिह चेरो को मनिका विधानसभा क्षेत्र से. दोनों के ताल्लुक भाजपा से हैं.

बलवंत सिंह ने इसी वर्ष जनवरी में भाजपा ज्वाइन किया था. इससे पहले वे झामुमो के जिला कार्यकारिणी सदस्य थे और मनिका से जिला परिषद के सदस्य हैं. उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के समक्ष भाजपा ज्वाइन किया था. मनिका विधानसभा से टिकट की दावेदारी भी पेश की थी. लेकिन जब उन्हें टिकट नहीं मिला तो उन्होंने जेएलकेएम से संपर्क साधा पर मनिका विधानसभा क्षेत्र से टिकट हासिल कर लिया. शुभम संदेश से बातचीत करते हुए कहा कि वे अपनी जीत के प्रति आशान्वित हैं.

पिछले चुनाव में तीसरे स्थान पर थे संतोष पासवान

लातेहार विधानसभा क्षेत्र से संतोष कुमार पासवान को जेएलकेएम ने अपना प्रत्याशी बनाया है. संतोष पासवान भाजपा के नेता हैं और जिला मंत्री तक का पद संभाल चुके हैं. 2019 के विधानसभा चुनाव में संतोष पासवान ने टिकट नहीं मिलने पर बागी होकर चुनाव लड़ा था और 15,985 वोट लाकर तीसरे स्थान पर रहे थे. इस चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी प्रकाश राम झामुमो के बैद्यनाथ राम से 16,328 वोट से हार गये थे. लोगों का कहना है कि अगर पासवान उस चुनाव में खड़े नहीं होते तो भाजपा के प्रकाश राम की जीत हो सकती थी. चुनाव के बाद उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था. हाल ही में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ज्वाइन की थी और टिकट की दावेदारी पेश की थी. एक बार फिर संतोष पासवान जेएलकेएम के सिंबल पर चुनावी मैदान में हैं और उनके सामने एक बार फिर भाजपा के प्रकाश राम हैं.

वोटकटवा साबित हो सकते हैं संतोष व बलवंत

चुनाव का परिणाम जो भी हो, लेकिन इतना तो तय है कि दोनों प्रत्याशी भाजपा के लिए वोट कटवा जरूरत साबित हो सकते हैं. पिछली चुनाव में भाजपा लातेहार विधानसभा सीट से संतोष पासवान के कारण क्षति उठा चुकी है. लेकिन इस बार संतोष पासवान क्या कुछ कर पायेंगे, यह तो समय बतायेगा. इसी तरह मनिका विधानसभा क्षेत्र से बलवंत सिंह चेरो भी भाजपा की सेहत के लिए नुकसानदेह साबित हो सकते हैं. उन्होंने जिला परिषद सदस्य का चुनाव जीता है और झामुमो और भाजपा में भी उनकी अच्छी पकड़ बन गयी है.

रामचंद्र सिंह को टिकट मिलने के विरोध में कांग्रेसियों ने कार्यालय खाली किया

संवाददाता। लातेहार

▪ मनिका विधानसभा क्षेत्र से विधायक रामचंद्र सिंह को कांग्रेस से टिकट दिये जाने का विरोध शुरू हो गया है

मनिका विधानसभा क्षेत्र से विधायक रामचंद्र सिंह को कांग्रेस से टिकट दिये जाने का विरोध शुरू हो गया है. विरोध और कोई नहीं बल्कि उनकी पार्टी कांग्रेस के ही लोग कर रहे हैं. यहां तक कि रामचंद्र सिंह के विरोध में मनिका में कांग्रेस कार्यालय को खाली कर दिया गया है. मनिका प्रखंड कांग्रेस कार्यालय प्रभारी गुड्डू सिंह ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि पिछले पांच सालों में विधायक रामचंद्र सिंह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कोई मान सम्मान नहीं दिया. एक बार फिर उन्हें संगठन ने टिकट दिया है और इसके विरोध में उन्होने कार्यालय खाली कर दिया है. गुड्डू सिंह ने कहा कि मनिका में कांग्रेसियों की पहली पसंद जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव है. वह पार्टी के पुराने कार्यकर्ता हैं. 2014 के विधानसभा चुनाव में बिना गठबंधन के समर्थन 27731 वोट लाये थे.

उन्होंने कहा कि मुनेश्वर उरांव पार्टी को पुराने और जुझारू नेता हैं. अगर उन्हें प्रत्याशी बनाया जाता तो मनिका विधानसभा सीट से कांग्रेस की जीत पक्की थी. रामचंद्र सिंह आरजेडी से कांग्रेस में आये हैं. पिछली बार उन्हें पार्टी में शामिल होने के तुरंत बाद टिकट दे दिया गया था. इस बार भी उन्हें टिकट दे दिया गया है.

वरिष्ठ भाजपाइयों ने कहा,प्रत्याशी टिकट वापसी पर नेतृत्व नहीं करती है विचार तो जल्द उठाएंगे अगला कदम

टिकट बंटवारा से गढ़वा भाजपा में दरार, फूंका विद्रोह का बिगुल

संवाददाता । गढ़वा

झारखंड विधानसभा चुनाव की सरगर्मी प्रतिदिन बढ़ते जा रही है. पहले चरण के चुनाव के लिए टिकट का बंटवारा होते ही गढ़वा भाजपा में बड़ी दरार पड़ गई है. पुराने एवं वरिष्ठ भाजपाइयों ने प्रत्याशी एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्णय के विरुद्ध विद्रोह का बिल्कुल फूंक दिया है. यदि भाजपा का झारखंड प्रदेश नेतृत्व गढ़वा में टिकट वापसी पर विचार नहीं करती है तो भाजपा का एक बड़ा खेमा जल्दी अगला कदम उठा सकता है. कई वरिष्ठ भाजपाइयों राजीव राज तिवारी, अलखनाथ पांडेय, भगत सिंह, गौरी शंकर बिंद आदि ने संयुक्त रूप से मंगलवार को शहर के आरकेवीएस बीएड कॉलेज में परिसर में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर उक्त बातें कहीं.

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते भाजपाई.

भाजपा नेताओं ने कहा कि हम लोगों ने शुरू से निष्ठापूर्वक समर्पित होकर भाजपा के लिए काम किया है. परंतु गढ़वा के वर्तमान प्रत्याशी सत्येंद्रनाथ तिवारी की स्थिति से अवगत होने के बावजूद प्रदेश नेतृत्व ने उन्हें टिकट देकर समर्पित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को ठेस पहुंचाई है. इन्होंने कहा कि प्रत्याशी श्री तिवारी पार्टी में अपनी लॉबी चलाते हैं. वे अपनी पुरानी पार्टी झाविमो से साथ लाये कार्यकर्ताओं को ही तरजीह देते हैं. जबकि भाजपा के जो भी पुराने एवं समर्पित पदाधिकारी, कार्यकर्ता हैं उन्हें श्री तिवारी सार्वजनिक मंच से भी उनके साथ दुर्व्यवहार करते हुए बेइज्जती करते हैं. पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ वे हमेशा अभद्रता करते हैं. श्री तिवारी ने लोकसभा जिला परिषद आदि चुनावों में पार्टी की घोषित एवं समर्थित प्रत्याशी के खिलाफ अपना व्यक्तिगत प्रत्याशी उतार कर पार्टी प्रत्याशी को हराने का भी काम करते हैं. पिछले दो विधानसभा चुनाव में पार्टी का निर्णय मान कर सभी लोगों ने मिलजुल कर श्री तिवारी को जीताया है. फिर भी उनकी कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्र में लोगों के प्रति उनका व्यवहार काफी असंतोषजनक रहा है.

इस कारण वे पिछला विधानसभा चुनाव हारे. इन सारी बातों से प्रदेश नेतृत्व को अवगत कराया जा चुका है. पार्टी यदि 25 अक्टूबर तक सत्येंद्र नाथ तिवारी से टिकट वापसी करते हुए किसी भी दूसरे कार्यकर्ता को टिकट नहीं देती है तब आगे की रणनीति तैयार की जाएगी. इससे पहले केंद्रीय नेतृत्व को भी यहां की स्थिति से अवगत करा दिया जाएगा. भाजपा नेताओं ने कहा कि यदि वे तन, मन, धन से ईमानदारी पूर्वक समर्पित होकर भी प्रत्याशी सत्येंद्र नाथ तिवारी के लिए काम करेंगे तो भी श्री तिवारी कभी भरोसा नहीं करेंगे और न ही हम जैसे कार्यकर्ताओं को कभी मान सम्मान देंगे. श्री तिवारी जब से झाविमो छोड़कर भाजपा में आयें हैं तब से कार्यकर्ताओं को आपस में बांट दिए हैं. मौके पर मुख्य रूप से उक्त सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद चौबे, अंजनी तिवारी, धनंजय तिवारी, वीरेंद्र नाथ पांडेय, चंदन जायसवाल, लव कुमार कुषवाहा, षिव नारायण चंद्रा, चंद्रमणि पाठक, महेंद्र सिंह, अखिलेष तिवारी, अजय कुमार वर्मा, कमलेष नंदन सिन्हा, विजय प्रसाद, विजय सिंह, कामेष्वर सिंह, सत्यनारायण सिंह, रामसरीख चंद्रा, रामउदार पांडेय सहित दो दर्जन से अधिक भाजपा के वर्ममान एवं पूर्व जिला व मंडलों के पदाधिकारी उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

गढ़वा में झामुमो में शामिल होने की मची होड़

गढ़वा। विधानसभा चुनाव का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है राजनीतिक दलों में भगदड़ मच गई है. भारतीय जनता पार्टी, भारतीय समाज पार्टी, राजद सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं, विभिन्न पंचायतों के पंचायत प्रतिनिधियों सहित 200 से अधिक लोगों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया है. मंगलवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद व युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के आवास पर सभी ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की. मंत्री श्री ठाकुर ने सभी को माला एवं पार्टी का पट्टा पहनाकर झामुमो में शामिल किया.

बीआरसी कार्यालय में चुनाव प्रशिक्षण पत्र बंटा

कांडी। विधानसभा चुनाव सुचारू रूप से संचालित करवाने के लिए मंगलवार को कांडी प्रखंड के सरकारी शिक्षकों व सहायक अध्यापकों सहित कुल 272 कर्मियों को चुनाव संबंधित नियुक्ति पत्र का वितरण बीआरसी कांडी में किया गया. प्राप्त जानकारी के अनुसार 272 कर्मियों में 40 कर्मियों को पीठासीन पदाधिकारी, 50 कर्मियों को प्रथम मतदान पदाधिकारी, 124 कर्मियों को द्वितीय मतदान पदाधिकारी व 58 कर्मियों को तृतीय मतदान पदाधिकारी से संबंधित नियुक्ति पत्र व फार्म 12 का वितरित किया गया. वितरित पत्र के अनुसार पीठासीन पदाधिकारी का प्रशिक्षण 23 अक्टूबर को, प्रथम मतदान पदाधिकारी का 24 अक्टूबर, द्वितीय मतदान पदाधिकारी का 25 अक्टूबर व तृतीय मतदान पदाधिकारी का 26 अक्टूबर को गोविंद हाई स्कूल गढ़वा में निर्धारित है.

मिट्टी खोदने के दौरान एक महिला की मौत, दो गंभीर

भवनाथपुर। केतार थाना क्षेत्र के दासीपुर गांव में मिट्टी खोदने के दौरान मिट्टी का चाल धंसने से उसमें दबकर तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई. इलाज के लिए सदर अस्पताल गढ़वा ले जाने के क्रम में गंभीर रूप से घायल छह माह की गर्भवती रंभा देवी की रास्ते में ही मौत हो गई. घायलों में खोनहर गांव के कमलौती देवी पति मनोज साह एवं सरिता देवी पति जीतन साह का नाम शामिल है. घायलों को निजी वाहन से इलाज के लिए केतार उपस्वास्थ्य केंद्र ले जाया, वहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गढ़वा रेफर कर दिया गया. जानकारी के अनुसार तीनो महिलाएं दीपावली पर्व के पूर्व घर की लिपाई करने के लिए अपने घर खोनहर से दासीपुर के मोटंगवा के पास मिट्टी लेने गई थी.

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

लातेहार। आसन्न विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान एवं मतदाताओं का जागरूक करने के लिए उच्च विद्यालय डुरूआ, लातेहार में रंगोली एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. इसमें कक्षा नौ व दस के छात्र व छात्राओं ने भाग लिया. बीएलओ पर्यवेक्षक अतुल कुमार ने आगामी 13 नवंबर को अपने मतदान केंद्र में जा कर मतदान करने की अपील की. कहा कि एक सशक्त लोकतंत्र के लिए शत प्रतिशत मतदान आवश्यक है. सरकार के स्तर पर हर प्रयास किये जा रहे हैं. लेकिन आम मतदाताओं की सहभागिता के बिना यह लक्ष्य हासिल करना मुश्किल है. मौके पर शिक्षक ललित दुबे, एके पाठक, बीएलओ अंजला देवी, मेज रेन लकड़ा मो परवेज, कृष्णकांत पांडेय के अलावा कई ग्रामीण व मतदाता मौजूद थे.

चुनाव कार्य में लगे कर्मियों के बीच तामिला पत्र का वितरण

भंडरिया। प्रखंड में 153 शिक्षक एवं शिक्षिकेतर कर्मचारियों को विधानसभा चुनाव 2024 के कार्य में लगाया गया है. इस चुनाव का तामिला पत्र सभी कर्मियों के बीच वितरण किया गया. इसकी जानकारी देते हुए भंडरिया बीआरसी कार्यालय के बीपीएम रविशंकर ने कहा कि प्रखंड के सभी विद्यालय के शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों को विधानसभा चुनाव 2024 में ड्यूटी लगाया गया है. उनका तामिला पत्र सभी को रिसीव भी करा दिया गया है. उक्त पत्र में जिनका नाम एवं मोबाइल नंबर गलत है, उसे सुधार कर भेजा जा रहा है. उन्होंने कहा कि 153 कर्मियों में पीठासीन पदाधिकारी, प्रथम मतदान पदाधिकारी, द्वितीय मतदान पदाधिकारी एवं तृतीय मतदान पदाधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है.

ब्रीफ खबरें

चौथे दिन दो प्रत्याशियों ने किया नामांकन

श्री बंशीधर नगर। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के लिये नामांकन के चौथे दिन मंगलवार को भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से दो प्रत्याशियों जयराम पासवान एवं रामनरेश यादव ने निर्वाची पदाधिकारी सह एसडीओ प्रभाकर मिर्धा के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया. रामनरेश यादव ने ऑनलाईन नामांकन दाखिल किया. जबकि जयराम पासवान ने ऑफलाईन नामांकन दाखिल किया. बाद में निर्वाची पदाधिकारी सह एसडीओ ने नामांकन की औपचारिक प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद दोनों प्रत्याशियों को शपथ दिलाई.

प्रखंड स्तरीय कांग्रेस नेता का निधन

कांडी। थाना क्षेत्र के कांडी गांव निवासी सह प्रखंड स्तरीय कांग्रेसी नेता 56 वर्षीय झरी प्रसाद का मौत इलाज के दौरान लखनऊ में मंगलवार को हो गई. उन्हें पिछले शनिवार को इलाज के लिए पीजीआई हॉस्पिटल लखनऊ में भर्ती किया गया था. वे मधुमेह व सांस रोग से ग्रसित थे. मृतक शुरू से कांग्रेसी नेता रहे. वे प्रखण्ड क्षेत्र में लोगों के बीच काफी प्रचलित व्यक्ति रहे. अचानक उनकी मौत से कांडी में शोक की लहर है. समाचार लिखे जाने तक मृतक का पार्थिव शरीर पैतृक आवास नही पहुंचा था.

भवनाथपुर में महिला ने किया आत्महत्या का प्रयास

भवनाथपुर। राजनीतिक दल बदलने से आक्रोशित महिला खरौंधी थाना क्षेत्र के चंदाना गांव निवासी मानिक सिंह की पत्नी अंजली देवी ने बीती रात्रि कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने का प्रयास की. जिसके बाद परिजनों ने भवनाथपुर सीएचसी में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया. जहां चिकित्सा प्रभारी डॉ दिनेश सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गढ़वा रेफर कर दिया.

दुष्कर्म के आरोपी को फांसी देने की मांग

कांडी। थाना क्षेत्र के खरौंधा पंचायत के मोखापी गांव में विगत 11 अक्टूबर को एक नाबालिग के साथ तीन बच्चों के पिता के द्वारा किए गए दुष्कर्म की शर्मनाक घटना के बाद इंसाफ की मांग को लेकर पूरे इलाके से लोग आंदोलित हैं. इसी कड़ी में मंगलवार को मौखापी गांव सहित अन्य क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में पुरुष व महिलाएं ने हाथ में तख्ती लेकर पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए कांडी प्रखंड मुख्यालय स्थित सोनभद्र इंटर महाविद्यालय के प्रांगण में एकत्रित हुए थे.

सदर प्रखंड के सात सौ से अधिक लोग झामुमो छोड़ भाजपा में शामिल

सरकार बनते ही अपराधी जायेंगे जेल : सत्येन्द्रनाथ

- अपराधिक छवि वाले व्यक्तियों का हथियार का लाइसेंस होगा रद्

संवाददाता । गढ़वा

सोमवार की देर रात और मंगलवार को गढ़वा-रंका विधानसभा क्षेत्र के सदर प्रखंड के नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्ड और ग्रामीण इलाकों के सात सौ से अधिक लोगों ने झामुमो छोड़ भाजपा में शामिल हो गए. सभी को पूर्व विधायक सत्येन्द्रनाथ तिवारी ने अपने आवास सहित विभिन्न जगहों पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान माला और पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया. मौके पूर्व विधायक ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार ने गरीबों के हित में कई योजनाएं संचालित कर रही है. लेकिन हेमंत सरकार सभी योजनाएं भ्रष्ट्राचार की भेंट चढ़ा दी. जिसके कारण गरीबों को उसका लाभ नहीं मिल रहा है.

अपने आवास पर पार्टी में शामिल हुए लोगों के साथ पूर्व विधायक सत्येन्द्रनाथ तिवारी.

जल जीवन मिशन योजना में पांच हजार करोड़ से भी अधिक का घोटाला हुआ है. वहीं राशि के सहारे मंत्री चुनाव जीतने का सपना देख रहे है. उन्होंने कहा कि मंत्री पूरी तरह तुष्टिकरण की राजनीति कर कर रहे है. मंत्री ने अपने कार्यकाल के दौरान एक वर्ग विशेष के अपराधिक छवि वाले लोगों को पैरवी के बल पर राइफल और पिस्टल का लाइसेंस दिलाया है.

आने वाला समय में अपराधिक छवि के व्यक्ति उक्त लाइसेंसी पिस्टल और राइफल का निर्दोष लोगों पर करेंगे. उन्होंने कहा कि गढ़वा सहित पूरे झारखंड में भाजपा और एनडीए की पूर्ण बहुमत की सरकार बन रही है. सरकार बनने के साथ ही अपराधिक छवि वाले व्यक्तियों का हथियार का लाइसेंस तत्काल रद् कराया जाएगा. उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारी आदर्श आचार संहिता लगने के बाद भी झामुमो कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहे है. आदर्श आचार संहिता का खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है. भाजपा कार्यकर्ता जब चुनाव आयोग के सी विजिल एप्प पर शिकायत दर्ज कराते है तो, पदाधिकारी छापेमारी करने से पहले झामुमो कार्यकर्ताओं को सूचित कर दे रहे है.

उन्होंने कहा कि यह चुनाव के दौरान गढ़वा के लोग अपनी स्वभिमान को जगाकर अतंरआत्मा की आवाज पर वोट दे. सभी वर्ग के लोग मंत्री के कार्यकाल में भय के साए में रहने को विवश है. किसी के साथ कोई घटना, बदसलूकी, मारपीट सहित अन्य घटनाएं होने पर भी थाना में केस दर्ज कराने के लिए मंत्री से पैरवी कराना पड़ता है. बिना मंत्री के पैरवी के किसी भी आम व्यक्ति का केस दर्ज नही होता है. उन्होंने कहा कि मंत्री ने गढ़वा को अपना जागिर समझ लिया है. व्यवसायी वर्ग पूरी तरह से डरे हुए है. शहर से लेकर गांव तक खुलेआम गरीबों और असहायों का जमीन लूटा जा रहा है. प्रखंड और अंचल कार्यालय लूट का अडा बन चुका है. भाजपा की सरकार बनने के साथ ही अपराधियों की जगह जेल में होगी. उन्होंने सभी लोगों से भाजपा के पक्ष में वोटिंग कर पीएम मोदी के हाथों को मजबूत करने की अपील की. भाजपा में शामिल होने वाले लोगों में प्रमुख रूप से कल्यापुर निवासी सूरज कुमार, प्रिंस कुमार, छोटू चंद्रवंशी, अमित कुमार, रौशन कुमार, राजा कुमार, चंद्रमणि चंद्रवंशी, आदित्या पासवान, श्याम पासवान, रसीद अंसारी, अरविंद कुमार चौबे, गढ़वा शहरी क्षेत्र के लव कांस्कार, लालबाबू कांस्कार, बबन कांस्कार, अनुपम कांस्कार, अमरनाथ कांस्कार, प्रेमचंद कश्यप, शंभु केशरी, बुचुन गुप्ता, अनिल प्रसाद कांस्कार, प्रेम मध्येशिया, सानू कांस्कार सहित अन्य लोगों का नाम शामिल है.

खास बातें

- हेमंत सरकार सभी योजनाएं भ्रष्ट्राचार की भेंट चढ़ा दी
- जल जीवन मिशन योजना में 5 हजार करोड़ का घोटाला हुआ

लातेहार के लिए तीन और मनिका के लिए चार नामांकन प्रपत्रों की बिक्री हुई

लातेहार/ महुआडांड़। आसन्न विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के लिए नामांकन प्रपत्रो की बिक्री के चौथे दिन मंगलवार को लातेहार विधानसभा से तीन नामांकन प्रपत्र की बिक्री हुई है. नामांकन प्रपत्र लेने वालों में प्रकाश कुमार रवि पिता सुद्धेश्वर राम ग्राम पकरार व प्रखंड लातेहार, राकेश पासवान पिता जोरावर राम शिबला रोड मेदनीनगर तथा उपेंद्र भूइंया पिता चंद्रकिशोर भूइंया ग्राम परसही प्रखंड लातेहार का नाम शामिल है. मनिका विधानसभा क्षेत्र के लिए महुआडांड अनुमंडल कार्यालय मे मंगलवार को चार नामांकन प्रपत्र की बिक्री हुई है. नामांकन प्रपत्र लेने वालों में पोलिकार्प खाखा पिता केलेमेंट खाखा ग्राम औराटोली महुआडांड़, अनिल कुमार सिंह पिता स्व जनार्दन सिंह ग्राम छेछा बरवाडीह, राकेश कुमार सिंह पिता स्व प्रदीप कुमार सिंह ग्राम निंदिर लातेहार तथा समाजवादी पार्टी के घोषित प्रत्याशी रघुपाल सिंह पिता स्व मनबहाल सिंह पल्हेया प्रखंड मनिका का नाम शामिल है.

समीक्षात्मक बैठक संपन्न

लोहरदगा। व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकार लोहरदगा के सचिव राजेश कुमार के द्वारा जिले के कार्यरत पीएलवी के साथ मासिक बैठक की गई. जिसमें उन्होंने सर्व प्रथम आगामी विधानसभा चुनाव में अपने मत का प्रयोग करने की बात कही. अपने घर और आस-पास के लोगों व कार्यक्षेत्र में लोगों को मतदान के लिए जागरूक करें. वहीं उन्होंने पीएलवी द्वारा किए गए कार्यों और कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं के बारे में जाना. वहीं उन्होंने झालसा रांची द्वारा जारी कलेंडर के माध्यम से आयोजित होने वाले आयोजनों के बारे में बताया.

तस्करी कर ले जा रहे शराब लदा वाहन पलटा

संवाददाता । भंडरा/लोहरदगा

महज 20 दिन बाद लोहरदगा में विधानसभा चुनाव होने वाला है और बड़ी मात्रा में शराब की बोतलें मालवाहक पिकअप वाहन के पलटते ही बिखर गया. देखते ही देखते आस-पास के गांवों के ग्रामीणों की भीड़ शराब की बोतलों को ले जाने हेतु उमड़ पड़ी. इधर इसकी सूचना मिलते ही तत्काल भंडरा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की बारीकि से तहकीकात करने में जुट गए हैं. जानकारी के मुताबिक भंडरा थाना क्षेत्र के चट्टी पेट्रोल पंप के समीप गाय का चरा ले जाते हुए पिकअप वाहन पलटी कर गया. जिसमें भारी मात्रा में शराब लदी हुई थी. यहां पर वाहन पलटी घटना की जानकारी होते ही आस-पास के क्षेत्रों के लोग मौके पर पहुंच गए. इसके साथ ही लोग दुर्घटनाग्रस्त वाहन से जमीन पर बिखरी शराब की बोतल लूटने में व्यस्त हो गए. जिसको जितना बन पड़ा वह उतना ले भागे. वहीं घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है. बाद में जानकारी मिलने पर जब तक पुलिस मौके पर पहुंचती तब तक अधिकांश शराब की लूट हो चुकी थी. वहीं दूसरी ओर दुर्घटना से काफी मात्रा में शराब बर्बाद भी हुई. अब सवाल उठता है कि यह शराब कैसे और कहां जा रही थी. वहीं घटना की जानकारी मिलने पर भंडरा अंचल अधिकारी दुर्गा कुमार, भंडरा थाना प्रभारी अरविंद सिंह घटना स्थल पर पहुंचकर पलटी किया वाहन और बचे हुए शराब की पेटियों को जप्त कर मामले की गहराई से जांच पड़ताल में जुट गए हैं.

राज्य स्थापना दिवस मनाने के लिए हुई बैठक

लोहरदगा। झखरा कुम्बा प्रांगण में राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा लोहरदगा जिला समिति ने 15 नवंबर को स्थापना दिवस समारोह मनाने को लेकर बैठक की. बैठक की अध्यक्षता राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा लोहरदगा जिला समिति जिलाध्यक्ष सोमदेव उरांव ने की. बैठक में आगामी 15 नवंबर स्थापना दिवस को लेकर चर्चा परिचर्चा कर निर्णय लिया गया कि जिला के सभी प्रकोष्ठ पदाधिकारियों व कार्यकर्तागणों के बीच सफल कार्यक्रम हो. जिला के कार्यकर्ताओं के बीच पोस्टर व फाइनल का वितरण किया गया. बैठक में मुख्य रूप से महासचिव जालेश्वर उरांव, उपाध्यक्ष सोमे उरांव, कोषाध्यक्ष बिरसा उरांव, कोर कमिटी फूलकेश्वर उरांव, सुधू भगत, जिला सचिव सुकेन्द्र उरांव आदि शामिल थे.

के सी वेणुगोपाल व सुखदेव भगत ने की चुनावी चर्चा

संवाददाता । लोहरदगा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह संगठन प्रभारी के सी वेणुगोपाल ने अपने नई दिल्ली में स्थित आवास पर लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत को बुलाकर चुनावी चर्चा की. इस बीच दोनों नेताओं ने झारखंड सहित लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र में पार्टी एवं गठबंधन के उम्मीदवार की जीत कैसे सुनिश्चित हो उसके संदर्भ में विचार-विमर्श किये. यहां पर सांसद सुखदेव भगत ने अपने क्षेत्र एवं राज्य में संगठन की क्या स्थिति है. साथ ही जनप्रतिनिधियों का जनता एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ कैसा व्यवहार रहा है उन सभी बातो से उन्हें अवगत कराया. इधर मुलाकात के दौरान कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने सांसद सुखदेव भगत से कहा कि आप झारखंड के कद्दावर नेता हैं. आपने विकट परिस्थिति में अपने दम पर लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र से ऐतिहासिक वोट से जीत हासिल किए थे. झारखंड में पुनः इंडिया गठबंधन की सरकार बने इसके लिए आपकी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, आप संगठन के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं. सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि पार्टी एवं गठबंधन उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करना उनका नैतिक जिम्मेदारी है और इसके लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ वे काम करेंगे. झारखंड की इंडिया गठबंधन की सरकार एक संवेदनशील सरकार है. यह सरकार सभी वर्गों का विशेष ध्यान दिया है.

राजनीति

शहर से लेकर गांव देहात तक फोड़ी गई जमकर पटाखे, झूमते दिखाई दिए कार्यकर्ता

डॉ रामेश्वर को टिकट दिए जाने पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

संवाददाता । लोहरदगा

झारखंड सरकार में वित्त मंत्री रहे कांग्रेस विधायक दल के नेता लोहरदगा विधायक डॉ रामेश्वर उरांव को आलाकमान की ओर से दोबारा लोहरदगा विस सीट से चुनाव लड़ने हेतु उम्मीदवार घोषित किए जाने से कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और जगह-जगह शहर से लेकर गांव देहात तक पटाखे फोड़े. साथ ही नाच-गाकर खुशियां मनाया.

इधर डॉ रामेश्वर उरांव को कांग्रेस पार्टी द्वारा लोहरदगा विधानसभा सीट से दोबारा उतारे जाने से कहीं खुशी कहीं गम साफ तौर पर देखने के लिए मिल रहा है. ऐसे में विस चुनाव में कार्यकर्ताओं में इसी तरह मतभेद बनी रही तो विपक्षी दलों के लिए सोने पर सुहागा सिद्ध हो सकता है. आलाकमान को इसपर पहल करने की जरूरत है ताकि कांग्रेस पार्टी की सीटिंग सीट लोहरदगा पर फिर से कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन के खाते में जा सके. उल्लेखनीय है कि लोहरदगा लोकसभा चुनाव के समय से लोहरदगा जिला कांग्रेस कमेटी दो गुटों में बंटकर ना सिर्फ पार्टी को नुकसान पहुंचाया जा रहा है बल्कि विपक्ष के उम्मीदवारों के लिए जीत की राह को आसान होने की संभावना को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है.

डॉ उरांव की जीत सुनिश्चित कराने में जुटे कैरो के कांग्रेसी

कैरो/लोहरदगा। आगामी विधानसभा चुनाव में लोहरदगा 72 विस सीट से डॉ रामेश्वर उरांव का इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी घोषित होते ही प्रखंड कांग्रेस कमेटी के द्वारा डॉक्टर रामेश्वर उरांव की जीत सुनिश्चित करने, सांगठनिक मजबूती, चुनाव की तैयारी, प्रखंड के सभी बूथों की भौतिक सत्यापन एवं कार्यकर्ताओं में ऊर्जा एवं उत्साह भरने के लिए पंचायतों का दौरा कर बैठक किया गया. बैठक में एक स्वर में सभी कार्यकर्ताओं ने कहा कि गठबंधन के प्रत्याशी डॉ रामेश्वर उरांव को कैरो प्रखंड समेत विधानसभा से भारी मतों से विजयी बनाना है. मौके पर कैरो प्रखंड अध्यक्ष अनीस अहमद, बुधवा उरांव, नईम अंसारी, इंतखाब आलम, मोजाहिर अंसारी, जुबेर अंसारी,मनोज उरांव, प्रवीण पांडे आदि शामिल थे.

मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं मनातू प्रखंड के दर्जनों गांव : बिनोद सिन्हा

संवाददाता । मनातू (पलामू)

प्रखंड के पदुमा पंचायत अंतर्गत पकरियाडीह गांव में हाल ही में जनसंपर्क अभियान का आयोजन किया गया. इस अभियान में स्थानीय कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों से बातचीत की गई, जिसमें क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर गहन चर्चा हुई. प्रमुख समस्याओं में पानी, बिजली, और सड़क की खराब स्थिति मुख्य रूप से सामने आई.

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पानी की गंभीर समस्या है, जिससे पीने के पानी के लिए उन्हें दूर-दूर तक जाना पड़ता है. बिजली की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है, जिसके कारण उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है. इसके अलावा, सड़कों की दुर्दशा से गांव में आना-जाना भी मुश्किल हो गया है, विशेषकर बरसात के दिनों में. जनसंपर्क अभियान के दौरान, पांकी विधानसभा के युवा समाजसेवी और भावी विधायक कुशवाहा बिनोद सिन्हा भी उपस्थित रहे. उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना . इन समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे. उन्होंने कहा कि यदि उन्हें मौका मिलता है तो वे क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे. इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए एक ठोस कदम उठाना था.

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को सीधी चुनौती पेश कर चतरा को रौशन करने की होगी चुनौती..!

ससुर की विरासत बचाने राजनीतिक दंगल में कूदेंगी राजद की रश्मि..!

- मंत्री सत्यानंद ने भाजपा पर कसा तंज, कहा- मैदान से भाग कर हवा-हवाई प्रत्याशी को थमा दिया है जहाज..!
- युवा नेता उमेश भारती किसकी डुबाएंगे नैया, रोचक हुआ समीकरण..!

संवाददाता। चतरा

जनसंपर्क अभियान के दौरान चतरा विस सीट से 'इंडिया' प्रत्याशी रश्मि प्रकाश.

आगामी 13 नवंबर को होने वाले चतरा विधानसभा चुनाव की बिसात पूरी तरह बिछ चुकी है. एनडीए से लेकर इंडिया गठबंधन के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक दलों ने अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करने के अलावे लोकतंत्र के महापर्व में जोर आजमाइश भी शुरू कर दी है. इसी कड़ी के तहत चतरा के राजनीतिक दंगल में राजद के टिकट पर पहली महिला प्रत्याशी के रूप में रश्मि प्रकाश बुधवार को अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगी. रश्मि चतरा के निवर्तमान विधायक सह हेमंत सरकार मंत्रिमंडल में शामिल मंत्री सत्यानंद भोक्ता की पुत्र वधु हैं. इस नाते उनके कंधों पर न सिर्फ एनडीए व अन्य पार्टियों समेत प्रबल प्रत्याशियों को पटखनी देकर ससुर की लंबी राजनीतिक विरासत बचाने की बड़ी जिम्मेवारी है. वहीं विपरीत परिस्थितियों में भी लालटेन की लौ जलाए रखने की चुनौती भी है. बता दें कि मंत्री सत्यानंद भोक्ता के तीसरे पुत्र मुकेश भोक्ता की पत्नी रश्मि महागठबंधन कोटे से चतरा विधानसभा में राष्ट्रीय जनता दल के टिकट पर अपनी दावेदारी पेश कर रही हैं. रश्मि वर्तमान में राजद की प्रदेश सचिव भी है. राजनीतिक जीवन में एंट्री के बाद से लगातार क्षेत्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के अलावा वे लगातार जनसंपर्क अभियान चला कर लोगों से मिल भी रही है.

बेटी ही रख सकती है अपनों का ख्याल : रश्मि

इधर राजद प्रत्याशी रश्मि प्रकाश ने कहा है कि बेटी ही अपनों का बखूबी ख्याल रख सकती है. मैं लोगों के बीच लगातार घूम रही हूं और लोगों का आशीर्वाद भी मुझे मिल रहा है. मैं विधायक बनकर किसी भी परिस्थिति में किसी को शिकायत का मौका नहीं दूंगी. मां भद्रकाली और मां कालेश्वरी ने मुझे अपना आशीर्वाद दे दिया है, अब जनता जनार्दन की बारी है.

ये पब्लिक है सब जानती है, इनके प्रत्याशी को रिजेक्ट कर चुकी है जनता : सत्यानंद भोक्ता

महागठबंधन से राजद प्रत्याशी रश्मि प्रकाश के नामांकन को लेकर उनके ससुर मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि विकट परिस्थिति में भी राजद ने चतरा विधानसभा सीट जीतकर भारतीय जनता पार्टी और उसके प्रत्याशी को पटखनी दी थी. उन्होंने कहा कि इस बार भारतीय जनता पार्टी अपनी निश्चित हार को देखते हुए न सिर्फ मैदान से ही पूरी तरह भाग चुकी है, बल्कि चुनावी दंगल में हार के बाद भद न पीट जाए इस डर से अपने हवा-हवाई प्रत्याशी को हवाई जहाज थमा दिया है. मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा है कि भाजपा को चुनाव में हार का डर इस कदर सता रहा है कि अपने ही प्रत्याशी को खुद मैदान छोड़कर दूसरी पार्टी से मैदान में उतार दिया है. उन्होंने कहा है कि यह पब्लिक है सब जानती है. जनता एनडीए गठबंधन की साजिश में फंसने वाली नहीं है. क्योंकि इनके द्वारा वैसे पार्टी को चुनाव मैदान में मौका दिया गया है, जिसका ना तो यहां जनाधार है और ना ही कोई जनमत. इतना ही नहीं, इन्होंने वैसे व्यक्ति को हवाई जहाज थमाया है, जिसे जनता पूर्व में ही रिजेक्ट कर चुकी है. मंत्री ने कहा है कि चतरा को रौशन अब यहां की बहू-बेटी रश्मि ही करेंगी, क्योंकि यह सर्वविदित है कि जब से हवाई जहाज यहां के लोगों को दिखाया गया है, तब से उनके भीतर ही लगातार फुट की खबरें आ रही हैं.

झारखंड में बनेगी एनडीए की सरकार : अमर कुमार बाउरी

- भाजपा नेता पहुंचे छिन्नमस्तिका मंदिर, मां भगवती के समक्ष टेका मत्था

संवाददाता। रामगढ़

झारखंड के पूर्व मंत्री सह नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी मंगलवार को अपने समर्थकों के साथ रजरप्पा स्थित छिन्नमस्तिका मंदिर में मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त किया. वे टिकट मिलने के बाद पहली बार यहां पहुंचे थे. उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव में एनडीए की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ बनेगी. उन्होंने कहा कि वर्तमान हेमंत सरकार से राज्य की जनता पूरी तरह से त्रस्त है और खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है. जनता अब परिवर्तन के मूड में है. राज्य में अपराधियों का बोलबाला है. राज्य की महिलाएं, व्यापारी, आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है. मौके पर भाजपा नेता राजीव जायसवाल, रंजन सिंह फौजी, चंदनकियारी के मुखिया संदीप महतो, तपन रजवार, सीतल सिंह, योगेंद्र रजवार, कालाचंद महतो, पशुपति महती, आजसू के केंद्रीय सदस्य हेमंत शेखर, संतोष रवानी बीजेपी युवा मोर्चा के जिला मंत्री मनोज पांडेय, गिरी सेन, अमरजीत कुमार, सदाई बाउरी आदि मौजूद थे.

विस चुनाव : निर्दलीय करेंगे अच्छे अच्छो का बेडा गर्क, कांग्रेस व भाजपा को पड़ेगा फर्क!

सदर में इस बार होगा घमासान राह किसी के लिए नहीं आसान

- निर्दलीय बिगाड़ सकते हैं कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशी का खेल
- प्रदीप प्रसाद, मुन्ना सिंह, किशोरी राणा व हर्ष अजमेरा, विपिन सिंह, सच्चिदानंद, मुकेश कुमार कसेरा में होगा महामुकाबला

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

मुन्ना सिंह, कांग्रेस उम्मीदवार

प्रदीप प्रसाद, भाजपा उम्मीदवार

विपिन कुमार, निर्दलीय उम्मीदवार

मुकेश कुमार कसेरा, निर्दलीय उम्मीदवार

विधानसभा चुनाव के लिए हजारीबाग सदर की सीट काफी हॉट मानी जा रही है. यहां पर मुख्य रूप से भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं, लेकिन इस बार मजबूत निर्दलीय प्रत्याशी भी मैदान में ख़म ठोकने को तैयार हैं, जिससे इस सीट पर किसी के लिए भी मुकाबला आसान नहीं माना जा रहा है. इस सीट से कई दावेदारों के बीच भाजपा ने प्रदीप प्रसाद और कांग्रेस ने मुन्ना सिंह जैसे अनुभवी नेताओं पर दांव खेला है, जिससे चुनाव काफी दिलचस्प हो गया है. प्रदीप प्रसाद ने लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा का दामन थामा था. वहीं मुन्ना सिंह कांग्रेस से बाबूलाल के जेवीएम में गए और फिर कांग्रेस में वापस आ गए. दोनों एक दूसरे से भली भांति परिचित हैं और एक दूसरे के मजबूत और कमजोर पक्ष को समझते और जानते हैं. वहीं निर्दलीय किशोरी राणा, हर्ष अजमेरा, टोनी जैन, विपिन सिंह, मुकेश कुमार कसेरा और अटल विकास मंच के उम्मीदवार भी मैदान में आ रहे हैं. किशोरी राणा ने विस्थापन पर बहुत काम किया है. ग्रामीण क्षेत्रो में उनकी छवि साफ़ सुथरी है और पकड़ भी अच्छी है. ऐसे में इस बार सदर सीट की लड़ाई जबरदस्त होगी. ज्ञात हो कि पारंपरिक तौर पर सदर विधानसभा सीट को भाजपा की सेफ सीट माना जाता है, लेकिन इस बार मुन्ना सिंह के कांग्रेस के टिकट पर ताल ठोकने से और किशोरी राणा व हर्ष अजमेरा के मैदान में आने से मुकाबला उसके लिए आसान नहीं होने वाला है. कुल मिलाकर हज़ारीबाग़ की सदर सीट इस बार खुले मैदान की तरह है. जो अच्छा दौड़ लगा पाने में सफल होगा वहीं जीत दर्ज करेगा. इस बार 100 प्रतिशत जीत की गारंटी किसी भी उम्मीदवार की नहीं कही जा सकती. बहुत साल बाद इस सीट पर यह स्थिति देखने को मिल रही है.

टिकट बंटवारे के बाद भाजपा में भड़की बगावत की आग

बरकट्ठा सीट से टिकट नहीं मिलने पर रोने लगीं कुमकुम देवी, चुनाव लड़ने की घोषणा

बड़कागांव विधानसभा सीट को रामगढ जिले से जोड़ दिया गया है. हज़ारीबाग़ की दो सीट बरही और मांडू तो सही है, लेकिन सदर और बरकट्ठा सीट के लिए बीजेपी प्रत्याशियों की सूची जारी होते ही घमासान मचने लग गया है. बगावत के सुर उठने लगे हैं. बरकट्ठा सीट से टिकट नहीं मिलने से निराश हुए दावेदार कुमकुम देवी तो रोने ही लग गई. उनके रोने का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है. बरकट्ठा की रामगढ़ सीट पर भी बगावत के आसार बन रहे हैं. कुमकुम ने तो बाकायदा चुनाव लड़ने तक की घोषणा कर दी है. सूचना है कि भाजपा टिकट के प्रबल दावेदार हर्ष अजमेरा भी कार्यकर्ताओं के दबाव में निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर कर दी है जो भाजपा के लिए शुभ संकेत नहीं हैं. हर्ष अजमेरा ने अपने समर्थकों का आभार प्रकट किया और कहा है कि आप सभी का स्नेह और समर्थन मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है. मैं जनता की समस्याओं को गहराई से समझता हूं और उनके समाधान के लिए पूरी निष्ठा से काम करने का वादा करता हूं. मैंने हमेशा यह कोशिश की है कि समाज के हर वर्ग की आवाज़ को सुना जाए और उनकी समस्याओं का समाधान खोजा जाए. आपके इस भरोसे ने मुझे और भी मजबूती दी है. निर्दलीय प्रत्याशी के रूप मैं आप सबों के आशीर्वाद से अवश्य चुनाव लड़ूंगा. आप सबों का साथ और विश्वास मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण है.

बड़कागांव सीट पर रोशनलाल चौधरी को प्रत्याशी बनाए जाने का हो रहा व्यापक विरोध : ज्ञात हो कि भाजपा ने जब से टिकट की घोषणा की है तब से ही कहीं खुशी तो कहीं गम वाले हालात हो गए थे. टिकट पाने वाले नेताओं के खेमे में पटाखे छोड़े जाने लगे तो टिकट से वंचित रहे नेताओं के खेमों में चुप्पी छा गई. आगे की रणनीति बनाने के लिए रात को खुसर फुसर शुरू हो गई थी. उसके बाद टिकटों को लेकर राजनीति और गरमा गई. रामगढ़ की बड़कागांव सीट पर भी बगावत के सुर सामने आने लगे हैं. वहां पार्टी ने रोशनलाल चौधरी को चुनाव मैदान में उतारा है. वहां भी सदर सीट जैसे हालात हैं. वहां के भाजपा कार्यकर्ताओं ने बगावती तेवर अपना लिए हैं. उन्होंने रोशनलाल चौधरी को प्रत्याशी बनाए जाने का विरोध किया है. कार्यकर्ताओं का कहना है कि तीन बार आजसू पार्टी में रहकर चुनाव लड़कर हार चुके रोशन लाल चौधरी को भाजपा का टिकट देकर उम्मीदवार बनाने का क्या औचित्य था. इस बार रोशनलाल चौधरी ऐसा क्या करेंगे कि चुनाव जीत जायेंगे. कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा एक गलत परिपाटी चला रही है और अपने मूल कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर बाहर से लाकर हमलोगों पर जबरदस्ती थोप रही है. उन्होंने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि आपको इसका जवाब देना है. अब बहुत हो गया.

बड़कागांव की जनता परिवर्तन को आतुर : रोशनलाल चौधरी

संवाददाता। केरेडारी

आजसू पार्टी की प्रखंड कमेटी व कार्यकर्ताओं की बैठक मंगलवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित की गई, जिसमें बतौर मुख्य अतिथि एनडीए समर्थित प्रत्याशी रोशनलाल चौधरी व विशिष्ट अतिथि हजारीबाग जिला अध्यक्ष परमेश्वर महतो उपस्थित हुए. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड के कार्यकारी अध्यक्ष प्रेमचंद महतो और संचालन प्रखंड सचिव मोहन महतो ने किया. चौधरी ने कहा कि बड़कागांव सहित संपूर्ण झारखंड में परिवर्तन की लहर चल रही है. जनता एनडीए गठबंधन की सरकार बनाने को आतुर है. हमारा क्षेत्र इतना धनी और संपन्न रहते हुए भी यहां की जनता सबसे गरीब हो चुकी है. इसकी वजह सिर्फ और सिर्फ विधायक की कंपनी के साथ मिलीभगत है. उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार बनते ही हमारे चुनावी वादे पूरे किए जाएंगे और बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में विकास की गाथा लिखी जाएगी. बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय सचिव कौलेश्वर गंझू, केंद्रीय सदस्य पंकज साहा, भोला महतो, लीलाधन साव, अनिल राम, जिला प्रवक्ता रविशंकर जायसवाल, जिला मीडिया प्रभारी दीपक कुमार दीन्हा, जिला उपाध्यक्ष देवनारायण राणा आदि मौजूद थे.

ईसीआरकेयू ने किया नोमिनेशन दाखिल

रामगढ़। ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन द्वारा हाजीपुर महाप्रबंधक कार्यालय में मान्यता प्राप्त के लिए 4 से 6 दिसंबर को होने वाले चुनाव के लिए नॉमिनेशन दाखिल किया. इस मौके पर मुख्यालय हाजीपुर परिसर में यूनियन द्वारा एक जनसभा का भी आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा ने सभा में उपस्थित हजारों समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय कर्मचारियों को पेंशन की गारंटी के लिए लागू होने जा रही यूपीएस की सभी कमियां दूर कराई जाएंगी. कर्मचारियों के योगदान की राशि को लाभांश सहित वापस दिलाने का वादा किया. साथ ही,उन्होंने कहा कि पेंशन के लिए सेवा अवधि में भी सुधार निश्चित रूप से करवाया जाएगा. उन्होंने कहा कि आपकी उपस्थिति यह साबित कर रही है कि ईसीआरकेयू एकल संगठन के रूप में फिर तीसरी बार मान्यता प्राप्त करने में जरूर सफल होगा.

पंकज महतो ने खरीदा पर्चा, निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव

रामगढ़। किसान बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय संयोजक पंकज महतो ने रामगढ़ से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में पर्चा खरीदा है. उन्होंने कहा कि झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय संयोजक जमीनी कार्यकर्ता को प्रत्याशी न बना कर डमी को प्रत्याशी बनाया है. हम जल जंगल जमीन के मुद्दे और बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, शिक्षा आदि को लेकर जनता के बीच जाएंगे. मौके पर विजय दुबे, आकाश तिवारी, आरिफ रजा, रोलेक्स कुमार, रोशन तिवारी, राजा सिंह, आयुष कुमार, अंकित पटेल, रूपेश कुमार, रोहित सिंह, रितेश कुमार, परवीन कुमार, राजुल अंसारी, बिनोद कुशवाहा आदि उपस्थित थे.

पदमा में कांग्रेस और झामुमो के कई नेता भाजपा में शामिल

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के बरही विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी मनोज कुमार यादव के समर्थन में पदमा प्रखंड के ग्राम सूरजपुरा और रोमी पंचायत के ग्राम चंपाडीह बगीचा में क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल और छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कार्यकर्ताओं और लोगों से संवाद किया. इस दौरान क्षेत्र के पूर्व मुखिया सह झामुमो नेता गौरी शंकर मेहता के नेतृत्व में उनके साथ सैकड़ों लोग कांग्रेस और झामुमो छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए. इनमें प्रमुख रूप से सूरजपुरा मुखिया सीताराम मेहता, मुकेश मेहता, समिति सदस्य रूबी देवी, शैलेंद्र मेहता, होरिल मेहता, संदीप मेहता, जागेश्वर मेहता वार्ड सदस्य, नागेश्वर मेहता, दीपक कुमार, अश्विनी कुमार पांडेय, प्रेम कुमार आदि शामिल रहे.

जायसवाल ने कहा कि झारखंड को पश्चिम बंगाल बनने से रोकना है और यहां की माटी, बेटी और रोटी को बचाना है तो सत्ता परिवर्तन किसी भी हाल में करना ही होगा. वहीं चौधरी ने कहा कि झारखंड की भ्रष्ट गठबंधन सरकार से छुटकारा पाना है तो भाजपा की सरकार लानी ही होगी. इस दौरान विशेष रूप से बरही के विधानसभा प्रभारी विनय सिंह, पदमा के भाजपा मंडल अध्यक्ष बाबुलाल मेहता, भाजपा नेता अजय मेहता, नारायण यादव, प्रमुख वीणा देवी, सुरेंद्र गुप्ता आदि उपस्थित रहे.

झामुमो प्रत्याशी मनोज चंद्रा ने किया नामांकन

- सिमरिया सीट : पर्चा दाखिल करने से पूर्व कार्यकर्ताओं संग दिखाया दम
- कहा-जीता तो विधानसभा क्षेत्र का करेंगे ऐतिहासिक विकास

संवाददाता। चतरा

नामांकन पत्र दाखिल करते सिमरिया से झामुमो प्रत्याशी मनोज चंद्रा.

जिले के सिमरिया विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी के रूप में मनोज चंद्रा ने अपना नामांकन किया है. नामांकन से पूर्व मनोज चंद्रा ने अपने हजारों समर्थकों संग गाजे-बाजे के साथ शक्ति प्रदर्शन करते हुए सिमरिया मुख्य चौक स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया.

इसके उपरांत अनुमंडल कार्यालय परिसर में पहुंचकर उप निर्वाचन पदाधिकारी सन्नी राज के समक्ष अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया. नामांकन के पश्चात मीडिया से बात करते हुए चंद्रा ने कहा कि जनता ने इस बार अपना जनाधार झामुमो को देने का फैसला लिया है. उन्होंने कहा कि सिमरिया विधानसभा की जनता को वोट देने के नाम पर अब तक सिर्फ ठगने का प्रयास किया गया है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा. उन्होंने कहा कि जनता ने आशीर्वाद दिया तो इस बार सिमरिया विधानसभा का ऐतिहासिक विकास होगा. चंद्रा ने कहा कि पिछले पंद्रह सालों से सिमरिया विधानसभा के मूल मुद्दों को यहां के जनप्रतिनिधियों ने दरकिनार किया है, जिसके कारण आमजनों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है. कोल वाहनों से लगातार हो रही दुर्घटना को लेकर जनता ने मौका दिया तो सर्वप्रथम कोल वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं के निबटारे को लेकर कदम उठाऊंगा.

सदर से मुन्ना सिंह को कांग्रेस का टिकट मिलने पर कार्यकर्ता खुश

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने के बाद सभी दल अपने-अपने प्रत्याशी के नामों की घोषणा कर रहे हैं. भाजपा के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए अपने 21 प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है. सोमवार देर रात घोषित कांग्रेस की सूची में हजारीबाग सदर विधानसभा सीट से मुन्ना सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है. इससे सिंह के समर्थक और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है.

कौन है मुन्ना सिंह : मुन्ना सिंह पिछले डेढ़ दशक से राजनीति में सक्रिय हैं. समाजसेवी के रूप में मुन्ना सिंह ने क्षेत्र में विशेष पहचान बनायी है. बाना दाग कोल डंप आंदोलन में अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर चुके हैं. गत विधानसभा चुनाव में जेवीएम से चुनाव लड़कर तीसरे स्थान पर रहे थे. 7 वर्ष की उम्र में ही मुन्ना सिंह के सर से उनके पिता रामावतार सिंह का साया उठ गया था. उसके बाद काफी संघर्ष कर मुन्ना सिंह ने अपने आपको स्थापित किया. मुन्ना सिंह के छोटे भाई रविकांत सिंह उर्फ गोबिंद सिंह हजारीबाग सदर प्रखंड के उपप्रमुख हैं. मुन्ना सिंह की मां सरस्वती देवी बहेरी पंचायत की मुखिया रह चुकी है.

बड़कागांव से प्रत्याशी घोषित होते ही अंबा प्रसाद ने लिया बंजारी माता का आशीर्वाद

संवाददाता। रामगढ़

समर्थकों के बीच बड़कागांव से कांग्रेस प्रत्याशी अंबा प्रसाद.

महागठबंधन की ओर से बड़कागांव विधानसभा सीट से एक बार फिर अंबा प्रसाद को प्रत्याशी बनाये जाने से उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है. चुनाव अभियान की शुरुआत करने से पहले अंबा प्रसाद ने बंजारी माता का आशीर्वाद प्राप्त किया. इसके बाद उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में जाकर लोगों से मुलाकात की और अपने विकास कार्यों पर चर्चा की. घुटवा, घुटवा गेट नंबर दो, बरकाकाना, मतकमा चौक, बोतल मोड, सौंदा डी, सौंदा बस्ती, भुरकुंडा बाजार और चैनगडा जैसे क्षेत्रों में लोगों से मिलते हुए चुनाव में अपने लिए समर्थन की अपील की. अपने संबोधन में अंबा ने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान क्षेत्र में विकास के कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिससे बड़कागांव के लोगों को सीधा लाभ मिला है. उन्होंने जनता से अपील की कि वे इस बार भी अपने क्षेत्र के विकास और प्रगति को ध्यान में रखते हुए पुनः सेवा का अवसर प्रदान करें. मैं वादा करती हूँ कि यदि आप मुझे फिर से सेवा का मौका देते हैं, तो बड़कागांव को और भी ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए पूरी मेहनत और निष्ठा से काम करूंगी.

वृद्धजन दिवस पर वृद्धाश्रम में हुआ मेल-मिलाप कार्यक्रम

हजारीबाग। वृद्धजन दिवस पर आईसेक्ट विश्वविद्यालय के एनएसएस इकाई एवं समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों की ओर से वृद्धाश्रम में मंगलवार को मेल-मिलाप कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसका मुख्य उद्देश्य बुजुर्गों के साथ समय व्यतीत कर उनके अनुभवों से सीख हासिल करना एवं उनके प्रति समाज में जागरूकता फैलाना और उन्हें सम्मान व प्यार का अहसास कराना था. कुलपति डॉ पीके नायक ने बुजुर्गों को सम्मानपूर्वक जीवन के लिए और स्नेहपूर्ण वातावरण प्रदान करना हर नागरिक का कर्तव्य बताया. वहीं कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने बुजुर्गों के स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए कहा कि वर्तमान की परिस्थितियों के मद्देनजर बुजुर्गों के प्रति अधिक संवेदनशीलता से व्यवहार किए जाने की जरूरत है.

विडंबना आजादी के 76 वर्ष के बाद भी बिहिया तरीपर टोला में नहीं पहुंची बिजली

10 दिन में बिजली नहीं तो मतदान नहीं, ग्रामीणों ने किया ऐलान

संवाददाता। हंटरगंज/चतरा

बिजली नहीं तो वोट नहीं का नारा लगातीं बिहिया तरीपर टोला की महिलाएं.

देश की आजादी के 76 वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र की डाहा पंचायत अंतर्गत बिहिया गांव का तरीपर टोला में रह रहे सैकड़ों लोगों का जीवन आज भी वर्ष 1947 के ईद-गिर्द घूम रहा है. इसे सरकारी तंत्र की नाकामी कहें या फिर कुछ और, एक लंबा अरसा बीतने के बावजूद प्रखंड के सभी गांवों में बिजली नहीं पहुंची है. लोग अभी भी अंधेरे युग में जीवन -यापन कर रहे हैं. ग्रामीणों बिजली को लेकर इस बार वोट का बहिष्कार करने का मन बना लिया है. सभी ग्रामीण आक्रोशित होकर बस एक ही नारा लगा रहे हैं, बिजली नहीं तो वोट नहीं.

ग्रामीणों ने सुनाए हाल : ग्रामीण तारा देवी बताती है कि मेरी उम्र 60 वर्ष हो चुकी है, लेकिन अभी तक गांव में बिजली नहीं पहुंची है. चाहे गेंहू पिसवाना हो, या बच्चों का स्कूल हो, खेती किसानी की जरूरतें हो या मोबाइल को चार्ज करने जैसी जरूरत, सब दो किलोमीटर बिहिया गांव जाकर करना पड़ता है. ग्रामीण हरमू यादव का कहना है कि पिछले 75 वर्षों से अभी तक इस गांव बिजली नहीं पहुंची है. हमारे छोटे - छोटे बच्चे ढिबरी युग में जी रहे हैं. अब हम सभी को अपनी आने वाली पीढ़ियों की फिक्र सताने लगी है. बिजली आज के जमाने में सबसे बड़ी जरूरत बन गई है. राजेश शर्मा के अनुसार, बिजली नहीं होने से पेयजल और सिंचाई की सुविधाएं भी यहां नहीं हैं. इन समस्याओं का खामियाजा गांव के नौजवानों को भुगतना पड़ रहा है. क्योंकि बिजली विहीन गांव की दुर्दशा देखकर कोई भी लड़की यहां बहु बनकर नहीं आना चाहती. यहां के छात्र को भी पढ़ाई करने में दिक्कत होती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया का नारा यहां मुंह चिढ़ा रहा है. ग्रामीण सवालिया लहजे में रहते हैं कि डिजिटल इंडिया कैसे बनेगा जब गांव में बिजली ही नहीं है.

क्या कहते हैं बिजली विभाग पदाधिकारी

इस बाबत पूछे जाने पर जिला बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता पंचानन सिंह ने आश्वासन दिया कि जल्द ही इस गांव में बिजली की समस्या का निदान किया जाएगा. सभी जगह बिजली पहुंच चुकी है. कुछ टोला में नहीं पहुंची है उसका सर्वे किया जा रहा है. वोट बहिष्कार करना समस्या का समाधान नहीं है.

हम समस्त ग्रामीण यदि 10 दिनों में बिजली नहीं आएगी तो वोट बहिष्कार करेंगे. ग्रामीणों का कहना है कि बिजली नहीं तो वोट भी नहीं.

अवैध संचालित महुआ शराब भट्ठी को पुलिस ने किया ध्वस्त

मयूरहंड(चतरा)। जिले के मयूरहंड थाना क्षेत्र अंतर्गत सोकी पंचायत के अलकडीहा गांव में संचालित अवैध शराब भट्टी को थाना प्रभारी अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल के जवानों ने ध्वस्त किया. अवैध शराब भट्टी का संचालन अलकडीहा निवासी प्रताप मेहता द्वारा अपने घर के पीछे चलाया जा रहा था. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी की पुलिस की कार्रवाई के डर से संचालक नदी के किनारे छोड़ अपने आवास के आस पास संचालित करने में जुटे हैं. थाना प्रभारी अमित कुमार ने टीम गठित कर मंगलवार के अहले सुबह कार्रवाई करते हुए भट्ठी को तोड़कर करीब 25 लीटर अवैध महुवा शराब बरामद किया गया. वहीं 400 किलोग्राम तक जावा महुवा को भी नष्ट किया गया. संचालक मौके से भागने में सफल रहा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष किया गया कार्य लाभ का मौका देगा. पराक्रम में वृद्धि होगी. भाई का सहयोग प्राप्त होगा. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. लाभ में वृद्धि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. समय सुखपूर्वक व्यतीत होगा. किसी का दिल दुख सकता है.

वृष नेत्र विकार हो सकता है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. धन का आगमन होगा. मान-सम्मान मिलेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. व्यापार लाभदायक रहेगा. निवेश शुभ रहेगा. नेत्र रोग से बचें. किसी अनाथालय में अन्न का दान करें.

मिथुन दिल दिमाग में कुछ गलत भावना भी उत्पन होगी. व्यापार लाभदायक रहेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा. मानसिक बेचैनी रहेगी. सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा.

कर्क किसी दूर के मित्र से मुलाकात होगी. बेकार का खर्च अधिक होगा. यात्रा का भी मन बनेगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. समय की अनुकूलता का लाभ लें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

सिंह समय उपुक्त है. आय का साधन मिलेगा . साथ ही किसी नयी आय का मार्ग मिलेगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा. सूर्य को जल दें और गायत्री मंत्र जाप करें.

कन्या दिन बोझिल होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. विवाद को बढ़ावा न दें. बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें. किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है. मेहनत अधिक होगी. शनि को खुश करें. काली वस्तु का दान करें.

तुला दिन चिड़चिड़ापन वाला होगा. यात्रा का योग बन रहा है. भोग विलास से दूर रहें. धर्म में मन लगेगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं. चिंता तथा तनाव रहेंगे. बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें.

वृश्चिक समय सामान्य है. कार्यों में अपेक्षाकृत विलंब होगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं. परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. हनुमानजी का ध्यान पूजन करें.

धनु जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का योग है. कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. गुरु मंत्र का जाप करें.

मकर आय में वृद्धि होगी. लाभ में वृद्धि होगी. कारोबार में वृद्धि होगी. शेयर मार्केट से लाभ होगा. आपके ब्यवहार से व्यापार ठीक चलेगा. आपके प्रभाव से नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें.

कुंभ संतान को लाभ होगा. कार्य और व्यापार लाभदायक रहेगा. कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है. नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं. कार्यसिद्धि होगी. कोई अच्छा कार्य होगा, जिससे प्रसन्नता में वृद्धि होगी. मान-सम्मान मिलेगा.

मीन माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. यात्रा लाभदायक रहेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी. कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा. समय अनुकूल है. किया गया कार्य का लाभ मिलेगा. दुर्गा मंदिर में उड़हुल फूल अर्पण करें.

पंडित जी बताइ ना शुभ समय, नामांकन कब करी!

- सियासी दांव-पेंच के बीच शुभ व अशुभ दिन भी खंगाले जा रहे
- धर्मगुरु के सहारे चुनावी भवसागर को पार करने में जुटे नेताजी

अभिजीत/प्रज्वल। चतरा

जिले में लोकतंत्र का महापर्व आगामी 13 नवंबर को है. चुनाव को लेकर जारी अधिसूचना के बाद 18 अक्टूबर से नामांकन प्रक्रिया जारी है, जो 25 अक्टूबर तक चलेगी. नाम निर्देशन प्रपत्र जमा करने के पांच दिन बीत जाने के बाद भी जिले में एक भी प्रत्याशियों ने नाम निर्देशन पर प्रपत्र जमा नहीं किया है. हैरत की बात है कि चतरा विधानसभा से एक भी प्रत्याशियों के द्वारा नाम निर्देशन प्रपत्र भी नहीं खरीदा गया है.

प्रत्याशी शुभ दिन में नामांकन किए जाने को लेकर अपना समय बीता रहे हैं. कौन सा दिन अच्छा रहेगा. राहुकाल की क्या दशा रहेगी. भद्रा और पंचक तो नहीं है. किस रंग के परिधान में नामांकन करना शुभ होगा. क्या खाकर नामांकन करने से सफलता मिलेगी. इन सभी बातों को लेकर प्रत्याशी धर्म गुरुओं के दरबार में माथा टेक रहे हैं. माथा टेकना लाजमी भी है, क्योंकि उनके भाग्य का फैसला जो होना है. जब से प्रदेश में चुनाव की घोषणा हुई है, प्रत्याशियों की नींद उड़ी हुई है. प्रत्याशी किसी भी प्रकार से जीत को अपनी झोली में करने को लेकर बेताब है. मतदाताओं के समक्ष झूठी घोषणाओं को परोसा जाने लगा है. उनके समक्ष प्रलोभन का पिटारा खोल दिया गया है. शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पेयजल, सिंचाई जैसे मूलभूत सुविधाओं के स्थान पर मंईयां सम्मान योजना और गोगो दीदी योजना चुनावी मुद्दा बन गए हैं. नामांकन की तिथि जैसे-जैसे समाप्त हो रही है, भाग्य आजमाने वाले प्रत्याशियों की धड़कनें भी तेज हो गई हैं. प्रत्याशियों द्वारा उनके कुंडली में बैठे ग्रह नक्षत्र को जीत के अनुकूल बनाए जाने को लेकर धर्म गुरुओं के दरबार भी सज गए हैं.

नामांकन के लिए शुभ समय में नामांकन दाखिल कर चुनाव में जीत हासिल किए जाने को लेकर सिद्धि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग, चंद्र योग, शत्रु योग, चंद्रमा सम्मुख योग की जानकारी ली जा रही है. चुनावी भवसागर को पार करने में धर्मगुरु भी सलाह देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. सियासी दांव-पेंच के बीच शुभ व अशुभ दिन भी खंगाले जा रहे हैं. जितने मुंह उतनी बातें की जा रही हैं.

नामांकन प्रक्रिया के मात्र चार दिन शेष

नामांकन प्रक्रिया के मात्र चार दिन शेष बचे हैं. ऐसे में राजनीतिक का पारा गर्म होने लगा है. लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं. चतरा विधानसभा सीट से मात्र दो दलों लोजपा और राजद ने अपने-अपने प्रत्याशियों की घोषणा की है. इनके अलावा यहां से अब तक किसी दल ने अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है. निर्दलीय प्रत्याशी भी अब तक केवल सोचने समझने में ही मशगूल हैं. इसके इतर सिमरिया विधानसभा से भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपने-अपने प्रत्याशियों की घोषणा की है. इनके अलावा एक अन्य नामांकन पर्चा भी खरीदा गया है. यहां से भी अब तक किसी ने नामांकन पर्चा दाखिल नहीं किया है. देखना दिलचस्प होगा कि इस बार जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्र में कितने राजनीतिक योद्धा चुनावी मैदान में कसरत करते नजर आएंगे.

रांची, खूंटी, कांके, सिंदरी, धनबाद और जमशेदपुर पूर्वी है भाजपा का मजबूत किला

भाजपा की छह और झामुमो की पांच सीटों को दरकाना आसान नहीं

रवि भारती। रांची

भाजपा की छह और झाममो की पांच सीटों को दरकाना किसी भी दल के लिए आसान नहीं है. बीजेपी इस बार 68 सीटों पर चुनाव लड़ रही है. वहीं झामुमो 41 सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है. लेकिन दोनों दलों के खाते में कई ऐसी सीटें हैं, जिन पर मात देना दूसरे दलों के लिए आसान नहीं है. रांची, खूंटी, कांके, सिंदरी, धनबाद और जमशेदपुर पूर्वी ऐसी सीटें हैं, जहां भाजपा का जनाधार काफी मजबूत है. रांची सीट पर भाजपा की पकड़ काफी मजबूत है. सीपी सिंह इस सीट से लगातार छह बार जीत हासिल कर चुके हैं. हालांकि 2009 में उनका जीत का अंतर काफी कम था. उन्हें झामुमो उम्मीदवार महुआ माजी ने कड़ी टक्कर दी थी.

खूंटी सीट पर भाजपा का मजबूत जनाधार : खूंटी सीट से भाजपा ने 2005, 2009, 2014 और 2019 में जीत हासिल की. यहां बीजेपी के नीलकंठ सिंह मुंडा चुनाव जीतते आ रहे हैं.

जमुआ में भाजपा का है जनाधार : जमुआ में भाजपा का मजबूत जनाधार है. पिछले चार चुनाव में तीन बार यह सीट भाजपा के खाते में आई. 2005 में केदार हाजरा, 2009 में चंद्रिका महथा और 2014 व 2019 में केदार हाजरा ने जीत हासिल की थी.

सिंदरी में भाजपा का है अभेद्य किला: सिंदरी भी भाजपा का अभेद किला माना जाता है. 2005 में बीजेपी के राजकिशोर महतो ने जीत हासिल की थी. 2009 और 2014 में झाविमो के फूलचंद मंडल ने जीत हासिल की थी. इसके बाद झाविमो का भाजपा में विलय हो गया धा. 2019 में बीजेपी के टिकट पर इंद्रजीत महतो ने जीत हासिल की.

धनबाद में भी खिलता रहा है कमल: धनबाद में भी कमल खिलता रहा है. 2005 में बीजेपी के पीएन सिंह ने जीत हासिल की थी. 2009 में यह सीट कांग्रेस के खाते में चली गई. फिर बीजेपी ने पलटवार करते हुए 2014 और 2019 में यह सीट अपने खाते में कर ली.

जमशेदपुर पूर्वी सीट पर बीजेपी की अच्छी पकड़ : जमशेदपुर पूर्वी सीट से रघुवर दास ने लगातार 2005, 2009, 2014 में जीत दर्ज की. हालांकि 2019 के चुनाव में सरयू राय ने उन्हें मात दे ही. एक बार फिर सरयू राय बीजेपी गठबंधन में हैं. ऐसे में पार्टी को उम्मीद है कि जमशेदपुर पूर्वी सीट पर फिर से उन्हें जीत मिलेगी.

लिट्टीपाड़ा पर झामुमो की लगातार जीत: लिट्टीपाड़ा सीट पर झामुमो की काफी अच्छी पकड़ है. यहां पर साइमन मरांडी और उनके परिवार का काफी दबदबा रहा है. 2019 में यहां से दिनेश विलियम मरांडी ने जीत दर्ज की थी. 2017 के उपचुनाव में साइमन मरांडी यहां से जीते थे. 2014 में यहां से झामुमो के अनिल मुर्मू ने जीत दर्ज की थी. 2009 में यहां से साइमन मरांडी जीते थे. जबकि साल 2005 में यहां से सुशीला हांसदा ने जीत दर्ज की थी.

शिकारीपाड़ा, डुमरी, सरायकेला, बरहेट और लिट्टीपाड़ा है झामुमो का अभेद किला

कांके सीट है सबसे सुरक्षित

भाजपा के लिए कांके सीट सबसे सुरक्षित मानी जाती है. 2005 और 2009 के चुनाव में बीजेपी के रामचंद्र बैठा ने जीत हासिल की थी. 2014 में भाजपा के जीतू चरण राम ने जीत हासिल की. 2019 के चुनाव समरीलाल भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते.

डुमरी में अब तक झामुमो को कोई नहीं दे सका मात

डुमरी से जगरनाथ महतो ने 2005 से 2019 तक लगातार जीत दर्ज की. उनके निधन के बाद पार्टी ने उनकी पत्नी बेबी देवी को यहां से टिकट दिया और उन्होंने भी इस सीट पर जीत हासिल की.

सरायकेला सीट पर झामुमो का रहा दबदबा

झारखंड गठन के बाद से ही यह सीट झामुमो के खाते में रही है. झामुमो के टिकट पर चंपाई सोरेन इस सीट से लगातार जीतते आ रहे हैं. फिलहाल इस बार चंपाई सोरेन भाजपा के टिकट पर इस सीट से किस्मत आजमा रहे हैं.

झामुमो का गढ़ रहा है शिकारीपाड़ा

शिकारीपाड़ा सीट पर झामुमो को कभी भी हार का सामना नहीं करना पड़ा. इस सीट पर नलिन सोरेन लगातार जीतते रहे. नलिन यहां से साल 2000, 2005, 2009, 2014 और 2019 में विधायक रहे.

जनता के दिलों में भगवान बनने का भ्रम न पालें हेमंत सोरेन: बाबूलाल

संवाददाता। रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन पर तंज कसा है. सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि भ्रम पालना अगर आपकी आदत बन चुकी है, तो खुशी खुशी इस भ्रम को पालिए, लेकिन झारखंड की जनता के दिलों में भगवान बनने का भ्रम न पालिए. क्योंकि आदिवासी समाज के नाम पर राजनीति करने वालों ने आदिवासी जमीन पर ही कब्जा किया है, उसपर बैंक्वेट हॉल बनाने का सपना देखा है, वो भी हम झारखंडवासियों से अछूता नहीं है. इसके बाद भी जेएमएम- कांग्रेस गठबंधन सरकार को भ्रम पालना है, तो अच्छे से पालिए. बस इतना याद रहे, कि जनता जब अपने जल जंगल जमीन और रोजगार संबंधी सवाल पूछे तो भागना नहीं है. भ्रम नहीं फैलाना और अपनी नाकामी स्वीकार कर लेना.

पीएम आवास योजना का लाभ गरीबों तक नहीं पहुंचने दे रही सरकार : बाबूलाल ने कहा है कि पीएम आवास योजना का लाभ झारखंड के गरीबों तक हेमंत सरकार नहीं पहुंचने दे रही है. भाजपा ने प्रण लिया है कि झारखंड का कोई भी व्यक्ति छत विहीन नहीं रहेगा, सबको पक्का मकान उपलब्ध कराया जाएगा. झारखंड में भाजपा की सरकार बनते ही 'घर साकार योजना' के तहत कुल मिलाकर 21 लाख परिवारों को पक्का आवास दिया जाएगा. साथ ही, लोगों को मकान निर्माण के लिए भाजपा सरकार के द्वारा फ्री बालू उपलब्ध कराया जाएगा.

जनता ने मुझ पर जताया भरोसा मेरा चुनाव लड़ना तय : डॉ विजय

चक्रधरपुर। जनता ने मुझपर अपना भरोसा जताया है, इसलिए मेरा चुनाव लड़ना तय है. यह बात खरसावां के पूर्व विधायक दशरथ गागराई के भाई सह समाजसेवी डॉ विजय सिंह गागराई ने कहीं. वे मंगलवार को पोटका स्थित अपने आवास परिसर में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि जनता की मांग को देखते हुए विधानसभा चुनाव लड़ूंगा. वे 24 अक्टूबर को नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे. डॉ विजय सिंह गागराई ने कहा कि पिछले तीन सालों से जनता का सेवक बनकर कार्य कर रहा हूं. सामाजिक, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में लोगों को लाभ पहुंचाने का काम कर रहा हूं. गुरुजी शिबू सोरेन से आशीर्वाद एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर झामुमो की टिकट से लड़ने की इच्छा जतायी थी. इसके लिए सदस्यता शुल्क भी 51000 जमा किया.

5 साल में नौ वर्ष बढ़ गई कालिंदी की उम्र

शिकायत पर चुनाव आयोग ने लिया संज्ञान

जमशेदपुर। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी मंगल कालिंदी के खिलाफ झूठा और जाली हलफनामा दायर करने के मामले में भारत निर्वाचन आयोग और झारखंड राज्य चुनाव आयोग ने त्वरित संज्ञान लिया है. भाजपा नेता अंकित आनंद की शिकायत पर चुनाव आयोग ने प्रारंभिक जांच के आदेश जारी किए हैं और कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. मंगल कालिंदी ने 2019 और 2024 के विधानसभा चुनावों में अपने हलफनामे में उम्र को अलग-अलग दर्शाया है. वर्ष 2019 में उन्होंने अपनी उम्र 42 वर्ष बताई थी, जबकि 2024 के हलफनामे में उनकी उम्र 51 वर्ष बताई गई है. शिकायतकर्ता और भाजपा नेता अंकित आनंद ने इस गंभीर मामले में मंगल कालिंदी के नामांकन को तत्काल रद करने की मांग की है. उन्होंने आरोप लगाया है कि मंगल ने निर्वाचन आयोग और जनता को जानबूझकर गुमराह किया है, जो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 125 (क-ii) के अंतर्गत एक गंभीर अपराध है. अंकित आनंद ने मंगल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की भी मांग की है.

- **चुनाव आयोग की त्वरित कार्रवाई, जांच के आदेश**

अंकित आनंद द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों, जिसमें 2019 और 2024 के चुनावी हलफनामे और समाचार पत्र की कतरन शामिल हैं, को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय चुनाव आयोग और झारखंड राज्य चुनाव आयोग ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई शुरू की है.

प्रमाण पत्र के हिसाब से उम्र सही : जयंतो डे

विधायक मंगल कालिंदी के अधिवक्ता जयतो डे ने बताया कि नामांकन प्रपत्र में कोई भी बात नहीं छुपाई गई है. विधायक के मौजूदा प्रमाण पत्र में अंकित जन्म तिथि के आधार पर ही वास्तविक उम्र की जानकारी प्रपत्र में जानकारी दी गई है. पूर्व में क्या गलतियां हुई है इसकी उन्हें जानकारी नहीं हैं. इस संबंध में विधायक मंगल कालिंदी से संपर्क करने की कोशिश की गई. लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका.

संवैधानिक पद की मर्यादा तार-तार कर रहे रघुवर दास: डॉ. अजय कुमार

डॉ. अजय कुमार प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए

- एग्रिको आवास में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में बैठक करने का लगाया आरोप
- **राष्ट्रपति, चुनाव आयोग, उपायुक्त से शिकायत**

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा से कांग्रेस के प्रत्याशी डॉ. अजय कुमार ने ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास पर संवैधानिक पद की मर्यादा का उल्लंघन करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि राज्यपाल जैसे संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति राजनीतिक गतिविधियों में संलिप्त है. अपने आवास पर पार्टी नेताओं के साथ बैठकें कर रहा है तथा दिशा-निर्देश दे रहा है. डॉ. अजय कुमार मंगलवार को मीडियाकर्मियों को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी मिलने के बाद उन्होंने एवं कांग्रेस पार्टी ने इस मामले में राष्ट्रपति, भारत निर्वाचन आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी (उपायुक्त) को शिकायत दर्ज करायी. दिल्ली में कांग्रेस नेता जयराम रमेश एवं अन्य ने चुनाव आयोग एवं राष्ट्रति के यहां शिकायत की चिट्ठी भेजी है. डॉ. अजय ने दोहराया कि रघुवर दास को अगर चुनाव लड़ना है अथवा प्रचार-प्रसार करना है तो संवैधानिक पद की साख का ख्याल करते हुए इस्तीफा देकर राजनीतिक गतिविधियां करें. लेकिन जब संवैधानिक पद की गरिमा तार-तार होगी, मर्यादा का ख्याल नहीं किया जाएगा, तो इसकी शिकायत हर स्तर पर की जाएगी. यहां तक उनकी हर गतिविधि पर वे नजर रखेंगे. इसके लिए वीडियोग्राफर बहाल करेंगे. प्रेस वार्ता में कांग्रेस के नगर कार्यकारी जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सोनकर, पूर्व जिलाध्यक्ष नट्टू झा, समेत अन्य मौजूद रहे.

अंदर चतरा का कायाकल्प कर दूंगा: सुबोध पासवान

चतरा। शहर के महुआ चौक लाइन मोहल्ला में मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) की बैठक हुई. बैठक में चतरा विधानसभा क्षेत्र से सुबोध पासवान को चुनाव लड़ाने का निर्णय लिया गया. मौके पर उपस्थित सुबोध पासवान ने कहा कि मेरी प्राथमिकता शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी और सड़क के साथ भ्रष्टाचार मुक्त विकास करना है. सभी जातियों और धर्मों का सम्मान करना मेरा संस्कार है. एमआईएम का चुनाव चिन्ह मिलने के बाद मैं नामांकन दाखिल करने की तारीख की घोषणा करूंगा. उक्त बैठक जमजम मैरेज हॉल में आयोजित की गयी. इस मौके पर बड़ी संख्या में युवाओं के साथ-साथ बुजुर्ग और बुद्धिजीवी शामिल हुए. मौके पर जिंदाबाद के नारे के साथ फूल माला पहनाकर सुबोध पासवान का स्वागत किया गया. सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने राजनीतिक दलों पर मुसलमानों को धोखा देने और समय पर काम नहीं आने का गंभीर आरोप लगाया. वक्ताओं ने कहा कि अवसरवादी राजनीतिक दलों ने वोट पाने के लिए हमें भाजपा से डरा कर केवल वोट लेने के लिए इस्तेमाल किया.

जेएलकेएम की केंद्रीय कमेटी ने जिप सदस्य बसंती को बनाया प्रत्याशी

- प्रत्याशी बदलने का कमेटी से करेगी अनुशंसा
- मुखिया जंगल सिंह को दे टिकट
- जिला कमेटी ने किया विरोध

संवाददाता | चक्रधरपुर

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) की केंद्रीय कमेटी ने चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र से बंदगांव की जिला परिषद सदस्य बसंती पूर्ति को प्रत्याशी घोषित कर दिया है. हालांकि इसके बाद जेएलकेएम की पश्चिमी सिंहभूम जिला कमेटी व मुखिया संघ ने केंद्रीय कमेटी के इस निर्णय का विरोध कर दिया है.

जिला कमेटी और मुखिया संघ ने मंगलवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया. इसमें जेएलकेएम के पश्चिमी सिंहभूम जिलाध्यक्ष सह स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य करण महतो ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बंदगांव एवं चक्रधरपुर प्रखंड मुखिया संघ ने जेएलकेएम के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की थी और इसके लिए आवेदन किया था. मुखिया गांव की सरकार चलाते हैं, इसीलिए उनकी दावेदारी को तवज्जो देते हुए जेएलकेएम जिला समिति ने सर्वसम्मति से मुखिया संघ के प्रत्याशी जंगल सिंह गागराई को प्रत्याशी के रूप में समर्थन देने की घोषणा की है. जिला कमेटी द्वारा अनुमोदित आवेदन पत्र केंद्रीय कमेटी को भेजा जा रहा है. इस दौरान उन्होंने चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव और पूर्व विधायक शशि भूषण सामड व पूर्व सांसद पर भी हमला बोला. प्रत्याशी सुरबुड़ा पंचायत के मुखिया जंगल सिंह गागराई ने कहा कि मैं इस वक्त क्षेत्र के मतदाताओं के समक्ष मजबूत विकल्प के रूप में खड़ा हूं. स्वच्छ और अच्छे छवि वाले लोगों को मौका दें. प्रेसवार्ता में करम सिंह मुंडा, संजय हांसदा, श्याम मुंडा, मंटू गागराई, हरीश मुंडा, दुर्योधन महतो, रवींद्रनाथ, यर्थाथ शंकर महतो, अजय महतो, संजय महतो, आलोक प्रमाणिक, महेन्द्र महतो, अंबिका महतो, तूफान सिंह महतो, गणेश महतो आदि मौजूद थे.

जामताड़ा के तरुण को बसपा व जेएलकेएम दोनों से मिला टिकट

संवाददाता। धनबाद

अजब गजब

झारखंड में विधानसभा चुनाव में टिकट को लेकर जहां एक तरफ मारामारी चल रही है. पार्टी बदले जा रही है, गॉड फादर बदले जा रहे हैं. खींचतान चल रही है, साजिशें रची जा रही हैं. वहीं दूसरी तरफ एक अजीबोगरीब मामला जामताड़ा से सामने आया है. जामताड़ा के आजसू नेता तरुण गुप्ता ने पार्टी के केंद्रीय महासचिव के पद के साथ ही प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है. इस्तीफा देने के बाद उन्हें दो-दो पार्टियों ने अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है.

सोमवार की शाम को बहुजन समाज पार्टी की जारी सूची में तरुण गुप्ता को जामताड़ा से प्रत्याशी घोषित किया गया तो वहीं मंगलवार की सुबह जयराम महतो की पार्टी जेएलकेएम की सूची में भी उन्हें जामताड़ा का उम्मीदवार बनाया है. दो पार्टियों से टिकट मिलने के इस मामले की चर्चा राजनीतिक गलियारे में जमकर हो रही है. टिकट कटने वाले नेताओं को तरुण गुप्ता की मिसाल देकर चिढ़ाया तक जा रहा है.

बागी बोले बाहरी पर भरोसा, हमारी सुध नहीं, कुणाल सारंगी ने लगाए कई आरोप

भाजपा में उम्मीदवारों की सूची पर पार्टी में फैला असंतोष

संवाददाता। रांची

फाइल फोटो

झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज है. भाजपा ने पहले ही विधानसभा चुनावों को लेकर टिकट का ऐलान पहले कर दिया है. जिसके बाद से भाजपा में नेताओं और कार्यकर्ताओं का असंतोष भी दिखने लगा है. भाजपा की सूची को लेकर पार्टी नेताओं ने अपने समर्पित कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है. वे यह भी कह रहे हैं कि पार्टी ने अन्य दलों से भाजपा में शामिल होने वालों पर भरोसा जताया है. एक भाजपा नेता ने कहा कि हमें दुख है. अगर आप सूची देखें तो पार्टी ने अपने समर्पित कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज करते हुए, अन्य दलों से भाजपा में शामिल होने वालों पर भरोसा जताया है. अब तक घोषित 66 उम्मीदवारों में से आधे से अधिक ऐसे हैं जो अन्य दलों से आए हैं.

क्या बोले बागी नेता : कुणाल सारंगी ने कहा कि मैंने विदेश की नौकरी छोड़ दी और समाज की सेवा करने के लिए भारत आ गया. मैंने सभी महत्वपूर्ण लोगों तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन किसी ने इसकी परवाह नहीं की. यह पता लगाने की कोशिश भी नहीं की कि क्या गलत है. लोकसभा चुनाव के दौरान जमशेदपुर सीट के लिए मुझे शॉर्टलिस्ट किया था, लेकिन अब टिकट देने से इनकार कर दिया गया. बीजेपी में किसी ने भी मुझे फोन करने की जहमत नहीं उठाई. भाजपा छोड़ने को लेकर लुईस मरांडी ने कहा कि 24 साल तक भाजपा की सेवा करने के बाद उससे अलग होना दुखद है. भाजपा ने 2014 में दुमका में ऐतिहासिक जीत दर्ज की, जिसे झामुमो का गढ़ माना जाता था. अब भाजपा ने उस महिलाओं को सम्मान दिया जो बाहर से पार्टी में लाई गईं, न कि उन लोगों को जिन्होंने अपना पूरा जीवन उनके लिए समर्पित कर दिया. मरांडी ने कहा कि भाजपा चाहती थी कि मैं बरहेट से चुनाव लड़ूं, जो मेरे लिए एक नई सीट थी. मुझे मेरी सीट से वंचित कर दिया गया.

भाजपा छोड़ कर झामुमो में जा रहे नेता

सूची जारी होने के बाद भाजपा नेताओं की नाराजगी का आलम यह है कि वे दल बदल रहे हैं. कई पूर्व विधायक हाल ही में भाजपा छोड़ कर झामुमो में शामिल हो गए. बीते दिन पूर्व विधायक लुईस मरांडी, कुणाल सारंगी और लक्ष्मण टुडू सहित कई भाजपा नेता झामुमो में शामिल हो गए. वहीं, बीते सप्ताह तीन बार के बीजेपी विधायक केदार हाजरा और उसकी सहयोगी आजसू पार्टी के उमाकांत रजक भी सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए थे.

हिमंता विस्वा सरमा ने किया खारिज

हालांकि असम के मुख्यमंत्री और झारखंड विधानसभा चुनाव के सह-प्रभारी हिमंत विस्वा सरमा ने बातों को खारिज किया है. उन्होंने साफ किया है कि पार्टी के भीतर कोई बड़ा असंतोष नहीं है. उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों की सूची जारी होने के बाद पार्टी नेताओं की नाराजगी की बात स्वाभाविक है क्योंकि भाजपा एक बड़ी पार्टी है. उन्होंने यह भी कहा है कि वे जल्द ही सरमा असंतुष्ट नेताओं से मुलाकात करेंगे.

60 घंटे बाद भी खनन विभाग जांच करने नहीं पहुंची बराईबुरु

संवाददाता। किरीबुरु

वन विभाग, गुवा की सूचना के 60 घंटे बाद भी खनन विभाग, चाईबासा की टीम अवैध बालू लदे तीन हाइवा की जांच करने बराईबुरू नहीं पहुंची है. तीनों हाइवा को वन विभाग ने गुप्त सूचना मिलने पर जंगल से ले जाते समय जब्त किया था. वन विभाग जांच करने और एफआईआर करने 22 अक्टूबर की दोपहर लगभग 3 बजे तक नहीं पहुंची है. उल्लेखनीय है कि मनोहरपुर क्षेत्र से अवैध बालू की तस्करी करते बालू लदे तीन हाइवा को किरीबुरु व गुवा वन विभाग की टीम ने 20 अक्टूबर की अहले सुबह लगभग 2 बजे सैडल गेट क्षेत्र से पकड़ कर बराईबुरु चेकनाका के पास रखा है. वन विभाग ने यह कार्यवाही डीएफओ अभिरुप सिन्हा से पूर्व में मिले निर्देश के बाद की है. पकड़े गये तीनों हाइवा अवैध बालू लेकर रात के समय सारंडा की सड़कों से गुजर रहे थे. पकड़ा गया हाइवा मनोहरपुर निवासी राकेश उपाध्याय का है. इसके पास बालू संबंधित कोई चालान नहीं था. यह मनोहरपुर थाना अन्तर्गत तिरला अवैध बालू घाट से बालू लोड किया था. हाइवा (ओआर23सी- 9028) मनोहरपुर निवासी राजेश यादव उर्फ गोविंदा का है.

वार्ता : सार्थक पहल

भारत-चीन के बीच लद्दाख सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव घटाने के लिए हुआ ताजा समझौता अचानक और नाटकीय नहीं है. यह दीगर बात है कि वर्तमान भारत सरकार ने भी अपने चिर-परिचित अंदाज में इसे नाटकीय रूप से पेश करने की कोशिश की. संभवतः इसलिए कि ब्रिक्स प्लस शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से संभावित मुलाकात को लेकर देश के अंदर अपेक्षित आलोचना की गुंजाइश खत्म हो सके. वैसे विदेश सचिव विक्रम मिसरी के बयान पर ध्यान दें तो यह बात साफ हो जाती है कि घटनाक्रम में कोई नाटकीयता नहीं है. मिसरी ने कहा- 'कई हफ्तों से भारतीय और चीनी कूटनीतिक एवं सैनिक वार्ताकार एक दूसरे से निकट संपर्क में रहे हैं. इन चर्चाओं के परिणामस्वरूप भारत और चीन के बीच सीमा क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पेट्रोलिंग के बारे में समझौता हो गया है. इसके तहत आमने-सामने तैनात (दोनों देशों की) सेनाएं पीछे हटेंगी और इन क्षेत्रों में 2020 में पैदा हुए मसले हल होंगे.'. दोनों देशों के रुख में बदलाव के संकेत इस वर्ष जुलाई से मिलने लगे थे. बल्कि कहा जा सकता है कि उसकी शुरुआत अप्रैल में अमेरिकी पत्रिका न्यूजवीक को दिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इंटरव्यू से हुई थी. मोदी ने उसमें कहा था कि भारत और चीन के संबंध न सिर्फ इन दोनों देशों, बल्कि पूरी दुनिया के लिए अहम हैं. मोदी ने तब उम्मीद जताई थी कि दोनों देश आपसी रिश्ते में पैदा हुई कुछ समस्याओं को हल कर लेंगे. इसे तब भारत के रुख में आई नई नरमी का संकेत समझा गया था.चीन में प्रधानमंत्री के बयान पर सकारात्मक प्रतिक्रिया हुई. रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार अभी जिस समझौते का एलान हुआ है, उस पर रजामंदी 29 अगस्त को बीजिंग में हुई कूटनीतिक स्तर की वार्ता में ही हो गई थी. उस वार्ता में अपना रुख नरम का संकेत देते हुए चीन ने भारत के इस प्रस्ताव को मान लिया कि अरुणाचल प्रदेश की सीमा से जुड़े मसलों से पहले लद्दाख के मुद्दे हल किए जाएं. फिर चीन ने प्रस्ताव रखा कि तनाव के बचे दोनों स्थलों- देपसांग और देमचोक पर दोनों देश अपनी-अपनी सेनाओं को दो किलोमीटर पीछे हटा लें. उससे खाली हुए चार किलोमीटर इलाके में बफर जोन बनेगा, जिसमें दोनों देशों की सेनाएं पेट्रोलिंग कर सकेंगी. भारत की मांग रही है कि चीन ने अप्रैल 2020 के बाद से पूरे एलएसी पर सेना की जो असामान्य तैनाती चीन ने कर रखी है, उसे वह वापस ले. उसके बाद दोनों देश संबंध सुधार की तरफ बढ़ें, जबकि फिलहाल समझौता यह हुआ है कि देपसांग और देमचोक में भारतीय बल उस बिंदु तक पेट्रोलिंग कर सकेंगे, जहां तक वे 2020 के पहले तक जाते थे. दरअसल, इस पेट्रोलिंग के साथ कुछ शर्तें भी जुड़ी होंगी. इनमें एक यह भी है कि दोनों देश जब वहां पेट्रोलिंग के लिए जाएंगे, तो उसके पहले एक दूसरे को सूचित करेंगे. संभवतः एक शर्त यह भी है कि दोनों देश 15 दिन में सिर्फ दो बार वहां पेट्रोलिंग कर पाएंगे. स्पष्टतः यह 2020 के पहले की स्थिति का बहाल होना नहीं है.

> जहां तक वे 2020 के पहले तक जाते थे. दरअसल, इस पेट्रोलिंग के साथ कुछ शर्तें भी जुड़ी होंगी. इनमें एक यह भी है कि दोनों देश जब वहां पेट्रोलिंग के लिए जाएंगे, तो उसके पहले एक दूसरे को सूचित करेंगे.

सुभाषित

नात्यन्त गुणवत् किंचित् न चाप्यत्यन्तनिर्गुणम्।
उभयं सर्वकार्येषु दृष्यते साध्वसाधु वा।।

ऐसा कोई भी कार्य नहीं है जो सर्वथा अच्छा है. इसी प्रकार ऐसा कोई भी कार्य नहीं जो सर्वथा बुरा है. अच्छे और बुरे गुण हर एक कार्य में होते ही हैं. इसलिए किसी कार्य को करने से पहले उसके गुण और दोषों की परख कर ली जानी चाहिए.

परिवर्तन की रस्साकशी जारी

वर्तमान की बेचैनी से निकलकर कुछ भिन्न, पीछे रह गये और आंतरिक शक्ति की तलाश जरूरी है. चुनाव में जीत-हार अपनी जगह लेकिन लोकतंत्र के चाल-चरित-चेहरा में हो रहे बदलाव से 'मुंह चुराना' बहुत महंगा पड़ सकता है. आजादी की प्राप्ति के बाद से ही कम-से-कम दो रास्तों का विकल्प 'हम भारत के लोगों' के सामने रहा है. एक अतीत की तरफ जाने की कोशिश की जानी चाहिए.

• देश-काल

प्रफुल्ल कोलख्यान

अभी महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के लिए होनेवाले चुनाव की गहमागहमी है. हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणाम ने सबको चौंका दिया है. चुनाव में राजनीतिक दलों की जीत-हार होती रहती है. कई बार परिणाम सारे अनुमान के विपरीत भी निकलते हैं. लेकिन इस बार ऐसा जरूर कुछ है कि परिणाम पर नजर रखनेवाले लोग परिणाम को संदेहास्पद मानने में कोई संकोच नहीं कर रहे हैं. कांग्रेस कि शिकायत अपनी जगह बनी हुई है. इसके अलावा भी देश-विदेश में राजनीति और सुरक्षा के क्षेत्र में लोगों की चिंता बढ़ी हुई है. महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव परिणाम आ जाने के बाद नई तरह की हलचल शुरू हो जायेगी. इधर भारत की राजनीति में नीतिगत ही नहीं कुछ संरचनागत परिवर्तन भी आशंकित हैं. नागरिक समाज के लिए जरूरी है कि वह इन सब पर सजग नजर बनाये रखे.

'ऐसा होना चाहिए' कहना शायद थोड़ा आसान होगा, लेकिन कहना जरूरी है कि 'ऐसा है'. ऐसा है कहने पर उन लोगों के साथ संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिन्होंने ऐसी उत्पन्न की है या जो इस स्थिति को बनाये रखना चाहते हैं. यथा-स्थिति और यथा-गति बनाये रखनेवाले अपने मनमानेपन की 'सुरक्षा परिधि' से बाहर निकलकर किसी वैचारिक द्वंद्व में पड़ने का 'अकारण' जोखिम नहीं उठाना नहीं चाहते हैं.

ऐसे उदाहरण कम नहीं हैं, जो बताते हैं कि सभ्यता में सबसे ज्यादा जोखिम तो 'सुरक्षा परिधि' में ही पलता है. ऐसी मनःस्थिति व्यक्ति की हो तो अधिक चिंता की बात नहीं होती है, लेकिन इस मनःस्थिति के सार्वजनिक और सामाजिक बन जाने पर सभ्यता में दर्ज 'बहु-जन-हिताय' का मर्म पठनीय नहीं रह जाता है.

स्थाई बहुमत बनानेवाले या अपने को स्थाई बहुमत का हिस्सा होने के मनोभाव के कारण भी अधिकतर लोग 'सुरक्षा परिधि' में बने रहकर यथा-गति और यथा-रीति को स्वीकार लेते हैं, वे यथास्थितिवाद की जड़ता में पड़े रहते हैं और परिवर्तन के हर प्रयास का अवरोधक बन जाते हैं. न तो सुविधाजनक लगनेवाली किसी स्थिति में कोई वास्तविक सुरक्षा रहती है और न हर परिवर्तन का परिणाम शुभ लेकर आता है.

यथास्थिति और परिवर्तन में एक तरह की रस्साकशी हमेशा चलती रहती है. परिवर्तन प्रकृति की बुनियादी प्रवृत्ति है और यथास्थिति परिवर्तन की प्रक्रिया का स्वाभाविक ठहराव. पानी और सभ्यता दोनों को उन में होनेवाले परिवर्तन की गति से पवित्रता और सार्थकता हासिल होती है. आजादी के आंदोलन के बाद भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में नई दिशा का संकेत अब साफ-साफ दिखता है.

वर्तमान की बेचैनी से निकलकर कुछ भिन्न, पीछे रह गये और आंतरिक शक्ति की तलाश जरूरी है. चुनाव में जीत-हार अपनी जगह, लेकिन लोकतंत्र के चाल-चरित-चेहरा में हो रहे बदलाव से 'मुंह चुराना' बहुत महंगा पड़ सकता है. आजादी की प्राप्ति के बाद से ही कम-से-कम दो रास्तों का विकल्प 'हम भारत के लोगों' के सामने रहा है. एक अतीत की तरफ जाने की कोशिश की जानी चाहिए. दूसरा रास्ता यह हो सकता है कि भविष्य की तरफ जाने की कोशिश की जानी चाहिए. उस समय भविष्य की तरफ बढ़ने के विकल्प को हमारे पुरखों ने अपनाया. आज फिर से उस समय न अपनाये दूसरे विकल्प को जिंदा कर दिया गया है. अभी की वस्तुस्थिति यह है कि पहले अपनाये गये विकल्प की भविष्योन्मुखी दिशा पूरी तरह बदली नहीं है और अतीतोन्मुखी दिशा ठीक से पकड़ी नहीं जा सकी है. इन दोनों में घमासान जारी है. बेचैनी दोनों में भरपूर है.

दोनों ही स्थिति में बेचैनी से बाहर निकलने के लिए यथास्थिति को तोड़ना ही होगा. यहां वर्तमान के आंगन में अतीत और अन-अतीत के द्वंद्व से उत्पन्न कोलाहल और कलह परेशान करता है और यथा-स्थिति को लगभग अकाट्य बना देता है. ऐसी ही स्थिति में सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता और राजनीतिक साहस की जरूरत होती है. इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अतीत में भारत की बहुत बड़ी जन-संख्या को उत्पीड़ित करनेवाले सामाजिक अन्याय की सांस्कृतिक और राजनीतिक संरचना व्यवस्था का हिस्सा रही है.

आज की संवैधानिक प्रगति के बाद ऐसी किसी संरचना या ढांचा की तरफ देखना भी गुनाह है, जिसमें सामाजिक अन्याय के किसी भी रूप और तत्व की थोड़ी-सी भी आशंका हो. ऐसे में अतीत की तरफ थोड़ी-बहुत ताक-झांक तो की जा सकती है, लेकिन उस तरफ एक भी कदम बढ़ाना काफी खतरनाक हो सकता है. इतना खतरनाक कि उधर की ओर एक कदम बढ़ाते ही वर्चस्वशालियों का आकर्षक अतीत कम-से-कम सौ कदम अपनी ओर खींच ले सकता है.

लोक-परलोक की काल्पनिक यात्रा कराते हुए लोकतंत्र के भंवर में डाल दे सकती है. अतीत में संस्कृति के बुझे हुए तारों का सांस्कृतिक ब्लैक-होल इतना शक्तिशाली है कि उसका मुकाबला करना बहुत ही मुश्किल है. न्यायपूर्ण सामाजिक संरचना और राजनीतिक ढांचा के लिए संघर्षशील कई साथियों को उस ब्लैक-होल में समाते हुए हमने देखा है. नाम! नाम क्या लेना!

रही भविष्य की तरफ बढ़ने की बात तो उसमें भी अवमूल्यित हो चुके पुराने मूल्यों, खंडित मर्यादाओं, समाज-विरोधी सामाजिक रीति-रिवाजों और प्रचलन से बाहर हो चुकी प्रथाओं की जकड़न से भी छुटकारा मुश्किल ही होता है. कहते हैं कि मानव शरीर के कई प्रयोजनहीन अंदरूनी अंग आज भी मानव शरीर में प्राकृतिक रूप से बने हुए हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

हमारी प्रकृति और संस्कृति

हमारी प्रकृति और संस्कृति परस्पर पूरक हैं, परस्पर निर्भरता ही इनका जीवन सूत्र है. हम उनके साथ रिश्तों के सरोकार से विलग नहीं रह सकते, हालांकि बदलते दौर में यह ऊष्मा लगातार कम हो रही है. भारतीय जीवन में पेड़-पौधे, नदी-पहाड़, जीव-जंतु, ग्रह-नक्षत्रों को ईश्वर के रूप में स्वीकार किया गया. भारतीय जीवन में प्रकृति, पशु-पक्षी, रीति-रिवाज, जीवन-मृत्यु, पर्व-त्योहार और नाते रिश्तों से हमारा विविध रूप रंग-रस व गंध का सरोकार रहता है. हमारी प्रकृति और संस्कृति परस्पर पूरक हैं, परस्पर निर्भरता ही इनका जीवन सूत्र है. हम उनके साथ रिश्तों के सरोकार से विलग नहीं रह सकते, हालांकि बदलते दौर में यह ऊष्मा लगातार कम हो रही है. भारतीय जीवन में पेड़-पौधे, नदी-पहाड़, जीव-जंतु, ग्रह-नक्षत्रों को ईश्वर के रूप में स्वीकार किया गया. यह प्रकृति के साथ अपनापन का नाता है कि हम कहते हैं- धरतीमाता, गौमाता, तुलसीमाता, गंगामाता, वनदेवी, कुलदेवी. हम पीपल को पूजते है, सांपों को दूध पिलाते हैं, चिड़ियां को पानी पिलाते हैं और चींटियों को चीनी. यह पूज्य भाव ही हमें शोषण करने से रोकता है. इनसे जब सामाजिक जीवन में निकटता के भाव से मन नहीं भरा, तो अनंत दूर के ग्रह-नक्षत्रों को रिश्तेदार बना लिया गया. यह भारतीय जीवन का स्वभाव रहा है. विराटता के साथ सहचार्य की सीख बच्चों को मां से ही मिल जाती है. बच्चा खाना नहीं खाता, तो मां कहती है- खाना खा लो, चंदा मामा मिट्ठाई लेकर आयेंगे. कई पीढ़ियां बीत गयी, लेकिन हर पीढ़ियों के लिए चांद उसका मामा ही होता है. बरगद उसका बाबा, तुलसी उसकी माता, आकाश पिता और तारे उसके रिश्तेदार होते हैं. आज भी भारत एक राष्ट्र है, तो राजनीतिक व्यवस्था के कारण नहीं. भारतीय मानस ने सदैव से ही भारतवर्ष एवं इसके कण-कण को राष्ट्रीय रूप से स्वीकार किया है. आम भारतीय जब भी छुट्टियां में जाते हैं, तो वे तीर्थ स्थानों की यात्रा करना चाहते हैं. वे बाह्य प्रकृति में जाते हैं, परंतु उनके लिए प्रकृति के हर स्थान की अपनी एक पवित्रता होती है. वे अपने सोच में धार्मिक रूप से इतने उन्मुख होते है कि लगभग हर पर्वत चोटी, यदि वह एक मंदिर के लिए अत्यधिक ऊंची है, किसी न किसी देवता (यानी परमात्मा के किसी न किसी गुण का प्रतिनिधित्व करता है) से जुड़ी होती है. प्रत्येक नदियां, दो नदियों का संगम, या कोई भी स्थान जहां कोई विशेष आकार हो- जैसे एक झरना या एक गुफा या कोई पेड़ जो कि विशेष आकार का हो-वह भारत में अध्यात्म का एक केंद्र बिंदु बन जाता है तथा वह उन्हें ईश्वर के अनगनित पहलुओं में से एक की याद दिलाती है.

आपदा या कमाई का अवसर?

• सामयिकी

अरविंद मोहन

दिल्ली में प्रदूषण वाले मौसम की शुरुआत से पहले उसकी रोकथाम के नाम पर ऐसा ही हो रहा है. ऐसा हर साल होता है और स्वास्थ्य के नुकसान के साथ ही काफी सारे धन की बर्बादी को जान समझ लेने के बाद भी कहा जा सकता है कि कुछ मामलों में हल्का फर्क आया है. पराली अर्थात धान के खेत में छोड़ी डंडियों या पुआल को वहीं जला देने से फैलने वाले धुंए की मात्रा और सघनता में कमी आई है. और कई कदम भी उठाने का प्रयास हुआ है. ऐसा सारे कदमों के लिए नहीं कह सकते पर बेतहाशा बढ़ती गाड़ियों से निकलने वाले धुंए को भी नुकसानदेह गिनना ऐसा ही कदम है जो कैंसर से लेकर न जाने कितनी बीमारियों का कारण माना जाता है.

पर इसके साथ ही यह भी हुआ है कि आपदा में अवसर ढूंढने वाले भी आ गए हैं. मुश्किल यह है कि ऐसा सिर्फ कमाई के काम में लगे चंद लोग नहीं हैं, खुद सरकार उनकी सेवा में लगी दिखती है. और वह ग़लती करने वालों को पकड़ने या सजा देने की जगह अपने नागरिकों को सजा देने, वसूली करने और उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने की छूट दे रही है. जो लोग प्रदूषण रोकने के मानकों पर खरा उतरने वाले वाहन नहीं बना रहे हैं सरकार उनके वाहनों की बिक्री बढ़वाने का जिम्मा लेकर काम करती लग रही है. और यह करते हुए उसका खजाना भी भर रहा है. और जिन नागरिकों की जेब कट रही है या जिनको प्रदूषण की मार झेलनी होती है उनको ही दोबारा वहाँ खरीदने का बोझ उठाना पड़ रहा है, क्योंकि सरकार ने सार्वजनिक परिवहन का नाश होने दिया है.

अकेले दिल्ली में पंजीकृत वाहनों की संख्या में 2021-22 में सीधे 35.4 फीसदी कमी हो गई है. 2020-21 में दिल्ली में 1.2 करोड़ पंजीकृत वाहन थे, जो 2021-22 में 79.2 लाख रह गए. दिल्ली सरकार ने 48,77,646 वाहनों का पंजीयन समाप्त किया था और बड़े पैमाने पर पुराने वाहनों की धर-पकड़ से यह 'सफलता' मिली थी. पर ये सारे वाहन किसी न किसी के उपयोग में थे, जीवन चला रहे थे, उनकी शान थे. यह और बात है कि हमको-आपको चूं की आवाज भी सुनाई नहीं दी.

और अब फिर सरकार ने फिर से कबाड़ घोषित वाहनों, अर्थात दस साल पुराने डीजल वाहन और पंद्रह साल पुराने पेट्रोल वाहनों की धर-पकड़ तेज करने का फ़ैसला किया है. दिल्ली में 60 लाख ऐसे वाहन हैं और उनका पंजीकरण रद्द कर दिया गया है. सार्वजनिक जगहों पर उनकी पार्किंग भी गैरकानूनी है, उनको चलाना तो अपराध है ही. और दिल्ली सरकार की मुखिया आतिशी सिंह को यहां के लेफ्टिनेंट गवर्नर वी के सक्सेना के आदेश को आगे बढ़ाने में कोई आपत्ति नहीं हुई. सक्सेना साहब इस काम को मिशन भाव से कर रहे हैं.

> जिन गाड़ियों का पंजीकरण निरस्त हुआ है, उनमें बहुत ऐसी भी हैं, जिनको ज्यादा अवधि का लाइसेंस इन्हीं सरकारों ने दिया और जिनसे ज्यादा अवधि का रोड टैक्स वसूला जा चुका है. सुनते हैं कि इस आदेश के खिलाफ कुछ लोग अदालत गए थे, पर उनके मुक़दमे का क्या हुआ यह ख़बर कहीं से नहीं आई है. दूसरी ओर हर कहीं पुराने वाहनों की धर-पकड़ हो रही है.

न तो प्रदूषण चेक करके देखने की ज़रूरत मानी गई और न ही ऐसे वाहनों को देहात या कम प्रदूषण वाले इलाक़ों में भेजने का या सस्ते निर्यात का विकल्प सोचा गया. सीधे दामिल फांसी. जिन गाड़ियों का पंजीकरण निरस्त हुआ है उनमें बहुत ऐसी भी हैं जिनको ज्यादा अवधि का लाइसेंस इन्हीं सरकारों ने दिया और जिनसे ज्यादा अवधि का रोड टैक्स वसूला जा चुका है. सुनते हैं कि इस आदेश के खिलाफ कुछ लोग अदालत गए थे पर उनके मुक़दमे का क्या हुआ यह ख़बर कहीं से नहीं आई है.

दूसरी ओर हर कहीं पुराने वाहनों की धर-पकड़ हो रही है. सिपाहियों को सिर्फ निर्देश नहीं है, संभवतः कुछ बोनस भी दिया जा रहा है. कमीशन फार एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने सुप्रीम कोर्ट में शिकायत की है कि दिल्ली में 5928675 ऐसी गाड़ियां हैं लेकिन सिर्फ कुछ हजार गाड़ियां ही पकड़ी गई हैं. लाट साहब सक्सेना जी अलग लगे पड़े हैं. सो देखते जाइए कि इस बार के धुंध और प्रदूषण के मौसम में कितनी गाड़ियां कुर्बान होती हैं. जाहिर तौर पर इन सबके पीछे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 2020-21 के बजट में निजी वाहनों और व्यावसायिक वाहनों को जोड़कर क़रीब अस्सी लाख गाड़ियों को 'स्क्रैप' करने की बात ही है. तब भी कहीं से कोई आवाज़ नहीं आई थी.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कसौटी पर एक राष्ट्र एक चुनाव

• विमर्श

शशि थरूर

भारतीय लोकतंत्र की गरिमा बचाने वाला एक अनुग्रह है- हालांकि कुछ लोगों के लिए यह भारत की सबसे अधिक परेशान करने वाली खामियों में एक होगा कि व्यावहारिक रूप से यहां सदा कोई न कोई चुनाव चलता रहता है. इसलिए, पिछले आम चुनाव की गूंज जैसे ही खत्म हुई, जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पद पर तो बनाए रखा, लेकिन बहुमत के बिना और गठबंधन सरकार के नेतृत्व के साथ जल्द ही हरियाणा राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ. जिसके पिछले सप्ताह घोषित परिणामों ने राजनेताओं और चुनाव विशेषज्ञों, दोनों को चौंका दिया. हरियाणा में मोदी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अप्रत्याशित जीत हासिल की, जहां पर उसकी हार की उम्मीद बताई जा रही थी. वहीं जम्मू-कश्मीर में विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने अपने क्षेत्रीय सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर जीत पाई, जबकि वहां पर चुनावों में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की गई थी. जून के लोकसभा चुनाव में भी चुनाव पंडितों के कयास गलत निकले थे. उन्होंने भाजपा की तगड़ी जीत का अनुमान लगाया था. निश्चित रूप से भारत के मतदाता का अंदाज़ा पहले से नहीं लगाया जा सकता. अपेक्षाओं को धता बताने के और अधिक मौके भारतीय मतदाताओं को शीघ्र ही मिलने जा रहे हैं. साल खत्म होने से पहले और दो राज्यों -महाराष्ट्र और झारखंड – में चुनाव होने जा रहे हैं. उनके बाद नंबर दिल्ली का होगा, जिसके संकटग्रस्त मुख्यमंत्री ने हाल ही में इस्तीफा देकर समय से पहले चुनाव कराने की मांग की है (जो वैसे भी अगले मार्च तक होने हैं). दूसरे शब्दों में, चुनाव एक साथ होने के बजाय – भारत के 28 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों में से हर कोई अपनी सरकारें चुनता है. भारत का यह चुनावी पंचांग अब बदलने की बात हो रही है.

मोदी सरकार के लिए, यह सारी चुनाव से संबंधित अनिश्चितता बहुत दूर निकल चुकी है. वह चाहते हैं कि भारत एक निश्चित चुनावी कार्यक्रम स्थापित करे, जिसके अंतर्गत लोकसभा (संसद का निचला सदन), राज्यों की विधानसभाओं और स्थानीय निकायों, सभी के लिए हर पांच साल में एक ही तारीख को मतदान हो. पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च-स्तरीय समिति ने हाल ही में इस दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए एक बृहद रिपोर्ट तैयार की, जिसे पीएम मोदी ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का नाम दिया है.

> पीएम मोदी और उनके गृह मंत्री अमित शाह अपने दस वर्षीय कार्यकाल के दौरान अंतहीन चुनावी अभियान में व्यस्त रहे, जिससे कि उनके अपने आधिकारिक कर्तव्यों के लिए बहुत कम समय बचा. प्रधानमंत्री मोदी की दलील है कि बार-बार चुनाव कराने से पैसा और समय दोनों बर्बाद होते हैं.

चुनावों की बारम्बारता वास्तव में किसी राष्ट्रीय सरकार के लिए एक चुनौती है. मसलन, जहां राज्य व स्थानीय चुनावों में अधिकांशतः स्थानीय मुद्दे प्रभावी होते हैं और अक्सर इन्हें राष्ट्रीय सरकार पर एक प्रकार के जनमत संग्रह के रूप में देखा जाता है. दूसरी ओर, स्वतंत्र चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता के कारण चुनाव के दौरान शासन व्यवस्था ठप हो जाती है, ताकि कार्यकारी सरकार ऐसी नीतिगत घोषणाएं न करने पाए, जिससे कि मतदाता उनके पक्ष में मतदान करने के लिए प्रभावित हो. इसके अलावा, राष्ट्रीय नेता चुनाव वाले राज्यों में प्रचार करने में व्यस्त हो जाते हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना राजनीतिक इतिहास होता है और अक्सर, उनकी अपनी पार्टियां भी. पीएम मोदी और उनके गृह मंत्री अमित शाह अपने दस वर्षीय कार्यकाल के दौरान अंतहीन चुनावी अभियान में व्यस्त रहे, जिससे कि उनके अपने आधिकारिक कर्तव्यों के लिए बहुत कम समय बचा. प्रधानमंत्री मोदी की दलील है कि बार-बार चुनाव कराने से पैसा और समय दोनों बर्बाद होते हैं. हो सकता है उन्हें यह विचार भी आया होगा कि एक साथ चुनाव करवाने पर राष्ट्रीय पार्टियों और मुद्दों का फायदा राज्य चुनावों में मिल सकता है, ताकि राष्ट्र व्यापी चुनाव प्रचार में स्थानीय नेताओं और समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की संभावना कम ही रहे.

विपक्ष इस प्रस्तावित सुधार को खारिज करता है, यह इंगित करते हुए कि सभी चुनाव एक साथ करवाने पर खर्च में जो भी मामूली बचत हो पाएगी, उसके बरक्स,चुनाव अभियानों में जिस प्रकार बड़े पैमाने पर पैसा लगाए जाने से आर्थिकी को प्रोत्साहन मिलता है, उससे वंचित होने का नुकसान होगा.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मीडिया में अन्यत्र

नई समस्याओं से बचने में मदद मिलेगी

नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए को बरकरार रखकर सुप्रीम कोर्ट ने असम में विदेशियों की नागरिकता और पहचान का निर्धारण करने वाली मौजूदा कानूनी व्यवस्था को संरक्षित करने में मदद की है. नागरिकता अधिनियम में धारा 6ए का प्रावधान असम समझौते की मुख्य विशेषता को प्रभावी बनाने के मकसद से 1985 में किया गया था. इस प्रावधान को रद्द करके विदेशियों की नागरिकता और पहचान का निर्धारण करने से संबंधित वैधानिक प्रावधानों और नियमों में निर्धारित प्रक्रिया को उलटने का अवांछनीय नतीजा होता. अपने 4:1 के फैसले में, अदालत ने ऐतिहासिक घटनाक्रमों के आलोक में इस प्रावधान को सही ढंग से देखा है. धारा 6ए ने जहां एक तरफ 1 जनवरी, 1966 से पहले तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के इलाकों से असम में प्रवेश करने वाले सभी लोगों को मान्य नागरिकता प्रदान की, वहीं दूसरी तरफ उस दिन से 25 मार्च, 1971 तक आने वाले लोगों के लिए पंजीकरण की एक प्रणाली बनाई. दरअसल, 25 मार्च, 1971 वह दिन है, जब पाकिस्तान ने बंगाली राष्ट्रवादी आंदोलन को दबाने के लिए एक सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सर्चलाइट'शुरू किया था. बाद वाली श्रेणी के लोगों को आम तौर पर असम में रहना था और नागरिक के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन करने से पहले उन्हें एक न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित किया जाना था. हालांकि, वे पहचान किए जाने की तारीख से 10 साल तक मतदाता सूची में शामिल होने के लिए अयोग्य होंगे. जैसा कि मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने अपनी सहमति व्यक्त करते हुए कहा, धारा 6ए का मकसद असम में आप्रवासी आबादी के प्रति मानवीय दृष्टिकोण अपनाने और बड़े पैमाने पर आप्रवासन के चलते असम के लोगों के सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक अधिकारों का नुकसान न होने देना सुनिश्चित करने के दरमियान एक बीच का रास्ता तलाशना था. न्यायाधीशों के बहुमत ने इस धारणा को खारिज कर दिया है कि यह प्रावधान इस आधार पर असंवैधानिक है कि यह असम को देश के बाकी हिस्सों से अलग मानता है. उन्होंने कहा है कि संविधान में नागरिकता के प्रावधानों को 'संविधान के प्रारंभ होने के समय नागरिकता' के रूप में संदर्भित किया गया है और संसद को एक अलग तिथि से अलग श्रेणी के लोगों की नागरिकता के संबंध में प्रावधान पेश करने की शक्ति से वंचित नहीं किया गया है. अपनी मुख्य राय में, अपने और दो अन्य न्यायाधीशों की ओर से बोलते हुए, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने याचिकाकर्ताओं की "जनसांख्यिकी संबंधी चिंता" को तो स्वीकार किया है, लेकिन यह नहीं माना कि संविधान में निहित भाईचारे के विचार को महज जनसांख्यिकी में बदलाव से खतरा है.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

टिकट/विकट/निकट

टिकट का खेल बड़ा विकट होता है, जिसमें निकट से निकट व्यक्ति भी बहुत दूर हो जाता है. इस खेल में कब किसका टिकट कट जाएगा, कहना मुश्किल है. इन वाक्यों में हमें तीन शब्दों से पाला पड़ रहा है-टिकट, विकट और निकट. तीनों तुकांत हैं और इनका एक साथ प्रयोग भी चतुर कविगण कर सकते हैं. ऐसा भी नहीं कि ये अनजान शब्द हैं. ये हमारे रोजमर्रा की जिंदगी में बराबर प्रयोग में आते रहते हैं. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार टिकट शब्द अंग्रेजी मूल का है और हिंदी भाषा का अभिन्न अंग बन चुका है. इसका मतलब है सिनेमा, खेलकूद आदि मनोरंजन के साधनों के उपभोग या रेल, बस आदि किसी सेवा या सुविधा के उपयोग के लिए उपयुक्त मूल्य चुका कर प्राप्त किया हुआ अधिकार पत्र, जो कागज, गत्ते, प्लास्टिक आदि के एक छोटे टुकड़े या पर्ची के रूप में होता है. डाक सेवा लेने के महसूल के रूप में पत्रों या लिफाफों पर चिपकाया जानेवाला स्टैंप, चुनाव लड़ने के लिए किसी राजनीतिक दल द्वारा अपने सदस्यों को दिया गया अधिकार पत्र, लॉटरी में धन निवेश के प्रमाण स्वरूप मिला नंबर वाला पर्चा. इससे बना मुहावरा है टिकट कटना, जिसका मतलब होता है निकाल दिया जाना. दूसरा शब्द विकट है. इसपर चर्चा से पूर्व हनुमान चालीसा की इस चौपाई पर ध्यान देते हैं-सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा, विकट रूप धरि लंक जरावा. यानी हनुमान जी ने छोटा रूप बना कर सीता को दिखाया था और विकट रूप धारण कर लंका को जलाया था. रेख्ता उर्दू-हिंदी शब्दकोश के अनुसार विशेषण के रूप में इसका अर्थ है बहुत बड़ा, विशाल, कठिन, मुश्किल, भीषण, भयंकर, दुर्गम, टेढ़ा, घमंड से भरा हुआ. वहीं संज्ञा पुल्लिंग के रूप में इसका मतलब है भगवान गणेश, धृतराष्ट्र के एक पुत्र का नाम, विस्फोटक, फोड़ा, चंदन, सोमलता. निकट संस्कृत मूल का अव्यय शब्द है, जिसका मतलब है नजदीक, पास, जो दूर का न हो, नजदीकी.

मिले सुर मेरा तुम्हारा तो ......!

• तीर-तुक्का

रेखा शाह आरबी

आजकल मेरा सुर बहुत ही बिगड़ा हुआ है, पहले मैं गाती थी.. मिले सुर मेरा तुम्हारा तो सुर बने हमारा, आजकल गाती हूं.. मिले सुर मेरा तुम्हारा तो कुर्सी बने हमारी. इसके अलावा शांति से जीने के लिए मेरे पास दूसरा कोई विकल्प नहीं है. आजकल शाम के समय रोज एक बार पतिदेव से जम कर तकरार हो जा रही है. आप इसका कुछ अन्यथा मतलब न लगाइए. पतिदेव प्यारे इंसान हैं, केयरिंग है, पर वह कहते हैं न.. व्यक्ति या तो आस्तिक होता है या तो खूब नास्तिक होता है. इसी तरह आप किसी पार्टी के पक्ष में होते हैं या उसके विपक्ष में होते हैं. समस्या यह है कि पतिदेव देश उजाड़ू नेता के पक्ष में हैं और मैं उसके विपक्षी घरफोड़ पार्टी के नेता पक्ष में. पतिदेव अपने देश उजाड़ू पार्टी का गुणगान करते रहते हैं और मैं अपनी घरफोड़ विपक्षी पार्टी का गुणगान करती हूं. अतः हमारा झगड़ा पारिवारिक न होकर राजनैतिक है. यह पक्ष-विपक्ष वाला फैक्ट ही विवाद का मुख्य मुद्दा है. पतिदेव अपनी पार्टी के पक्ष में गंभीर से गंभीर तर्क देते रहते हैं और मैं उनके विपक्षियों के पक्ष में तर्क देती रहती हूं. जिस बात पर मैं अपनी पार्टी के पक्ष में ताली बजाती हूं, वह उसमें पल भर में पलीता लगा देते हैं. बिल्कुल उसी प्रकार जैसे भले ही कोई बात जनता के भले के लिए हो, लेकिन पक्ष और विपक्ष के सांसद अपनी सुविधा अनुसार उन बातों ऐसी की तैसी कर देते हैं. घर में हम दोनों के भी समर्थक हैं, जो अपने फायदे के अनुसार पार्टी बदलते रहते हैं. यानी हमारे समर्थक हमारे बच्चे हैं, जो अपना समर्थन देने के नाम पर रोज नए-नए डिश की नई-नई फरमाइश करते हैं. बिल्कुल दल बदलू नेताओं के जैसे रोज एक नई मांग और हम दोनों को भी अपना समर्थन बचाए रखने के लिए उनकी मांगें माननी पड़ती हैं पार्टियों के जैसे. हम दोनों ही इनकी मांगों से तंग आ चुके हैं. चुनाव का सीजन आया और हम दोनों की अपनी-अपनी पार्टियों को लेकर आपसी तकरार आपस में बढ़ती जा रही है. समझ में नहीं आ रहा है इसका अंत कहां होगा. तब तक चमत्कार हुआ रात दिन एक दूसरे को कोसने वाली और एक दूसरे को बुरा भला कहने वाली दोनों ही पार्टियां एक शाम पता चला सरकार बनाने के लिए दोनों पक्ष और विपक्षी दोनों नेताओ ने गठबंधन कर लिया. हम दोनों के जिस विवाद का कोई अंत नहीं नजर आ रहा था, एक झटके में समाप्त हो गई. भला हो ऐसी राजनीतिक पार्टियों और नेताओं का, जो जनता का दर्द भले ना समझें, अपने समर्थकों का दर्द खूब समझती हैं.

Her Story

कोना-कोना जगमग

मां लक्ष्मी के आगमन के लिए उत्साहित और प्रतीक्षरत हैं हम. दीवाली की तैयारियां कई चरणों में होती हैं. इन दिनों जो महिलाओं की चिंता का सबसे बड़ा मसला है, वह है साफ-सफाई. जी हां, घरों में साफ-सफाई का काम जोरों पर है. घर के दरो-दीवार, घर का हर कोना साफ-सुथरा और जगमग रहे, इसके लिए हम महिलाएं कोई कसर कहां छोड़ना चाहतीं. आइए, आज हम कुछ खास क्लीनिंग टिप्स से जानें. कुछ महिलाओं ने भी अपने स्पेशल वाले क्लीनिंग टिप्स साझा किए हैं जो दीवाली की तैयारी के इस चरण में हमारे लिए मददगार हो सकती हैं-

शुरुआत इनकी डस्टिंग और सफाई से

- सफाई की शुरुआत डस्टिंग से बेहतर रहेगी. कॉकरी केबिनेट, सेंटर टेबल, शोकेस , साइड टेबल आदि पर रखें शोपीस, फोटो फ्रेम, आर्ट वर्क आदि की मुलायम कपड़े से साफ सफाई करें. दीवार के दाग-धब्बे को छुड़ाने के लिए गुनगुने पानी में आधा छोटा चम्मच डिटर्जेंट डाल कर कपड़े से सफाई करें.
- सफेद सिरका मल्टीपरपस क्लीनर की तरह भी काम करता है. लकड़ी के फर्नीचरों को साफ करने के लिए एक कप पानी में तीन बड़े चम्मच विनेगर मिलाकर फर्नीचर साफ करें, ये चमक जाएंगे.
- फर्नीचर की पॉलिश नहीं करा पाईं हैं और अब कम वक्त में यह संभव नहीं लग रहा तो एक आसान सा उपाय अपनाएं. आधा-आधा कप विनेगर और ऑलिव ऑयल मिलाएं. इसमें आधा नींबू निचोड़ कर डाल दें. अब इस मिश्रण में कपड़े डुबो कर फर्नीचर की पॉलिश करें.
- पीतल के डेकोरेटिव पीस को भिगोई हुई इमली से साफ करें. उसकी चमक मन खुश कर देगी.
- चाहे ग्लास के शोपीस साफ करने हों या खिड़कियां या फिर ग्लास के सेंटर टेबल, डाइनिंग टेबल, शो पीस आदि, एक आसान सा उपाय अपनाएं. किसी बर्तन में चार कप पानी डाल कर उबालें और फिर इसमें दो छोटे चम्मच चाय पत्ती के डालें. अब इसे ठंडा कर किसी खाली पड़े स्प्रे बोतल में डालें. अब ग्लास पर इसका स्प्रे करें और फिर पुराने अखबार से पोंछ कर इसे साफ करें.
- समान मात्रा में व्हाइट विनेगर और पानी को मिला कर एक बोतल में भर लें. यह मिश्रण भी ग्लास साफ करने में बहुत कारगर है. इसे ग्लास पर स्प्रे करें और फिर पुराने कपड़े से पोछ दें. ग्लास चमक उठेगा.

रसोई ऐसे होगी साफ

- एग्जॉस्ट फैन व चिमनी के ग्रीसी दार को छुड़ाने के लिए डिर्टजेंट-पानी वाले सॉल्यूरान में थोड़ा सा नींबू का रस मिलाएं. इससे ये अच्छी तरह साफ हो जाएंगे.
- गैस के बर्नर ऑर नॉब को साफ करने के लिए गरम पानी में डिटर्जेंट मिला कर सॉल्यूशन में ब्रश की मदद से सफाई करें.
- एक-एक करके रैक के सभी डिब्बों को निकालकर बाहर रखें, उसमें से एक्सपायर्ड और गैरजरूरी चीजें फेंक दें.
- विनेगर में कपड़ा डुबोकर किचन प्लेटफॉर्म साफ करें. सफाई के साथ-साथ कीटाणु भी खत्म हो जाते हैं.
- गुलाबजल में नींबू की कुछ बूंदे मिलकार किचन प्लेटफॉर्म साफ करने से सफाई के साथ-साथ अच्छी खुशबू भी आती है.
- टाइल्स के पास धब्बों को छुड़ाने के लिए तारपीन के तेल में नमक मिलाकर साफ करें.
- टाइल्स पर ब्लीचिंग पाउडर लगाकर रातभर छोड़ दें. सुबह कपड़े से रगड़कर साफ कर लें. टाइल्स चमक उठेंगी.
- किचन की टाइल्स पर पड़े दाग-धब्बों को छुड़ाने के लिए दो कप गरम पानी में दो कम व्हाइट विनेगर मिलाकर दाग वाली जगह पर डालकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें फिर ब्रश से रगड़कर साफ कर लें.
- किचन की सिंक अगर जाम हो गई हो, तो नमक और बेकिंग सोडा समान मात्रा में लेकर सिंक की छेद में डाल दें, थोड़ी देर बार एक टीस्पून डिटर्जेंट डालें, 15 मिनट बाद गरम पानी की तेज धार डालें और फिर ठंडा पानी डालें. सिंक बिल्कुल साफ हो जाएगी.
- रोजाना सिंक की सफाई के लिए बेकिंग सोडा छिड़ककर नींबू के छिलके से रगड़कर साफ करें.
- फ्रिज को साफ करने के लिए बेकिंग सोडा से बेहतरीन कुछ भी नहीं. गुनगुने पानी में बेकिंग सोडा डालकर पूरे फ्रिज को अंदर-बाहर से साफ करें. सफाई के बाद फ्रिज के कोने में एक छोटे डिब्बे में बेकिंग सोड़ा डालकर रखे दें, ताकि फ्रिज की महक न जाए.
- एक लीटर पानी में आधा कप विनेगर मिलाकर सोल्यूशन बनाएं. इसमें कपड़ा डुबोकर पूरा फ्रिज क्लीन करें. फ्रिज क्लीनिंग का यह बढ़िया सोल्यूशन है.
- अवन\ माइक्रोवेव को साफ करने के लिए एक नींबू को काटकर उसमें रख दें और रातभर अवन का दरवाजा खुला छोड़ दें. सुबह 5 मिनट के लिए ऑन करें और ठंडा करके क्लीन करें. सारी गंदगी और महक निकल जाएगी.
- तीन ग्लास पानी में एक टी स्पून नींबू का रस और एक टी स्पून बेकिंग सोडा मिलाएं. इससे माइक्रोवेव की सफाई करें.

बेडरूम से निकालें गैरजरूरी सामान

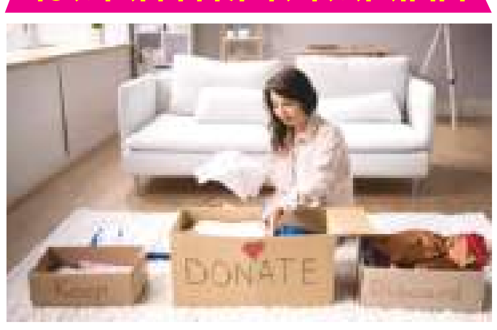

- स्टोरेजवाला बेड है तो उसके भीतर की सभी चीजें निकालकर गैर जरूरी चीजें निकाल दें.
- खिड़कियों के परदे निकालकर ग्रिल को साबुन-पानीवाले सोल्यूशन से साफ करें.
- परदे, बेडशीट्स, चादर और रजाई-गद्दों के कवर्स निकालकर गरम पानी डालकर धो लें.
- बेड को जर्म फ्री रखने के लिए बेड कवर और पिलो कवर निकालकर मैट्रेस व पिलो को दोनों ओर से वैक्यूम क्लीनर से साफ करें.
- फर्श साफ करने से पहले सीलिंग और फैन की सफाई करें.

वार्डरोब क्लीनिंग टिप्स

- वॉर्डरोब के सारे कपड़े निकालकर बाहर रखें और उन्हें तीन हिस्सों में बांटे. एक जिन्हें रखना है, दूसरा जो निकाल देना है और तीसरा जिनकी रफू या ऑल्टरेशन वगैरह करानी है.
- आलमारी के धूल-मिट्टी और कोनो को साफ करने के लिए कपड़े पर थोड़ा-सा व्हाइट विनेगर छिड़कर क्लीन करें.
- कपड़ों को आप कलर्स के मुताबिक भी अरेंज कर सकते हैं. लड़कियां इंडियन, वैस्टर्न और इनरवेयर्स के मुताबिक कपड़े आर्गेनाइज करके रखें और लड़के फॉर्मल और कैजुअल के अनुसार रखें.
- हैवी कपड़ों को पैक करते ट्रंक में रख दें और उसमे नेफ्थलीन बॉल्स जरूर डालें.

बाथरुम व टॉयलेट

- पुराना नल है, पानी का दाग लगा है तो बाथरूम कितना भी साफ करें, कसर नजर आती है. एक चम्मच बेकिंग सोडा में आधा चम्मच चूना मिला दें. अब इस पेस्ट को नल पर लगा कर करीब पांच मिनट के लिए छोड़ दें. फिर स्क्रब की मदद से साफ कर लें. नल पर लगा जंग और दाग काफी हद तक दूर हो जाएगा. एक कप गर्म पानी में एक चम्मच नींबू का रस मिला कर भी नल की सफाई की जा सकती है.
- नल के जिद्दी दागों के लिए एक कप पानी में दो-तीन चम्मच सिरका और एक चम्मच बेकिंग सोडा मिला कर इस लिक्विड को स्प्रे बोतल में रखें और फिर गंदे नल की इससे सफाई करें.
- टॉयलेट पॉट की तो टॉयलेट क्लीनर से हमेशा सफाई करती ही हैं. आज क्यों न एंटासिड का इस्तेमाल करें. दो-तीन एंटासिड की गोलियां पॉट में डाल कर करीब 25 मिनट के लिए छोड़ दें. अब ब्रश से क्लीन कर लें. इसी तरह कोला फ्लेवर की सॉफ्ट ड्रिंक टॉयलेट पॉट में डाल कर भी सफाई की जा सकती है. इसके लिए थोड़ी देर के लिए कोला फ्लेवर की सॉफ्ट ड्रिंक टॉयलेट पॉट में डाल कर छोड़ दें, फिर हल्का ब्रश कर सफाई कर लें.
- टॉयलेट-बाथरूम की सभी चीजों को रैक्स, सेल्फ आदि से उतार कर उनकी एक्सपायरी चेक करें. गैर जरूरी चीजों को हटाएं. रैक्स की सफाई करें. फिर इन्हें तरीके से सजाएं. नयापन के लिए सजावट या जरूरत के अनुसार कुछ नई चीजों को रखें.
- सोप होल्डर, ब्रश होल्डर व बाकी चीजों को भी ब्रश की मदद से अच्छी तरह साफ करें.
- वॉश बेसिन को चमकाने के लिए बेसिन पर बेकिंग सोडा छिड़क कर दस मिनट यूं ही रहने दें. अब ब्रश से रगड़ कर इसे साफ कर लें.
- टाइल्स को साफ करने के लिए दो कप पानी में दो टेबल स्पून बेकिंग सोडा मिला कर टाइल्स पर छिड़कें और फिर इसे साफ कर लें.

फर्नीचर क्लीनिंग सोल्यूशन

अगर फर्नीचर खरीदने के लिए आपके पास बजट नहीं है, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है. क्योंकि हम यहां कुछ ऐसे नेचुरल क्लीनर्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप घर पर ही आसान तरीके से बना सकते हैं और चुटकी में पुराने फर्नीचर को दे सकते हैं नया लुक.

लेदर फर्नीचर क्लीनिंग सोल्यूशन

- लेदर फर्नीचर पर लगे दाग को छुड़ाने के लिए वहां पर टूथपेस्ट लगाएं. पांच मिनट के बाद गीले कपड़े से पोछ दें. दाग तुरंत साफ हो जाएगा.
- स्पिरिट (रबिंग अल्कोहल) और पानी को समान मात्रा में मिलाकर स्प्रे बॉटल में डालें. लदर फर्नीचर पर स्प्रे करके कपड़े से पोछ दें.

इस मिश्रण से चकाचक

रानी प्रसाद

- कांच के बर्तन को साफ करने के लिए गर्म पानी ले और उसमें डिश डिशवाशर डालें और साथ ही साथ अमोनिया डालें. इसमें बर्तनों को डालकर सॉफ्ट स्पंज की मदद से साफ कर ले. बर्तन बिल्कुल नए जैसे चमक जाएंगे. यह अमोनिया बिस्किट वगैरा बनाने में काम आते हैं और हार्मफुल नहीं है. हाथों के लिए भी हार्मफुल नहीं है इसलिए इनका प्रयोग बेधड़क किया जा सकता है.
- पीतल और तांबे के बर्तन को साफ करने के लिए एक बर्तन में विनेगर ले और नमक डालें इसे पीतल के बर्तन और तांबे के बर्तनों पर डालते ही बर्तन बिल्कुल चमचमा जाएंगे .
- फ्रिज, माइक्रोवेव, एयर फ्रायर इत्यादि की सफाई करने के लिए एक कटोरी में पानी ले उसमें डिशवॉशर डालें , 2 चम्मच विनेगर डालें और एक चम्मच खाने वाला सोडा डालें और स्पंज की मदद से पूरे फ्रिज या माइक्रोवेव की सफाई करें. इसमें किसी भी प्रकार का केमिकल का प्रयोग नहीं करना चाहिए क्योंकि इसमें हम खाने का सामान रखते हैं . इससे पोछने के बाद फिर गर्म पानी से मुलायम तौलिया से अच्छी तरह से अंदर की सफाई कर ले .
- चिमनी की सफाई करने के लिए गर्म पानी ले उसमें डिशवॉशर डालें, खाने वाला सोडा, विनेगर और थोड़ा सा अमोनिया डालें और उसमें चिमनी के जाली को डालकर ब्रश की मदद से साफ कर ले.
- पंखे की सफाई के लिए भी एक बकेट में गर्म पानी ले उसमें खाने वाला सोडा, विनेगर और डिशवॉशर डालें तथा मुलायम कपड़े की मदद से पंखे की सफाई कर ले.
- स्विच बोर्ड साफ करने के लिए स्पिरिट का प्रयोग करें स्पिरिट से स्विच बोर्ड बिल्कुल चमचमा जाता है. अगर स्प्रिट नहीं है तो टूथपेस्ट की मदद से भी स्विच बोर्ड की सफाई की जा सकती है. लेकिन ध्यान रखें कि जब स्विच बोर्ड की सफाई करें तो बिजली का कनेक्शन जरूर काट दें.

खुद बनाती सभी तरह के क्लीनर

खुशबू बरनवाल 'सीपी'

बात स्वच्छता की आती है तो दिवाली की याद सबको आ जाती है इस समय कोने-कोने को चमकाया जाता है. कहीं धूल कहीं गंदगी छूट न जाए, हम जरूर ध्यान रखते हैं. मैं हमेशा अपने घर में स्वच्छता और शुद्धता का ध्यान रखती हूं. मैं सालों भर घर में अपने द्वारा बनाए हुए टॉयलेट क्लीनर और फ्लोर क्लीनर का उपयोग करती हूं. इसके साथ ही पीतल- तांबे के बर्तन को चमकाने के लिए भी अपने द्वारा बनाए गए डिशवॉशर से साफ करती हूं. रसोईघर के वेस्ट सामानों से ही मैं इसे बनाती हूं. इससे पर्यावरण भी दूषित होने से बचता है. आइए, मैं बताती हूं कि यह कैसे तैयार होता है.

घर में जब भी मौसमी फल, संतरा, नींबू, महताब इत्यादि आता है तो उसका छिलका फेंक दिया जाता है. मैं फेंकती नहीं हूं बल्कि इसका उपयोग घर की सफाई में करती हूं.

ऐसे बनाएं : एक डिब्बा जिसमें तीन चौथाई पानी रखकर उसमें एक चौथाई खाली स्थान छोड़ा जाता है. आधा डब्बा छिलकों से भर दिया जाता है. यदि इनमें से कोई फल सड़ गया है तो उसे भी डाल सकते हैं. इसमें बीज नहीं डालते हैं. उसके बाद एक चम्मच गुड़ डाल दिया जाता है. फिर अंधेरे स्थान में इस एयर टाइट डब्बे को रख दिया जाता है. हर दिन एक बार उस ढक्कन को खोलकर बंद किया जाता है. ऐसा 15 दिन तक करना होता है. फिर ढाई महीने तक इसे छोड़ दिया जाता है. इसके बाद इसका रंग पूरी तरह से बदल चुका होता है. लिक्विड भाग को छानकर एक बोतल में डाल देते हैं और सॉलिड को अलग डब्बे में रख देते हैं.

उपयोग

1. इसके लिक्विड भाग में से एक चम्मच आधा बाल्टी पानी में मिलाकर फ्लोर क्लीनर की तरह उपयोग में ला सकते हैं.
2. जो सॉलिड जैसा रहता है उसे पॉट में डालकर टॉयलेट क्लीनर की तरह उपयोग में ला सकते हैं.
3. इसी सॉलिड को तांबे-पीतल बर्तन में भी लगाकर चमका सकते हैं.
4. घर में यदि कोई जिद्दी दाग है तो सॉलिड भाग को ही थोड़ा वहां रगड़ कर आधा घंटा छोड़ देने से वह जिद्दी दाग आसानी से मिट जाता है.

इस तरह रसोई घर के वेस्ट से मैं चार तरह से घर के सफाई में उपयोग करती हूं.
बचत के साथ पर्यावरण का भी ख्याल करती हूं.

ऐसे साफ होगी चिमनी

रंगोली सिन्हा

आज गृहणियों की सबसे बड़ी समस्या होती है किचन में लगे हुए चिमनियों को साफ करना उसे साफ करने में उनका आधा से एक घंटा समय निकल जाता है. फिर भी वह पूरी तरह से उसमें जमी हुई तेल और वाष्प पूरी तरह से साफ नहीं होती है, इसलिए उसे साफ करने के लिए मैं एक चमत्कारी तरीका बताती हूं जिसमें सिर्फ 10 मिनट में चिमनी बिल्कुल चमक जाएगी इसके लिए हमें दो चीजों की आवश्यकता होती है -एक खारा सोडा, दूसरा वाशिंग पाउडर सबसे पहले चिमनी से पैनल को निकाल कर उसे एक बड़े टब में डाल देंगे और एक स्क्रबर की सहायता से खारा सोडा और वाशिंग पाउडर दोनों चीजों को एक-एक छोटी कटोरी में बराबर मात्रा में लेंगे पैनल पर पूरी तरह से मिला कर लगा देंगे. फिर उसमें गर्म पानी डाल देंगे जिससे पैनल डूब जाए और 5 मिनट के लिए उसे छोड़ देंगे और ध्यान रहे यह सब काम करते समय हाथ में ग्लव्स पहनना जरूरी है जिससे हाथों को कोई नुकसान ना पहुंचे फिर बचे हुए खड़े सोडे और वाशिंग पाउडर को चिमनी के बाहरी सतह में लगाकर उसे स्क्रबर से रगड़ देंगे और गर्म पानी से पोर देंगे तो हम देखते हैं कि उसमें जमी हुई चिकने और तेल दोनों बहुत अच्छी तरह से साफ हो गया और उसे फिर सूखे कपड़े से पोंछ लेंगे. फिर 5 मिनट के बाद पैनल को भी बाहर निकालते हैं और बची हुई चिकनाई को हल्का ब्रश से रगड़ के साफ कर देंगे, फिर ठंडे पानी से धो देंगे तो देखेंगे वह बिल्कुल नई तरह से चमक गई है और उसमें कोई भी चिकनाई या वाष्प जमी नहीं है और वह बिल्कुल साफ सुथरी हो गई है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पुणेरी पलटन ने पटना पायरेट्स को हराया

हैदराबाद। कप्तान असलम इनामदार की अगुवाई में डिफेंडिंग चैंपियन पुणेरी पलटन ने तीन बार की चैंपियन पटना पायरेट्स को हराकर प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली. पुणेरी ने सोमवार रात गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेले गए सीजन के 8वें मैच में पटना को 40-25 से हरा दिया. पटना को सीजन के पहले ही मैच में हार का मुंह देखना पड़ा. पुणेरी ने डिफेंस में 20 और रेड में 15 अंक बटोरे. पलटन के लिए असलम (9 अंक) के अलावा मोहित गोयत (8 अंक), डिफेंडर अमन (6 अंक) और गौरव खत्री (6) ने भी दमदार प्रदर्शन किया. पटना के लिए देवांक (6 अंक) के अलावा अंकित (6 अंक) और अयान (5 अंक) ही अंक जुटा पाए.

आईपीएल 2025 : क्या एक और सीजन में खेलते नजर आएंगे 'माही'?

एजेंसी। नई दिल्ली

'ये दिल मांगे मोर', कुछ यही इरादा माही के फैंस भी रखते हैं और यही वजह है कि 43 साल की उम्र में भी एमएस धोनी चेन्नई सुपर किंग्स की शान बने हुए हैं. पिछले कुछ वर्षों में हर बार माही के खेलने को लेकर सस्पेंस बना रहा है. इस बार भी नजारा कुछ ऐसा ही है लेकिन माही और चेन्नई फैंस यही चाहते हैं कि 'थाला' एक बार फिर मैदान में हेलीकॉप्टर शॉट उड़ाते हुए नजर आएं. आईपीएल 2025 की तैयारियां शुरू हो गई है. इस बार लीग के नए सीजन से पहले मेगा ऑक्शन होना है. जो इस सीजन को लेकर फैंस के बीच में और रोमांच बढ़ा रहा है. इस बीच सीएसके के पूर्व कप्तान एमएस धोनी की उपलब्धता को लेकर चर्चा तेज हो गई. फैंस के मन में सवाल है कि क्या आईपीएल 2025 में धोनी खेलते हुए नजर आएंगे या फिर वह संन्यास ले लेंगे? वहीं कुछ का मानना है कि

माही किसी नई भूमिका में भी नजर आ सकते हैं. इस कड़ी में सीएसके के सीईओ ने अपडेट दी है. सीएसके के सीईओ ने स्पष्ट किया है कि सीएसके फ्रेंचाइजी ने एमएस धोनी को टीम में शामिल करने की इच्छा जताई है. उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि धोनी सीएसके टीम में खेलें, लेकिन धोनी ने हमें अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है. सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा, हमारे पास उनके संबंध में अभी भी स्पष्ट जानकारी नहीं है. उम्मीद है कि वह 31 अक्टूबर से पहले इसकी पुष्टि कर देंगे. धोनी ने भारत के लिए अंतिम बार 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में खेला था और उन्होंने अगस्त 2020 में संन्यास की घोषणा कर दी थी. आईपीएल के अलावा वह किसी अन्य टूर्नामेंट में नहीं खेलते हैं. ऋतुराज गायकवाड़ को सीएसके की कमान सौंपने के बाद 2024 के सीजन में उन्होंने 161 के स्ट्राइक रेट से 220 रन बनाए थे. 31 अक्टूबर तक आईपीएल की सभी टीमों को अगले महीने होने वाले मेगा ऑक्शन से पहले रिटेन किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट बीसीसीआई को सौंपनी है.

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों से पहले भारत को लगा करारा झटका

हॉकी-शूटिंग, क्रिकेट समेत कई खेल बाहर

एजेंसी।नई दिल्ली

भारत की राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है क्योंकि मेजबान शहर ग्लासगो ने हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, क्रिकेट और निशानेबाजी जैसे प्रमुख खेलों को 2026 में होने वाले खेलों के कार्यक्रम हटा दिया है तथा केवल 10 खेलों को इसमें जगह दी गई है. लागत को सीमित करने के लिए टेबल टेनिस, स्क्वाश और ट्रायथलॉन को भी हटा दिया गया है. बर्मिंघम में 2022 में खेले गए राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल नौ खेल अगले खेलों का हिस्सा नहीं होंगे. इन खेलों को केवल चार स्थानों पर आयोजित किया जाएगा.

भारतीय दल को करारा झटका : बयान के अनुसार, ''इन खेलों का आयोजन चार स्थलों स्कॉट्सटाउन स्टेडियम, टोलक्रॉस इंटरनेशनल तैराकी केंद्र, एमिरेट्स एरेना और स्कॉटिश प्रतियोगिता परिसर (एसईसी) में किया जाएगा. खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ को होटल में ठहराया जाएगा.'' राष्ट्रमंडल खेलों का यह कार्यक्रम भारत की पदक संभावनाओं के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि इससे पहले उन्होंने अधिकतर पदक उन खेलों में जीते थे, जिन्हें हटाया गया है. निशानेबाजी को बर्मिंघम खेलों के कार्यक्रम से भी हटाया गया था और उसकी वापसी की कम उम्मीद थी.

इतने खेलों को एकसाथ क्यों हटाया? : निशानेबाजी को इसलिए कार्यक्रम से बाहर किया गया है क्योंकि 2014 में इस खेल का आयोजन डंडी में बैरी बुडन सेंटर में किया गया था, जो ग्लासगो से 100 किमी से अधिक दूर है. इसके साथ ही तीरंदाजी को भी नजरअंदाज किया जाता रहा है. यह खेल आखिरी बार दिल्ली में 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा था. राष्ट्रमंडल खेल 2014 में हॉकी और कुश्ती की मेजबानी करने वाले ग्लासगो ग्रीन और स्कॉटिश प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र को आयोजन स्थलों की सूची से हटा दिया गया है, जबकि सर क्रिस होय वेलोड्रोम, जहां उस वर्ष बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, इस बार केवल साइकलिंग की मेजबानी करेगा.

commonwealth games GLASGOW 2026

23 जुलाई से खेले जाएंगे कॉमनवेल्थ गेम्स

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 23 जुलाई से दो अगस्त तक आयोजित किए जाएंगे. ग्लासगो ने इससे पहले 2014 में राष्ट्रमंडल खेलों के मेजबानी की थी. राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) ने बयान में कहा,'खेल कार्यक्रम में एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स (ट्रैक एवं फील्ड), तैराकी और पैरा तैराकी, कलात्मक जिमनास्टिक, ट्रैक साइक्लिंग और पैरा ट्रैक साइक्लिंग, नेटबॉल, भारोत्तोलन और पैरा पावरलिफ्टिंग, मुक्केबाजी, जूडो, बाउल्स और पैरा बाउल्स, 3x3 बास्केटबॉल और 3x3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल को शामिल किया गया है.'

शूटिंग, हॉकी और कुश्ती में था भारत का दबदबा

हॉकी को बाहर करने का कारण यह भी हो सकता है कि इन खेलों के समाप्त होने के दो सप्ताह बाद 15 से 30 अगस्त तक वावरे, बेल्जियम और एम्स्टेलवीन, नीदरलैंड में हॉकी विश्व कप का आयोजन किया जाएगा. पहले इन खेलों का आयोजन ऑस्ट्रेलिया के राज्य विक्टोरिया में होना था, लेकिन बढ़ती लागत को देखते हुए वह मेजबानी से हट गया था. इसके बाद स्कॉटलैंड ने खेलों की मेजबानी करने के लिए हामी भरी थी. खेलों से हॉकी का बाहर होना भारत के लिए एक बड़ा झटका होगा. भारत की पुरुष टीम ने तीन रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं, जबकि महिलाओं ने 2002 के खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण सहित तीन पदक जीते हैं.

बैडमिंटन में भारत ने जीते हैं 10 स्वर्ण

राष्ट्रमंडल खेलों में बैडमिंटन के इतिहास में भारत ने 10 स्वर्ण, आठ रजत और 13 कांस्य पदक सहित कुल 31 पदक जीते हैं. निशानेबाजी में भारत ने 135 पदक जीते थे जिनमें 63 स्वर्ण, 44 रजत और 28 कांस्य शामिल हैं. कुश्ती प्रतियोगिता में देश को 114 पदक मिले हैं, जिनमें 49 स्वर्ण, 39 रजत और 26 कांस्य शामिल हैं. क्रिकेट को 2022 में फिर से राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल कर दिया गया था जिसमें भारतीय महिला टीम ने रजत पदक जीता था. पैरा खिलाड़ी 2002 से इन खेलों का हिस्सा रहे हैं और अगले खेलों में भी बने रहेंगे.

न्यूज़ीलैंड को लगा झटका, दूसरा टेस्ट भी नहीं खेलेंगे विलियमसन

- तीसरे टेस्ट तक ही पूरी तरह फिट होने की उम्मीद

एजेंसी। पुणे

न्यूज़ीलैंड के बल्लेबाज़ केन विलियमसन जांघ की चोट के कारण भारत के ख़िलाफ़ दूसरे टेस्ट में भी अनुपलब्ध रहेंगे, जो कि 24 अक्टूबर से पुणे में शुरू होगा. विलियमसन को यह चोट पिछले महीने श्रीलंका दौरे के दौरान लगी थी. उनकी जगह बेंगलुरु टेस्ट में विल यंग ने ली थी और 33 तथा नाबाद 48 रन की पारियां खेली थी. न्यूज़ीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, हम केन की चोट को मॉनीटर कर रहे हैं. वह सही दिशा में बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी भी पूरी तरह से फ़िट नहीं हैं. हम उनके तीसरे मैच तक पूरी तरह से फ़िट होने की उम्मीद कर रहे हैं. न्यूज़ीलैंड फ़िलहाल तीन मैचों की सीरीज़ में 1-0 से आगे है. न्यूज़ीलैंड की भारत पर बेंगलुरु में पहले टेस्ट में जीत 1988 के बाद एशियाई देश में उनकी पहली जीत थी और इससे वे मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए. हार के बावजूद भारत स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया और तीसरे स्थान पर मौजूद श्रीलंका से उनकी बढ़त कम हो गई है. भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट गुरुवार को पुणे में शुरू होगा.

न्यूज़ीलैंड की टीम

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेट कीपर), मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, विल ओ''रूर्के, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढी, टिम साउदी, केन विलियमसन, विल यंग .

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ओपनिंग करे बैनक्रॉफ्ट : क्लार्क

नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने 31 वर्षीय कैमरून बैनक्रॉफ्ट को टेस्ट टीम में वापस बुलाने का समर्थन किया है. उन्होंने भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में इस 31 वर्षीय खिलाड़ी को शामिल करने का सुझाव दिया है. ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन की पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर की चोट के कारण बैनक्रॉफ्ट को भारत के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टेस्ट टीम में वापस बुलाने का मौका मिल सकता है. क्लार्क ने स्काई के बिग स्पोर्ट्स ब्रेकफास्ट पर कहा, मुझे नहीं लगता कि दो मैचों के लिए किसी को चुनना उचित है.

सचिन के टेस्ट रिकॉर्ड के 'करीब' पहुंच सकते हैं जो रूट : एलिस्टेयर कुक

एजेंसी। नई दिल्ली

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक का मानना है कि फॉर्म में चल रहे उनके हमवतन जो रूट आने वाले वर्षों में सचिन तेंदुलकर के 15,921 टेस्ट रनों के रिकॉर्ड के बहुत करीब पहुंच सकते हैं. हाल ही में, रूट ने इस महीने की शुरुआत में मुल्तान में इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच पहले टेस्ट में कुक को पीछे छोड़ते हुए इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं. 12,716 रनों के साथ, रूट टेस्ट क्रिकेट में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं. कुक, जिन्हें आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था, ने आईसीसी द्वारा आयोजित एक राउंड-टेबल इंटरव्यू के दौरान कहा, "मैंने उस पल को देखा, फिर मैंने खेल खत्म होने के बाद उसे फोन किया. मुझे टेक्स्ट

मैसेज में लिखने के लिए सही शब्द नहीं सूझ रहे थे. इसलिए मैंने सोचा कि मैं उसे फोन करूंगा, देखूंगा कि वह क्या कर रहा है, और यह सुनिश्चित करूंगा कि उसके हाथ में बीयर हो, जो मुझे लगता है कि उसके हाथ में थी." उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि जो रूट निश्चित रूप से इंग्लिश टीम के लिए एक रिकॉर्ड बना सकते हैं, जिसे तोड़ना बहुत मुश्किल होगा. लेकिन आप कभी नहीं जानते. मुझे उम्मीद है कि वह बहुत करीब पहुंच सकते हैं, अगर नहीं भी तो 16,000 टेस्ट रन बनाने वाले पहले व्यक्ति बन सकते हैं. यह एक बड़ी उपलब्धि होगी. पिछले चार वर्षों में रूट टेस्ट क्रिकेट में काफी आगे बढ़ गए हैं और उनके 35 शतकों में से आधे से अधिक शतक इसी अवधि में आए हैं और उनका औसत 60 के करीब है. कुक ने कहा, मुझे लगता है कि इस समय, मुझे जो रूट जितना अच्छा खेलते हुए किसी और को देखना मुश्किल लगता है. पिछले एक साल में 'बिग फोर' में से, मुझे लगता है कि विलियमसन और वह शायद इस समय सबसे अच्छे फॉर्म में हैं. 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कुक को लगता है कि इयोन मोर्गन और बेन स्टोक्स के क्रमशः टीमों की कमान संभालने के बाद इंग्लैंड की क्रिकेट सीमित ओवरों और टेस्ट क्रिकेट दोनों में काफी बदल गई.

मैग्नस फिर भारत में खेलेंगे

- अगले महीने होने वाले इस टूर्नामेंट में प्रज्ञानंद भी लेंगे हिस्सा

एजेंसी। कोलकाता

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर मैग्नस कार्लसन 13 से 17 नवंबर तक यहां होने वाले 'टाटा स्टील शतरंज भारत' के छठे सत्र में मुख्य आकर्षण होंगे. नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी दूसरी बार टूर्नामेंट का हिस्सा बनेगा. उन्होंने इससे पहले 2019 में इसमें भाग लिया था और इसके विजेता बने थे. बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड में अच्छा प्रदर्शन करने वाले अर्जुन एरिगैसी, प्रगनानंदा और विदित गुजराती भी हिस्सा लेंगे.

'ओपन' वर्ग में निहाल सरीन और एसएल नारायणन भी चुनौती को पेश करेंगे.पिछले सत्र तरह टूर्नामेंट में 'ओपन' और 'महिला' वर्ग की श्रेणियों में रैपिड और ब्लिट्ज मुकाबलों के लिए समान पुरस्कार राशि होगी. इससे पहले कार्लसन ने 2019 में हिस्सा लिया था और विजेता भी बने थे.

टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ी

ओपन वर्ग : मैग्नस कार्लसन, नादिबेक अब्दुस्तोरोव, वेस्ले सो, विंसेंट केमर, डैनियल डबोव, अर्जुन एरिगैसी, आर. प्रगनानंदा, विदित गुजराती, निहाल सरीन, एसएल नारायणन.

महिला वर्ग : एलेक्जेंड्रा, कैटेरिना, कोस्टेनियुक डेजाग्निड्ज़े, वेलेंटीना, कोनेरू हंपी, आर. वैशाली, डी. हरिका, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल.

मुंबई की टीम से बाहर हुए पृथ्वी शॉ

एजेंसी। मुंबई

युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को आगामी रणजी ट्रॉफी मैच के लिए मुंबई की टीम से बाहर कर दिया गया है. उनकी जगह बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अखिल हेरवाडकर को शामिल किया गया है, जिन्होंने 41 रणजी मैच खेले हैं.सोमवार को घोषित टीम में एक और उल्लेखनीय बदलाव तनुश कोटियन का बाहर होना है, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया जाने वाली भारत ए टीम में चुना गया है. उनकी जगह 28 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर करश कोठारी को लाया गया है.मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) द्वारा टीम के चयन के बारे में जारी मीडिया विज्ञप्ति में शॉ की अनुपस्थिति का कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसे 24 वर्षीय सलामी बल्लेबाज के लिए एक सूक्ष्म चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है, जिसका अनुशासन संबंधी मुद्दों का इतिहास रहा है. माना जाता है कि संजय पाटिल (अध्यक्ष), रवि ठाकर, जीतेंद्र ठाकरे,

किरण पोवार और विक्रांत येलिगेटी वाली मुंबई चयन समिति ने महसूस किया है कि शॉ को कम से कम एक मैच के लिए बाहर रखा जाना चाहिए.यह अनुमान लगाना अभी जल्दबाजी होगी कि उन्हें अगले मैच के लिए वापस बुलाया जाएगा या नहीं, लेकिन चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन दोनों का मानना है कि यह बहिष्कार सलामी बल्लेबाज के लिए एक सबक हो सकता है, जो जाहिर तौर पर नेट्स और अभ्यास सत्रों में अनियमित रहे हैं.क्रिकबज के अनुसार, मुंबई टीम के चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन का मानना है कि शॉ का वजन पहले से ही अधिक है. यह भी देखा गया है कि वह नेट अभ्यास सत्रों को गंभीरता से नहीं लेते हैं और उनमें अनियमित रूप से शामिल होते हैं. जबकि टीम में शामिल अन्य भारतीय खिलाड़ी, जैसे श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर और यहां तक कि कप्तान अजिंक्य रहाणे भी अपने अभ्यास में लगातार शामिल हो रहे हैं, शॉ लगातार अभ्यास सत्र छोड़ रहे हैं - कभी-कभी सस्ते में आउट होने के बाद भी वह हर दो सत्र छोड़ देते हैं.

मुंबई टीमः अजिंक्य रहाणे (कप्तान), आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी, अखिल हेरवाडकर, श्रेयस अय्यर, सिद्धेश लाड, सूर्यांश शेडगे, हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), सिद्धांत अधातराव (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, कर्ष कोठारी, हिमांशु सिंह, शार्दुल ठाकुर, मोहित अवस्थी, मोहम्मद जुनेद खान और रॉयस्टन डायस.

टेस्ट मैच बेंगलुरु टेस्ट गंवाने के बाद अब टीम इंडिया की नजर पुणे टेस्ट में जोरदार वापसी की है

ऋषभ पंत और शुभमन गिल दूसरे टेस्ट के लिए होंगे उपलब्ध

एजेंसी। पुणे

बेंगलुरु टेस्ट गंवाने के बाद अब टीम इंडिया की नजर पुणे टेस्ट में जोरदार वापसी की है. न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए लगभग पूरी ताकत वाली टीम होने की उम्मीद है, सहायक कोच रायन टेन डेशकाटे ने बताया कि ऋषभ पंत और शुभमन गिल फिट हैं और चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे. दोनों खिलाड़ी चोटों से उबर रहे हैं, जिसके कारण वे पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल सके थे या उनकी भागीदारी सीमित रही थी, जिसमें भारत को बेंगलुरु में 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था.

बेंगलुरु टेस्ट के दूसरे दिन पंत एक स्टंपिंग करते वक्त अपना घुटना चोटिल कर बैठे थे. इसके बाद पूरे मैच में ध्रुव जुरेल ने कीपिंग का जिम्मा संभाला था. हालांकि, पंत बल्लेबाजी के लिए आए थे और बेहतरीन 99 रनों की पारी खेली थी. लेकिन दूसरी पारी में जुरेल फिर से कीपिंग के लिए आए और पूरी पारी की दौरान कीपिंग की. वहीं गले में जकड़न के कारण गिल भी बेंगलुरु टेस्ट नहीं खेल पाए थे. रायन ने मंगलवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि सभी लोग वास्तव में ठीक हैं. पहले टेस्ट में बहुत ज्यादा गेंदबाजी नहीं हुई थी, इसलिए सभी तेज गेंदबाज अच्छे हैं. ऋषभ अब ठीक हैं. मुझे लगता है कि रोहित शर्मा ने दूसरे दिन इस पर बात की थी. घुटने के साथ अपने मूवमेंट की अंतिम सीमा पर उसे थोड़ी असुविधा हो रही थी. लेकिन उम्मीद है कि वह इस टेस्ट में भी अच्छा प्रदर्शन करेगा. डेशकाटे ने कहा, ऋषभ ठीक हैं और ऐसा पिछले दिन रोहित शर्मा ने भी आप लोगों को बताया था. हालांकि उनके घुटने में थोड़ी तकलीफ थी, लेकिन हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह कीपिंग कर पाएंगे. वहीं गिल ने बेंगलुरु में नेट्स किया था, मुझे उम्मीद है कि वह भी टेस्ट के लिए पूरी तरह से फिट होंगे. गिल की वापसी से भारत के लिए चयन की एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है. बेंगलुरु टेस्ट में गिल की जगह लेने वाले सरफराज खान ने अपने मौके का फायदा उठाते हुए शानदार 150 रन बनाए. उनका शानदार प्रदर्शन भारत के मध्यक्रम के फैसलों की जटिलता को बढ़ाता है, खास तौर पर राहुल के मौजूदा फॉर्म को देखते हुए. सहायक कोच ने प्लेइंग-11 में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा का संकेत दिया, खास तौर पर मध्यक्रम में उन्होंने कहा, "सरफराज ने पिछले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था... हमें निश्चित रूप से इस टेस्ट के लिए सात खिलाड़ियों को छह स्थानों पर रखना होगा. हम अब पिच को देखेंगे और तय करेंगे कि टीम के लिए सबसे अच्छा क्या होगा." भारत बेंगलुरु में पहला टेस्ट आठ विकेट से हारकर तीन मैचों की सीरीज में 0-1 से पिछड़ गया है.

ओसाका चोट के कारण हांगकांग ओपन से हटीं

एजेंसी। हांगकांग

चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने चोट के कारण हांगकांग ओपन टेनिस चैंपियनशिप से हटने की घोषणा की है. हालांकि वह खेलेंगी नहीं, लेकिन टूर्नामेंट की अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेंगी. आयोजकों ने सोमवार को यह जानकारी दी.हांगकांग, चीन टेनिस संघ ने एक बयान में कहा, "हालांकि, नाओमी ने पुष्टि की है कि वह अभी भी टूर्नामेंट में भाग लेंगी और इस आयोजन के दौरान कई गतिविधियों में भाग लेंगी, जिसमें अपने हांगकांग टेनिस प्रशंसकों से मिलना भी शामिल है."नाओमी के हवाले से कहा गया, "मुझे वास्तव में खेद है कि मुझे प्रूडेंशियल हांगकांग टेनिस ओपन और इस टेनिस सत्र के बाकी हिस्सों में प्रतिस्पर्धा करने से हटना पड़ा है. मुझे टूर्नामेंट में जाना बहुत पसंद है और खेल न पाने की स्पष्ट निराशा के बावजूद, मैं अपने सभी अद्भुत हांगकांग प्रशंसकों को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि मैं अभी भी इस आयोजन में भाग लूँगी. मैं आप सभी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हूँ.

ब्रीफ खबरें

पुलिस ने एक साइबर अपराधी को पकड़ा

गोपालगंज । जिले के बैकुंठपुर थानाक्षेत्र के कृतपुरा गांव से पुलिस ने एक ऐसे साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग का काम करता था. गिरफ्तार साइबर अपराधी का नाम अतुल कुमार सिंह है. पुलिस ने आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन, दो एटीएम कार्ड, पासबुक और 24,000 रुपये नकदी बरामद की हैं. यह अपराधी चीन, रूस, पाकिस्तान, नाइजीरिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे कई देशों के वाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप से जुड़कर भारतीय डाटा विदेशों में भेजता था.

सात साल के बच्चे से अप्राकृतिक यौनाचार

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी में एक सात साल के बच्चे से अप्राकृतिक यौनाचार किए जाने का मामला सामने आया है. यह घटना पुनौरा थानाक्षेत्र के एक मोहल्ले की है. जहां सोमवार की देर शाम एक बच्चे को रिक्शा चालक ने अपना शिकार बनाया. फिलहाल पीड़ित बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने आरोपी रिक्शा चालक को पकड़कर जमकर पीट दिया. उसके बाद उसे नगर थाना पुलिस के हवाले कर दिया. जानकारी के अनुसार, आरोपी रिक्शा चालक की पहचान मोहल्ले के ही बदरी राउत के रूप में की गई है.

भारी मात्रा में ट्रक पर लदी विदेशी शराब जब्त

अररिया । एसपी अमित रंजन को मिले गुप्त सूचना और उसके निर्देश पर जोकीहाट थाना पुलिस ने एक ट्रक पर लदे भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया. ट्रक से 488 कार्टन में कुल 4 हजार 275 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया. उत्तरप्रदेश नंबर के ट्रक में शराब को अरुणाचल प्रदेश में लोड किया गया था और इसकी डिलीवरी जिले के फारबिसगंज में होने की बात कही जा रही है. माफिया की तलाश में जुट गई है. शराब जब्ती के बाद एसपी अमित रंजन, एएसपी रामपुकार सिंह ने हिरासत में लिए गए ट्रक के चालक और खलासी से कड़ी पूछताछ की.

सरकारी फंड से बन रही दीवार गिरी

कई मजदूर हुए घायल

सहरसा । सहरसा जिले के पतरघट प्रखंड क्षेत्र के पामा पंचयात स्थित वार्ड नंबर 10 में लाखों की लागत से बनाई जा रही पैक्स गोदाम की दीवार गिरने से अफरातफरी मच गई. घटना में पांच मजदूरों को चोट लगी है. सोमवार की शाम यह घटना तब हुई जब निर्माणाधीन भवन में प्लास्टर के लिए बांस-बल्ला बांधा जा रहा था. लोगों ने निर्माण में अनियमितता का आरोप लगाया है. कुछ लोगों का कहना है कि निर्माणाधीन भवन के एक भाग में बहुत बड़ा गड्ढा था, जिसे भरे बिना निर्माण कार्य किया गया. उस भाग पर दबाव बनने से ही दीवार गिरने की बात आ रही है. घटना के बाद लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण में शुरू से ही अनियमितता बरती गई है, जिसके कारण यह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया. लोगों ने बताया कि बन रहे पैक्स गोदाम में बडे. पैमाने पर अनियमितता बरती गई. जानकारी के मुताबिक पामा पैक्स अध्यक्ष की देखरेख में कुछ माह पहले से इस पैक्स गोदाम का निर्माण करवाया जा रहा था.

27 साल के कारोबारी की गोली मारकर हत्या, माहौल गरमाया

संवाददाता । गया

गया जिले में 27 वर्षीय मछली व्यवसायी को गोली मारकर हत्या की मामला प्रकाश में आया है. फिलहाल स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है. मौके से पुलिस ने कारतूस के दो खोखा और मृत युवक का मोबाइल बरामद किया है. मृत युवक की पहचान आमस थाना क्षेत्र के चंड़ी स्थान के रहने वाले रामप्रवेश प्रसाद के 27 वर्षीय पुत्र गुड्डू कुमार के रूप में की गई. गया जिले के आमस थान क्षेत्र के सिहुली गांव के समीप बनकट पहाड़ी पर अज्ञात अपराधियों ने इस युवक की हत्या की है. 27 वर्षीय गुड्डू कुमार चंडी स्थान का रहने वाला था और वह मछली का व्यवसाय करता था. सोमवार की रात वह किसी काम से निकला था, लेकिन फिर वह वापस नहीं लौटा. मंगलवार सुबह पुलिस ने बनकट पहाड़ी के समीप से उसका शव बरामद किया. उसकी गर्दन पर दो गोलियां मारी गई हैं. मौके से पुलिस ने दो खोखा और मोबाइल भी बरामद किया है. घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है. इस संबंध में आमस थानाध्यक्ष शैलेश कुमार ने बताया कि युवक का शव बरामद किया गया है. पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है. मौके पर डॉग स्क्वायड को बुलाया गया है. जल्द ही घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी.

गिरिराज सिंह की यात्रा में बीजेपी सांसद प्रदीप सिंह का साफ संदेश

यहां रहना है तो हिंदू बनना होगा

बीजेपी सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने दिया विवादास्पद बयान

संवाददाता । अररिया

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' के दौरान बीजेपी सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने एक विवादित बयान दे दिया है. उन्होंने ऐसी बात कह दी है कि उनका बयान वाला वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है. सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा है कि अररिया में रहना है तो हिंदू बनना होगा. उन्होंने यह भी कहा है कि विवाह के समय अपनी जात और परिवार खोज कर शादी करिएगा. अररिया आरएस में बीते सोमवार की शाम आयोजित एक कार्यक्रम में सांसद प्रदीप सिंह ने यह बातें कहीं. मुद्दा संस्था के संस्थापक फैसल जावेद यासीन ने कहा कि यह बयान निंदनीय है.

सांसद के बयान के जवाब में उन्होंने नारा देते हुए कहा कि अररिया में रहना होगा तो सामाजिक सद्भाव कायम रखना होगा. इधर मंगलवार को फैसल जावेद यासीन की अगुवाई में कुछ युवाओं ने अररिया शहर में सड़कों पर प्रदर्शन किया. सांसद प्रदीप कुमार सिंह के खिलाफ नारेबाजी की. सांसद से माफी मांगने और इस्तीफा देने की भी मांग की. वायरल हो रहे वीडियो में सांसद प्रदीप सिंह कह रहे हैं कि खुद को हिंदू बोलने में भला कैसी शर्म? इसके आगे वह बोलते हैं, हम तो कहते हैं कि अगर अररिया में रहना है तो हिंदू बनना होगा. जब बेटा-बेटी की शादी करनी हो तब जात-पात खोज लीजिए, लेकिन जब हिंदुओं की एकजुटता की बात हो तब पहले हिंदू बनिए बाद में जाति को ढूंढिए.

सांसद प्रदीप सिंह के इस बयान को लेकर लोग सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी कर रहे हैं. हालांकि बीजेपी से जुड़े हुए लोगों का कहना है कि यह बयान दो धर्म के लिए नहीं बल्कि विभिन्न तरह से बंटे हुए हिंदुओं को एक होने के लिए कहा गया है. उधर विरोधी दलों के लोगों ने कहा है कि समाज में भाईचारा को बर्बाद करने की साजिश है. बता दें कि केंद्रीय मंत्री और सांसद गिरिराज सिंह हिंदू स्वाभिमान यात्रा पर निकले हैं. उन्होंने साफ कहा है कि यह पार्टी का कार्यक्रम नहीं है. अब इस यात्रा के बीच बीजेपी सांसद प्रदीप सिंह ने ऐसा बयान दिया है कि बिहार में सियासी पारा बढ़ना तय है.

चिराग पासवान ने पटना में की पार्टी की बड़ी बैठक, बोले

चुनाव के लिए बनायी गयी रणनीति

पटना । केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को एलजेपी रामविलास की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई. चुनावी माहौल के बीच इस बैठक में 2025 के मिशन का टारगेट सेट किया गया. 2025 में बिहार विधानसभा का चुनाव होना है और चिराग पासवान की पार्टी ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है. इसी को लेकर पटना में यह बड़ी बैठक की गई है. एलजेपी रामविलास की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के बाद चिराग पासवान

ने कहा कि संगठन की मजबूती को लेकर बैठक थी. 28 नवंबर को पार्टी के स्थापना दिवस के दिन गांधी मैदान में बड़ी रैली है. अगले साल बिहार विधानसभा का चुनाव है. रैली से चुनावी शंखनाद करेंगे. तैयारियों की समीक्षा की है. चुनाव के लिए क्या रणनीति क्या रहेगी इस पर मंथन हुआ है. उन्होंने कहा कि रैली के बाद से सीटों और प्रत्याशियों के चयन के काम में हम लोग जुट जाएंगे. इन तमाम मसलों पर आज बातचीत हुई है. चतरा मेरी पसंद की सीट है : दूसरी ओर झारखंड विधानसभा चुनाव में एनडीए में चिराग पासवान को एक सीट मिली है. इस पर चिराग ने कहा कि मुझे एक सीट मिली है इससे मैं नाराज नहीं हूं.

नीट पेपर लीक मामले में ईओयू की बड़ी कार्रवाई

संजीव मुखिया के घर हुई छापेमारी

संवाददाता । पटना

देश की प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में पेपर लीक के मामले में पटना पुलिस और आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की. 25 सदस्यीय ईओयू की विशेष टीम ने कुख्यात परीक्षा माफिया संजीव मुखिया के नालंदा स्थित आवास पर छापामारी कर महत्वपूर्ण दस्तावेज और सबूत बरामद किए हैं. यह छापेमारी नीट पेपर लीक मामले की जांच के सिलसिले में की गई थी, जिसमें परीक्षा से जुड़े कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं. जांच में खुलासा हुआ है कि प्रति छात्र 40 लाख रुपये की मोटी रकम लेकर नीट का प्रश्न पत्र लीक किया गया था. एक प्रोफेसर के माध्यम से प्रश्न पत्र को मोबाइल के जरिए संजीव मुखिया तक पहुंचाया गया था. संजीव मुखिया नूरसराय हॉर्टिकल्चर कॉलेज में तकनीकी सहायक के पद पर कार्यरत है. उसका परीक्षा घोटालों से पुराना नाता रहा है. वर्ष 2016 में सिपाही भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में भी मुखिया का नाम सामने आया था. बीएससी शिक्षक बहाली के पेपर लीक मामले में वह जेल भी जा चुका है. मुखिया का बेटा डॉ. शिव कुमार पीएमसीएच से एमबीबीएस है, जो वर्तमान में जेल में बंद है. इस परिवार का परीक्षा घोटालों में लंबे समय से संबंध रहा है. मुखिया की पत्नी ममता कुमारी भी राजनीति में सक्रिय रही हैं. वह हरनौत विधानसभा क्षेत्र से लोक जनशक्ति पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ चुकी हैं.

सीएम ने ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर का किया उद्घाटन

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित ज्ञान भवन में पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर-2024 का उद्घाटन किया. उद्घाटन के पश्चात् मुख्यमंत्री ने ट्रैवल एण्ड टूरिज्म फेयर में लगाये गये विभिन्न प्रदर्शनी का निरीक्षण किया और संबंधित उत्पाद और सेवाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी ली. इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उत्तराखंड के पर्यटन, मंत्री सतपाल महाराज, संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री नीतीश मिश्रा, पर्यटन विभाग के सचिव लोकेश सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारीगण और कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

नंदकिशोर-नीरज सिंह समेत चार को मिली वाई सिक्योरिटी

संवाददाता । पटना

बिहार सरकार के गृह विभाग की ओर से सोमवार को इस संबंध में पुलिस महानिदेशक और अपर पुलिस महानिदेशक (विशेष शाखा) को पत्र लिखा गया है. बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव, नीरज कुमार सिंह, सांसद प्रदीप कुमार सिंह और जदयू एमएलसी संजय कुमार सिंह की सुरक्षा बढ़ाई गई है.

विस अध्यक्ष नंद किशोर यादव वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है. साथ ही लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के मंत्री नीरज कुमार सिंह को वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है. इसके अलावा अररिया लोकसभा क्षेत्र से सांसद प्रदीप कुमार सिंह को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है. वहीं बिहार विधान परिषद के सदस्य संजय कुमार सिंह को वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है.

बता दें कि अभी कुछ महीने पहले ही कई सांसद और मंत्री की सुरक्षा बिहार में बढ़ाई गई थी. सांसद देवेश चंद्र ठाकुर और नवादा सांसद विवेक ठाकुर को वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी. मंत्री लेसी सिंह को जेड सुरक्षा दी गई थी. इसके साथ ही लेसी सिंह प्रदेश की ऐसी पहली मंत्री हो गई जिन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है.

कारोबार

डिलीवरी कंपनी जोमैटो का मुनाफा 388% बढ़ा

मुंबई । फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी जोमैटो का जुलाई-सितंबर तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 388% बढ़कर 176 करोड़ रुपए हो गया है. एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 36 करोड़ रुपए था. जोमैटो ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए. कंपनी का दूसरी तिमाही में रेवेन्यू 68.50% बढ़कर 4,799 करोड़ हो गया. जोमैटो का शेयर मंगलवार को 3.44% गिरकर 256.55 रुपए पर बंद हुआ. बीते 6 महीने में कंपनी का शेयर 32.69% बढ़ा है.

अडाणी ग्रीन का मुनाफा 180 करोड़ रूपये हुआ

मुंबई । अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 180 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ है. सालाना आधार पर इसमें 71.42% की बढ़ोतरी हुई है. एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने 105 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था. जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी ने 468 करोड़ रुपए की कमाई (रेवेन्यू) की है. एक साल पहले यानी वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 202 करोड़ रुपए रहा था. सालाना आधार पर इसमें 131.68% की बढ़ोतरी हुई है.

देश में धमाल मचाएगा रियलमी जीटी 7 प्रो

नयी दिल्ली । क्या आपको पता है कि आपके हाथ में मौजूद मोबाइल में सबसे महत्वपूर्ण चीज क्या है? नहीं, तो हम आपको बताते हैं कि आपके मोबाइल में मौजूद उसकी चिपसेट सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होती है. चिपसेट ही हमारे मोबाइल उपकरणों के पीछे असली पावरहाउस होती है. प्रोसेसिंग स्पीड से लेकर कैमरा क्षमताओं तक हर चीज के लिए जिम्मेदार ये चिपसेट अक्सर अमूमन लोगों द्वारा अनदेखी कर दी जाती है. आजकल चिपसेट को मोबाइल की क्षमता की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है. इसके लिए लोग भी जागरूक होने लगे हैं. आधुनिक दौर में तकनीक के क्षेत्र में जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई का प्रचलन बढ़ रहा है.

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा

वित्त वर्ष 2025 में रियल जीडीपी 7.2 प्रतिशत बढ़ने की संभावना

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत विकास के पथ पर अग्रसर है. देश की खपत और निवेश मांग गति पकड़ रहे हैं. उन्होंने कहा कि देश में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रियल जीडीपी 7.2 प्रतिशत से बढ़ने की संभावना है. शक्तिकांत दास ने आरबीआई के मासिक बुलेटिन में कहा कि बेहतर कृषि परिदृश्य और ग्रामीण मांग के कारण निजी उपभोग को लेकर बेहतर संभावनाएं नजर आती हैं. सेवाओं में निरंतर उछाल से शहरी मांग को भी समर्थन मिलेगा. केंद्र और राज्यों के सरकारी व्यय में बजट अनुमानों के अनुरूप गति आने की उम्मीद है.

उन्होंने कहा, उपभोक्ता और कारोबारियों के आशावादी रहने, पूंजीगत व्यय पर सरकार के निरंतर जोर और बैंकों और कंपनियों की हेल्दी बैलेंस शीट से निवेश गतिविधि को लाभ मिलेगा. इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, 2024-25 के लिए रियल जीडीपी वृद्धि 7.2

प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें जीपीडी वृद्धि दूसरी तिमाही में 7.0 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 7.4 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 7.4 प्रतिशत रहेगी.

आरबीआई के दस्तावेज के अनुसार, 2025-26 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है. इस बीच, 2024-25 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें यह दूसरी तिमाही में 4.1 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.2 प्रतिशत रहेगी. 2025-26 की पहली तिमाही के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है. आरबीआई गवर्नर ने कहा, खाद्य मूल्य गति में तेजी और प्रतिकूल आधार प्रभावों के कारण सितंबर महीने में सीपीआई प्रिंट को लेकर उछाल देखने को मिलेगा. यह 2023-24 में प्याज, आलू, चना दाल के उत्पादन में कमी का भी प्रभाव रहेगा. आरबीआई गवर्नर ने आगे कहा कि घरेलू विकास ने अपनी गति बनाए रखी है और निजी खपत और निवेश में भी वृद्धि हुई है. उन्होंने कहा, विकास में लचीलापन हमें मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित करने देता है. जिसके साथ हमें मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत के उद्देश्य तक कम करने में मदद मिल रही है. मौजूदा मुद्रास्फीति और विकास की स्थितियों और दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, एमपीसी ने रुख को न्यूट्रल में बदला. दास ने कहा, हम फ्रिक्शनल और ड्यूरेबल लिक्विडिटी को नियंत्रित करने के लिए उपकरणों का एक सही मिश्रण तैयार करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मुद्रा बाजार की ब्याज दरें व्यवस्थित तरीके से विकसित हों.

डिजिट इंश्योरेंस ने रांची में इंश्योरेंस ब्रोकिंग के साथ मिलकर काम किया

रांची । भारत की अग्रणी नई पीढ़ी की बीमा कंपनियों में से एक गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (डिजिट इंश्योरेंस) ने मारुति सुजुकी इंश्योरेंस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर रांची जिले के कांके में बीमा प्रचार और प्रसार अभियान के तहत बीमा शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया. यह अभियान आईआरडीएआई के ग्रामीण, सामाजिक क्षेत्र और मोटर थर्ड पार्टी ऑब्लिगेशन, विनियम 2024 के अनुसार ग्रामीण शहरी सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था. आउटरीच कार्यक्रम का उद्देश्य बीमा जागरूकता फैलाना था. आईआरडीएआई की राज्य बीमा योजना पहल और ग्रामीण दायित्वों के एक हिस्से के रूप में, डिजिट इंश्योरेंस झारखंड राज्य के लिए नियुक्त प्रमुख सामान्य बीमाकर्ता है. इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों में विभिन्न बीमा उत्पादों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था. मारुति सुजुकी इंश्योरेंस ब्रोकिंग के साथ डिजिट इंश्योरेंस के सहयोग ने बीमा समावे<None>शिता और पहुंच के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित किया, झारखंड के लोगों के लिए बीमा के महत्व पर जोर दिया.

नागपुर में कुम्हार आगामी दिवाली त्योहार के लिए एक कार्यशाला में मिट्टी के दीपक तैयार करते हुए.

भारत में हवाई मार्गों को बनाया जाएगा बेहतर, उड़ान योजना का होगा विस्तार

भारत में हवाई मार्गों को बेहतर बनाएंगे

एजेंसी । नयी दिल्ली

सरकार द्वारा क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना ''उड़ान'' को अगले 10 वर्षों के लिए बढ़ाया जा रहा है. इस योजना के तहत उन दूरस्थ इलाकों में भी हवाई मार्ग विकसित किए जाएगा जहां अब तक ऐसी व्यवस्था नहीं थी. सरकार की 'उड़ान' योजना ने हाल ही में अपने 8 वर्ष पूरे किए हैं. इस सरकारी योजना के साथ क्षेत्रीय एयरलाइंस का विकास-विस्तार हुआ है. इसके अलावा, रोजगार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिला है. 'उड़ान' योजना ने भारत के दूरदराज के इलाकों को वैश्विक गंतव्यों से जोड़ने वाली हवाई यात्रा में क्रांति ला दी है.

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के अनुसार, इस योजना के तहत 601 मार्ग और 86 हवाई अड्डे चालू हैं और अब तक 1.44 करोड़ यात्री इसका लाभ पा चुके हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 अप्रैल, 2017 को शिमला को दिल्ली से जोड़ते हुए पहली 'आरसीएस-उड़ान' योजना का उद्घाटन किया था. इस योजना का उद्देश्य देश के दूरदराज के इलाकों में हवाई सेवा में सुधार लाना और आम नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करना है. आरसीएस-उड़ान नागरिक विमानन उद्योग के विकास में योगदान दे रही है. इसी के साथ पिछले सात वर्षों में कई नई और सफल एयरलाइंस सामने आई हैं. इस योजना ने एयरलाइन ऑपरेटरों को एक स्थायी व्यवसाय मॉडल शुरू करने और विकसित करने में मदद की है.

भारतीय शेयर बाजार

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार में हाहाकार

सेंसेक्स 1000 और निफ्टी 330 अंक गिरकर हुआ बंद

- निफ्टी भी 309 अंक गिरा, बीएसई स्मॉल कैप 2,118 अंक टूटा
- मंगलवार के ट्रेड में निवेशकों को 8.84 लाख करोड़ रुपये का हुआ नुकसान

एजेंसी । मुंबई

मंगलवार का कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद अमंगल साबित हुआ है. विदेशी निवेशकों की बिकवाली के चलते बाजार में हाहाकार मच गया. दिन के ट्रेड के दौरान सेंसेक्स ने 1000 और निफ्टी ने 330 अंकों का गोता लगा दिया. मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में लगातार दूसरे दिन भी गिरावट की सुनामी देखने को मिली है. शेयर बाजार में आई इस गिरावट के चलते निवेशकों के 8.50 लाख करोड़ रुपये साफ हो गए. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 930 अंकों की गिरावट के साथ 80,220 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 310 अंकों की गिरावट के साथ 24,472 अंकों पर बंद हुआ है.

भारतीय शेयर बाजार में आई गिरावट की आंधी के चलते निवेशकों को जोरदार नुकसान हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 444.79 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले कारोबारी सत्र में 453.65 लाख करोड़ रुपये रहा था. मंगलवार के ट्रेड में निवेशकों को 8.84 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. जबकि पिछले दो सेशन में निवेशकों को 14 लाख करोड़ रुपये साफ हो गए.

वहीं सेंसेक्स के 30 शेयरों में केवल एक शेयर तेजी के साथ बंद हुआ है जबकि 29 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 3 तेजी के साथ और 47 गिरकर बंद हुए. तेजी वाले शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक 0.74 फीसदी, नेस्ले 0.10 फीसदी, इंफोसिस 0.04 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि बीईएल 3.79 फईसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.63 फीसदी, कोल इंडिया 3.36 फीसदी, अडानी एंटरप्राइजेज 3.29 फीसदी, एसबीआई 2.97 फीसदी, पावर ग्रिड 2.79 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है. बाजार में मंगलवार के ट्रेड में सभी सेक्टर्स में गिरावट देखने को मिली है. निफ्टी बैंक 705 अंक, निफ्टी एनर्जी 975 अंक गिरकर बंद हुआ है. इसके अलावा कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंमेटल्स, फार्मा, एफएमसीजी, आईटी, ऑटो, ऑयल एंड गैस जैसे सभी सेक्टर्स के शेयर गिरकर बंद हुए. निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1503 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 736 अंक गिरकर बंद हुआ है. बाजार में इस गिरावट के चलते इंडिया वीआईएक्स 4.58 फीसदी के उछाल के साथ 14.39 के लेवल पर बंद हुआ है.

एक नई रिपोर्ट के अनुसार

भारत का आईसीटी बाजार 2028 तक 354.6 अरब डॉलर का होगा

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत का एंटरप्राइज इंफोर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी बाजार 2028 तक 350 अरब डॉलर से अधिक का हो जाएगा. मंगलवार को आई एक नई रिपोर्ट के अनुसार, देश का आईसीटी बाजार 2023 में 161.3 अरब डॉलर से बढ़कर 2028 में 354.6 अरब डॉलर हो जाएगा, जो कि 17.1 प्रतिशत की मजबूत सीएजीआर से बढ़ेगा. लीडिंग डेटा और एनालिटिक्स कंपनी ग्लोबलडाटा का मानना है कि सरकार और व्यवसायों द्वारा शुरू की गई डिजिटल परिवर्तन पहलों के साथ भारत में आईसीटी बाजार को राजस्व के अवसर मिलेंगे. आने वाले वर्षों में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर सेगमेंट में हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और सर्विस को लेकर सबसे ज्यादा राजस्व वृद्धि देखे जाने की उम्मीद की जा रही है. रिपोर्ट में कहा गया है कि आईटी सर्विस सेक्टर में राजस्व वृद्धि मुख्य रूप से क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाओं को उद्यमों द्वारा अपनाए जाने से आएगी. आईटी सर्विस सेक्टर के राजस्व में पूर्वानुमानित अवधि में 25.3% की सीएजीआर की दर से वृद्धि होने की संभावना है. राजस्व योगदान के मामले में भारत में आईसीटी बाजार के लिए बीएफएसआई क्षेत्र सबसे बड़ा वर्टिकल सेगमेंट होगा. 2023-2028 के लिए पूर्वानुमानित कुल संचयी राजस्व में इस सेगमेंट की हिस्सेदारी 11.3% रहने की उम्मीद है.

मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी : 24 अक्टूबर की रात से 25 अक्टूबर की सुबह के बीच ओडिशा को पार कर पश्चिम बंगाल के तट पर पहुंचेगा तूफान

बंगाल और ओडिशा में दस्तक देगा चक्रवात दाना, झारखंड में भी होगी बारिश

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चक्रवात और तूफान की आशंका के बीच भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी जारी की है कि चक्रवाती तूफान 'दाना' बंगाल के कई जिलों में विकराल रूप लेगा. यह तूफान 24 अक्टूबर की रात से 25 अक्टूबर की सुबह के बीच ओडिशा तट को पार कर पश्चिम बंगाल के तट पर पहुंच सकता है. इस दौरान हवा की गति 100 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है.

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को दक्षिण अंडमान सागर में चक्रवात बन रहा है. यह चक्रवात मंगलवार तक बंगाल की खाड़ी के ऊपर विकसित हो जाएगा. मौसम वैज्ञानिकों ने अनुमान जताया है कि यह 24 अक्टूबर की रात को ओडिशा के तट के पास पहुंचेगा. मौसम विभाग ने यह भी कहा कि बंगाल में होने वाली भव्य काली पूजा से पहले बंगाल में भयंकर आपदा आ सकती है. इसको लेकर बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिला प्रशासन ने तटीय इलाकों के सभी बीडीओ और एसडीओ के साथ बैठक की है, सभी जगहों पर राहत सामग्री का स्टॉक कर दिया गया है. तटीय इलाकों में निगरानी की जाएगी. मछुआरों को गहरे समुद्र में आगे जाने से रोकने के लिए चेतावनी जारी है. राज्य के सबसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों में से एक दीघा के मौसम की स्थिति को देखते हुए पर्यटकों पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे या नहीं, इसकी जानकारी कल दी जाएगी.

120 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है हवा की गति, कई जिलों में जारी हुआ हाई अलर्ट

आंध्र प्रदेश और झारखंड के कई जिलों में भी बारिश की संभावना

पूर्व मेदिनीपुर के जिलाधिकारी पूर्णेन्दु माजी ने कहा कि पूर्व मेदिनीपुर जिला प्रशासन हर तरफ से चक्रवात से निपटने के लिए तैयार है. इस दौरान ओडिशा और पश्चिम बंगाल के अलावा पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश और झारखंड के कई जिलों में भी बारिश हो सकती है. मौसम विभाग ने 23 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल के तटीय जिलों पूर्वी मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, दक्षिण 24 परगना और उत्तर 24 परगना में भारी बारिश का अनुमान जताया है. विभाग ने कहा कि 24 और 25 अक्टूबर को पूर्वी मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, दक्षिण 24 परगना और झारग्राम में एक या दो स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश के साथ, भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है. मौसम विभाग ने यह भी कहा कि 24 और 25 अक्टूबर को कोलकाता, हावड़ा, हुगली, उत्तर 24 परगना, पुरुलिया और बांकुड़ा जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है.

बेंगलुरु में भारी बारिश, सरकार ने 600 परिवारों को शिफ्ट होने को कहा

बेंगलुरु। बेंगलुरु में भारी बारिश से कुछ अपार्टमेंट के परिसरों में पानी भर गया. ऐसे में कर्नाटक सरकार ने कुछ अपार्टमेंट के निवासियों को आठ दिन के लिए दूसरी जगह पर शिफ्ट होने के लिए कहा है. परिसर में बारिश का पानी भर जाने की वजह से निवासियों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है.

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को बेंगलुरु में अपने आवास के पास मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि बेंगलुरु में कुछ अपार्टमेंट परिसरों को आठ दिनों के लिए बंद करने के निर्देश दिए गए हैं. उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने बताया है कि चौदेश्वरी नगर में 150 मिमी बारिश दर्ज की गई है. कुछ इलाकों में सामान्य से 300 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है. हमने कुछ निवासियों से कहा है कि वे अपना घर बदल लें. केंद्रीय विद्यालय और टाटानगर से करीब 600 परिवारों को विस्थापित किया जा रहा है. शिवकुमार ने बताया कि मदद के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की पांच टीमें तैनात की गई हैं.

▼ न्यूज अपडेट

बिरयानी को लेकर की दोस्त की हत्या

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के अंबिकापुर इलाके में बिरयानी खाने को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने अपने ही दोस्त की हत्या कर दी. जानकारी के अनुसार मृतक ने अकेले ही पूरी बिरयानी खा ली थी. इस पर आरोपी युवक को इतना गुस्सा आया कि उसने अपने दोस्त जगदेव सारथी की बुरी तरह पिटाई कर दी. पिटाई के बाद जगदेव को गंभीर हालत में में रायपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

पेरू: पूर्व राष्ट्रपति को 20 साल की सजा

लीमा। पेरू के पूर्व राष्ट्रपति एलेजांद्रो टोलेडो को भ्रष्टाचार के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई है. कोर्ट ने टोलेडो को ओडेब्रेच मामले में मिलीभगत और मनी लॉन्ड्रिंग का दोषी पाया. एलेजांद्रो टोलेडो साल 2001 से 2006 तक पेरू के राष्ट्रपति पद पर कार्यरत थे. ओडेब्रेच केस लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार घोटालों में से एक है. इस फैसले से टोलेडो पहले ऐसे पूर्व राष्ट्रपति बन गए, जो ओडेब्रेक्ट मामले में जेल गए हैं.

वेनेजुएला: पूर्व पेट्रोलियम मंत्री गिरफ्तार

कराकास। वेनेजुएला में पूर्व पेट्रोलियम मंत्री पेड्रो टेलेचिया को राष्ट्रीय हितों को खतरा पहुंचाने और "गंभीर अपराध" करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है. उनकी गिरफ्तारी की घोषणा वेनेजुएला के लोक अभियोजक कार्यालय ने की. रिपोर्ट के अनुसार, टेलेचिया को "व्यापक वैज्ञानिक जांच" के बाद रविवार सुबह हिरासत में ले लिया गया. उन पर कई आरोप लगाए गए हैं. टेलेचिया 2023 से 2024 तक पीडीवीएसए के अध्यक्ष भी रहे.

उपकरण के फटने से तीन बच्चों की मौत

गजनी। अफगानिस्तान के गजनी प्रांत में एक उपकरण के फटने से तीन बच्चों की मौत हो गई है और तीन अन्य घायल हो गए हैं. सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. प्रांतीय पुलिस कार्यालय के मुताबिक, सोमवार को प्रांत के कारा बाग जिले में बच्चे आलू के खेत में काम कर रहे थे. इसी दौरान एक उपकरण में विस्फोट हो गया. 2024 के पहले छह महीनों में बारूदी सुरंगों और विस्फोटक अवशेषों के विस्फोटों में कुल 292 लोगों की जान चली गई.

लाल सागर में सुरक्षित परिवहन की मांग

काहिरा। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती ने वैश्विक समुदाय से लाल सागर में समुद्री नौवहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की. उन्होंने कहा कि इसका मिस्र की राष्ट्रीय सुरक्षा से सीधा संबंध है. मिस्र के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर अब्देलती के सोमवार को काहिरा में यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हंस ग्रंडबर्ग के साथ बैठक के दौरान की यह बात कही. अब्देलती ने क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर बल दिया.

नियंत्रण रेखा पर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन

जम्मू। जम्मू एवं कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास देखे गए एक पाकिस्तानी ड्रोन पर सेना के जवानों ने मंगलवार को गोलियां चलाईं. ड्रोन को एलओसी के आसपास मंडराते देखा गया, जिसके बाद जवानों ने फायरिंग की. क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है. आतंकवादी संगठन जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को फिर से जिंदा करने के लिए पाकिस्तानी सेना के सहयोग से हथियारों और नकदी की तस्करी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया है.

कोच्चि बंदरगाह पहुंची रूसी पनडुब्बी

कोच्चि। रूसी पनडुब्बी 'ऊफा' मंगलवार को केरल के कोच्चि बंदरगाह पहुंच गई है. यहां भारतीय नौसेना ने 'ऊफा' का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) ने इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है. पीएम मोदी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए रूस की दो दिवसीय यात्रा पर हैं. इसी बीच भारतीय तट पर रूसी पनडुब्बी का आगमन हुआ है. 'ऊफा' को 'ब्लैक होल' के नाम से भी जाना जाता है.

मीडिया का दावा : इजराइल बहुत जल्द ईरान के खिलाफ जवाबी हमला करेगा

सुरक्षा में गंभीर चूक, ईरान की बड़ी 'घुसपैठ' से हैरान इजराइल

यहूदी राष्ट्र ने अपने सात नागरिकों को तेहरान के लिए जासूसी करने के आरोप में किया गिरफ्तार

लगातार न्यूज नेटवर्क

गाजा और लेबनान में जारी घातक हमलों के बीच इजराइल की सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि यहूदी राष्ट्र बहुत जल्द ईरान के खिलाफ जवाबी हमला करेगा. इजराइली सरकार के मंत्रियों ने सोमवार को बताया कि ईरान के खिलाफ काउंटर अटैक 'बहुत जल्द' किया जाएगा. यह जानकारी सोमवार को इस मीटिंग के कई घंटों बाद तब सामने आई जब अमेरिकी लॉयड ऑस्टिन ने अमेरिकी अग्रिम पंक्ति के एयर डिफेंस सिस्टम थाड को इजराइल में डिप्लॉय करने की घोषणा की. इस 'टर्मिनल हाई एयर डिफेंस' (थाड) सिस्टम के साथ अतिरिक्त 100 सैनिकों की तैनाती भी की गई है, जो इसका संचालन करेंगे. बता दें कि ईरान ने तेहरान में हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हानिया और बेरुत में हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की हत्या का बदला लेने के लिए 1 अक्टूबर को इजराइल पर 180 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया था. इसके बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर जवाबी हमला करने की कसम खाई थी. हालांकि हमलों की तारीख को गुप्त रखा गया है. इसी बीच, इजराइल ने अपने सात नागिरकों को ईरान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है.

दो साल में करीब 600 मिशन पूरे : इजराइल ने अपने सात नागरिकों को ईरान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है. अभियोजकों ने सोमवार को बताया कि सातों आरोपियों को पिछले महीने पकड़ा गया. इजराइली पुलिस की 'लाहाव 433 सीरियस क्राइम यूनिट' के मुख्य अधीक्षक यारोन बिन्यामिन ने कहा कि यह अब तक की हमारी जांच में सबसे गंभीर मामलों में से एक है. द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक सभी संदिग्ध हाइफा और उत्तरी क्षेत्र के निवासी हैं जो अजरबैजान से आकर बसे हैं. इनमें एक आरोपी सेना में रह चुका है. इसके अलावा 16-17 साल के दो नाबालिग भी शामिल हैं. अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने दो साल में करीब 600 मिशन पूरे किए. कथित तौर पर इजराइलियों ने दो ईरानी एजेंटों के साथ बातचीत की, जिन्होंने खुद को 'अलहान' और 'ओरहान' बताया. उन्हें यह मालूम था कि जो जानकारी वो दे रहे हैं, वह देश को खतरे में डाल सकती है.

लेबनान और सीरिया में इजराइली सेना के हवाई हमलों में छह लोगों की मौत

वहीं लेबनान और सीरिया में इजराइली सेना के हवाई हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए. इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने सोमवार रात को बेरूत के दक्षिणी शहरों पर बमबारी की. इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 अन्य घायल हो गए. घायलों में एक बच्ची भी शामिल है. ये हमला देश के सबसे बड़े अस्पताल के नजदीक किया गया. यह जानकारी लेबनान के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी. वहीं सीरिया की राजधानी दमिश्क के पश्चिमी इलाके में एक नागरिक वाहन को निशाना बना कर इजराइल ने हवाई हमला किया. इस हमले में दो लोगों के मारे जाने की खबर है. साथ ही तीन अन्य लोग घायल हो गए. यह जानकारी सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने दी.

इजराइली संदिग्धों ने जिन जगहों की जासूसी की उनमें से कुछ को ईरान द्वारा बनाया गया निशाना

संदिग्धों पर ईरानी एजेंटों के निर्देश पर तेल अवीव में किर्या डिफेंस हेडक्वाटर, नेवातिम और रमत डेविड एयरपोर्ट सहित आईडीएफ ठिकानों की तस्वीरें लेने और जानकारी इकट्ठा करने का आरोप है. ईरानी एजेंटों के साथ आरोपी, तुर्की मध्यस्थ के जरिए संपर्क में थे. संदिग्धों पर जिन जगहों की जासूसी करने का आरोप है, उनमें से कुछ को पिछले साल युद्ध छिड़ने के बाद से निशाना बनाया गया है. नेवातिम बेस को दो ईरानी मिसाइल अटैक में निशाना बनाया गया और रमत डेविड को हिजबुल्लाह ने निशाना बनाया. संदिग्धों पर आयरन डोम बैटरी, बंदरगाहों और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर, जिसमें हदेरा का पावर प्लांट भी शामिल है, के बारे में जानकारी इक्ट्ठा करने का भी आरोप है. रिपोर्ट के मुताबिक एक बार संदिग्धों ने गैलिली में वायु सेना के ऑब्जरवेशन गुब्बारे की सटीक लोकेशन की तस्वीर खींची और उसे अपने संपर्कों को भेजा. कहा जाता है कि इस जगह पर लगभग एक महीने बाद सीधा हमला हुआ था. आरोपियों ने कथित तौर पर अपने ईरानी संपर्कों को तेहरान द्वारा अप्रैल में इजराइल पर किए गए हमले के बाद रॉकेट के प्रत्यक्ष प्रभावों के बारे में जानकारी दी. यह जानकारी इस्लामिक गणराज्य को भविष्य के हमलों में अपनी सटीकता को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है.

'उत्तरी गाजा में लोग कर रहे मरने का इंतजार'

फिलीस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी के प्रमुख फिलिप लाजारिनी ने उत्तरी गाजा में तत्काल लड़ाई को रोकने के लिए अपील की, ताकि वहां फंसे नागरिकों तक मानवीय सहायता पहुंचाई जा सके. एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि यूएनआरडब्ल्यूए के कर्मचारियों ने युद्धग्रस्त क्षेत्र में भोजन, पानी या दवा नहीं मिलने की सूचना दी है. हर जगह मौत की गंध है, शव सड़कों पर या मलबे के नीचे पड़े हैं. शवों को हटाने या मानवीय सहायता प्रदान करने के मिशनों को अस्वीकार कर दिया गया है. उत्तरी गाजा में लोग बस मरने का इंतजार कर रहे हैं. वे खुद को अकेला, निराश और अकेला महसूस कर रहे हैं. वे एक घंटे से दूसरे घंटे तक जीते हैं, हर पल मौत से डरते हैं. हमारे कर्मचारियों की ओर से, मैं तत्काल युद्धविराम की मांग कर रहा हूं, भले ही कुछ घंटों के लिए, ताकि उन परिवारों के लिए सुरक्षित मानवीय मार्ग सुनिश्चित हो सके जो क्षेत्र को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचना चाहते हैं. यह उन नागरिकों की जान बचाने के लिए न्यूनतम है जिनका इस संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं है.' रिपोर्ट के मुताबिक 7 अक्टूबर 2023 से अब तक गाजा में इजराइली हमलों में कम से कम 42,718 लोग मारे गए हैं. 100,282 घायल हुए हैं.

हिजबुल्लाह ने इजरायल पर 20 रॉकेट दागे

यरूशलम। हिजबुल्लाह ने मंगलवार सुबह तेल अवीव क्षेत्र और इजराइल पर लगभग 20 रॉकेट दागे. इजराइल रक्षा बलों ने कहा कि लेबनान से तेल अवीव क्षेत्र की ओर बढ़ते हुए पांच प्रक्षेपास्त्रों की पहचान की गई. ऊपरी गलील और उत्तरी गोलान हाइट्स की ओर लगभग 15 और प्रक्षेपास्त्र दागे गए. कुछ प्रक्षेपास्त्रों को रोक दिया गया और बाकी खुले क्षेत्रों में गिरे. हाइफा के दक्षिण में छर्रे लगने से एक व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया. वहीं हिजबुल्लाह ने कहा कि समूह ने हाइफा में एक सैन्य अड्डे और ग्लिलोट परिसर को निशाना बनाया, जहां मोसाद मुख्यालय और यूनिट 8200, एक विशिष्ट साइबर खुफिया इकाई स्थित है.

फिलिस्तीनियों के साथ भारत : दवाइयों, फूड आइटम की 30 टन की खेप भेजी

भारत ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के माध्यम से फिलिस्तीन के लोगों के लिए मानवीय सहायता भेजी. सहायता की पहली खेप में 30 टन दवाइयां और फूड आइटम शामिल हैं. विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट किया कि भारत यूएनआरडब्ल्यूए के माध्यम से फिलिस्तीन के लोगों के लिए मानवीय सहायता भेज रहा है. सहायता की पहली खेप में 30 टन दवा और फूड आइटम शामिल हैं जो आज रवाना हो गए हैं. यह पहली खेप है जिसमें जरूरी दवाइयां और सर्जिकल सप्लाई, डेंटल प्रोडक्ट्स, जनरल मेडिकल आइटम और हाई एनर्जी बिस्कुट शामिल हैं. इससे पहले 18 अक्टूबर को भारत ने बढ़ते तनाव और दक्षिणी लेबनान में चल रहे संघर्ष के बीच लेबनान को 11 टन मेडिकल सप्लाई की पहली खेप भेजी थी. कुल 33 टन मेडिकल सप्लाई भेजी जानी है. फिलिस्तीनी को भारत का समर्थन देश की विदेश नीति का एक अभिन्न अंग है.

विस चुनाव : महाराष्ट्र में बड़ा भाई बनेंगी कांग्रेस व भाजपा

एजेंसियां। मुंबई

- राज्य में दोनों गठबंधनों में बन गई है सीटों पर सहमति
- महाविकास अघाड़ी- कांग्रेस 110-115, शिवसेना उद्धव गुट 90-95, एनसीपी शरद 75-80, अन्य 10-15
- महायुति- भाजपा 152-155, शिवसेना 70-80 और एनसीपी 52-64 सीट

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए महायुति (बीजेपी, शिवसेना, एनसीपी का गठबंधन) के बाद अब महा विकास अघाड़ी में शामिल दलों के बीच भी सीट बंटवारे पर आम सहमति बन गई है. सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस 105-110, शिवसेना यूबीटी 90-95 और शरद पवार की एनसीपी 75-80 सीटों पर चुनाव लड़ सकती हैं. जहां तक महायुति की बात है, तो बीजेपी 152 से 155 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है. एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना 70 से 80 और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 52 से 54 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की संभावना है.

महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना, शरद पवार की एनसीपी ने मिल कर महा विकास अघाड़ी का गठन किया था. इस बार के महाराष्ट्र चुनाव में मुकाबला पार्टियों के बजाय दो गठबंधनों के बीच देखने को मिलेगा. सत्तारूढ़ महायुति और महा विकास अघाड़ी आमने-सामने होंगे. बता दें कि महायुति में भाजपा, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल हैं. वहीं, मुंबई में सबसे ज्यादा सीटों पर उद्धव ठाकरे की पार्टी विधानसभा चुनाव लड़ सकती है. सूत्रों के मुताबिक, 18 सीटों पर शिवसेना (यूबीटी) अपने उम्मीदवार देगी. कांग्रेस को मुंबई में 14 सीट सीटें मिलेंगी. शरद पवार को दो, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी को मुंबई में एक-एक सीट मिलेगी. बीते दिनों में सीट शेयरिंग को लेकर एमवीए के भीतर कांग्रेस और उद्धव ठाकरे गुट के बीच माहौल गरमा गया था. शिवसेना अपनी मांग पर अड़ गई थी लेकिन अब बातचीत एक नतीजे तक पहुंचती मालूम पड़ रही है.

एमवीए महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के अपने प्रदर्शन को दोहराना चाहेगी, जिसमें उसे महायुति पर बढ़त हासिल हुई थी. महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से एमवीए को 30 पर जीत मिली थी, जबकि महायुति सिर्फ 17 सीटें जीत सकी थी. एमवीए में शामिल दलों में कांग्रेस ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उनमें से 13 पर जीत हासिल की थी. शिवसेना (यूबीटी) ने जिन 21 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से 9 पर उसे जीत मिली थी, जबकि शरद पवार की एनसीपी ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 8 सीटें जीतने में कामयाब रही थी.

यूपी में ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से एक परिवार के 6 की मौत

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में सोमवार रात ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई. हादसे में जान गंवाने वाले लोगों शवों का पोस्टमार्टम कराकर उनके परिवार वालों को सौंप दिया गया है.

दरअसल, पूरा मामला सिकंदराबाद के गुलावठी रोड स्थित आशापुरी कॉलोनी का बताया जा रहा है. दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले सभी मृतक एक ही परिवार के थे. हादसे में जान गंवाने वालों में रियाजुद्दीन (58), पत्नी रुखसाना (45), बड़ा बेटा आस मोहम्मद (26), छोटा बेटा सलमान (11), बहू तमन्ना (24) और उसकी बेटी हिफजा (3) शामिल है. तमन्ना नौ महीने की गर्भवती बताई जा रही है. मकान में अन्य लोग भी रह रहे थे, जो घायल हो गए. बताया जा रहा है कि रियाजुद्दीन की पत्नी की तबियत खराब चल रही थी, जिसको प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

मर्सडीज से हिट एंड रन मामले में 21 साल के लड़के की हुई मौत

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में सोमवार देर रात हिट एंड रन का मामला सामने आया है. यहां पर मर्सडीज से हुए एक्सीडेंट में बाइक सवार 21 वर्षीय लड़के की मौत हो गई. वहीं, एक्सीडेंट के बाद आरोपी फरार हो गया. ठाणे की नौपाडा पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान दर्शन हेगड़े के रूप में हुई, जिसकी उम्र 21 वर्ष बताई जा रही है.

सोमवार देर रात मृतक युवक कुछ खाने का सामान लेकर अपने घर की तरफ लौट रहा था, ठीक उसी वक्त नासिक हाईवे की तरफ जाने वाली एक मर्सिडीज कार ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी. एक्सीडेंट के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया. बता दें कि पुलिस ने इस मामले में हिट एंड रन का केस दर्ज किया है. वहीं, जिस कार से एक्सीडेंट हुआ है, उसको जब्त करके आगे की जांच की जा रही है. घटनास्थल पर मौजूद सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं.

पाबंदी ग्रैप-2 के तहत राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर के इलाकों में कई चीजों पर प्रतिबंध रहेगा

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का प्रकोप, लागू किए गए ग्रैप-2 प्रतिबंध

एजेंसी। नयी दिल्ली

अक्टूबर का महीना खत्म होने को है, लेकिन दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता ही जा रहा है. हालात ऐसे हो गए हैं कि अब दिल्ली में ग्रैप-1 के बाद ग्रैप-2 के प्रतिबंध को लागू किया गया है. ग्रैप-2 के तहत राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर के इलाकों में कई चीजों पर प्रतिबंध रहेगा.

दरअसल, दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ वर्षों से प्रदूषण के स्तर में वृद्धि हुई है. खराब आबोहवा को दुरुस्त करने के लिए हर बार दिल्ली में ग्रैप को कई चरणों में लागू किया जाता है. दिल्ली में बीते 15 अक्टूबर को एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) एक्यूआई 201 से 300 के बीच रहने पर ग्रैप का पहला चरण लागू किया गया था. हालांकि, अब प्रदूषण का स्तर 300 के पार पहुंचने पर ग्रैप-2 लागू किया गया है. ग्रैप-2 के तहत दिल्ली-एनसीआर में डीजल जनरेटर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध रहेगा. हालांकि, ये आदेश राष्ट्रीय राजधानी के अस्पतालों, रेल और मेट्रो सेवाओं पर लागू नहीं होगा. इसके अलावा सड़कों की साफ-सफाई पर जोर दिया जाएगा. साथ ही सड़कों पर पानी का भी छिड़काव होगा, जबकि कोयले और लकड़ी को जलाने पर भी पूरी तरह से रोक रहेगी. इसके अलावा ग्रैप-2 के तहत प्राइवेट कार की पार्किंग फीस को बढ़ाया जाता है. साथ ही लोगों से अपील की जाती है कि वह पब्लिक ट्रांसपोर्ट का ही इस्तेमाल करें. सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसों तथा मेट्रो के फेरे में इजाफा किया जाता है. बता दें कि ग्रैप में कुल चार चरण आते हैं. पहला चरण तब लागू होता है, जब एक्यूआई 201 से 300 के बीच रहता है. इसके बाद दूसरा चरण एक्यूआई 301 से 400 के बीच रहने पर लागू होता है, जबकि तीसरा चरण एक्यूआई 401 से 450 रहने पर लागू किया जाता है. चौथे चरण में एक्यूआई के 450 से अधिक होने पर इसे अमल में लाया जाता है.

300 के पार प्रदूषण का स्तर पहुंचने पर दिल्ली सरकार ने उठाया कदम

हरियाणा : पराली जलाकर प्रदूषण फैलाने वालों को नहीं मिलेगी एमएसपी

करनाल। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के साथ-साथ पड़ोसी राज्य हरियाणा में भी धान की कटाई के दौरान प्रदूषण की समस्या देखने को मिलती है. किसान अक्सर खेतों में कटाई के बाद बचे अवशेष (पराली) को जला देते हैं, जिससे प्रदूषण बढ़ता है. इस समस्या पर काबू पाने के लिए हरियाणा सरकार का कृषि विभाग युद्ध स्तर पर पराली प्रबंधन पर काम कर रहा है. कृषि उप निदेशक वजीर सिंह ने इस बारे में बताया कि इस सीजन में अब तक हरियाणा के करनाल में पराली जलाने के 68 मामले सामने आए हैं. कृषि विभाग ने पराली जलाने वाले किसानों पर 1 लाख 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है, जबकि कृषि विभाग ने 32 ऐसे किसानों की रेड एंट्री की है जो अगले 2 सीजन तक मंडियों में एमएसपी पर अपनी फसल नहीं बेच पाएंगे. उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की तरफ से करीब 500 टीमें भी बनाई गई हैं ताकि पराली जलाने के मामलों को रोका जा सके.

कीव में अपनी एक टीम को भेज सकता है दक्षिण कोरिया

एजेंसियां। सोल

- यूक्रेन में उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती की खबर के बीच सोल कर रहा विचार
- रूस समर्थक ब्लॉगर का दावा यूक्रेनी जमीन पर लहराए रूस-उत्तर कोरिया के झंडे

दक्षिण कोरिया यूक्रेन में अपनी एक टीम भेजने पर विचार कर रहा है. एक सरकारी सूत्र ने मंगलवार को बताया कि रूस की मदद के लिए तैनात उत्तर कोरियाई सैनिकों पर निगरानी रखने के लिए सोल यह टीम भेजना चाहता है. पिछले सप्ताह सोल की जासूसी एजेंसी ने दावा किया कि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन युद्ध में भाग लेने के लिए इस महीने रूस में लगभग 1,500 सैनिक भेजे हैं. एक खुफिया स्रोत के अनुसार, उत्तर कोरिया एक एलीट स्पेशल फोर्स यूनिट से कुल 12,000 सैनिकों को भेज सकता है. इस टीम में खुफिया यूनिट के सैन्य कर्मियों को शामिल किए जाने की उम्मीद है, जो उत्तर कोरिया की रणनीति का विश्लेषण कर सकते हैं या पकड़े गए उत्तर कोरियाई लोगों से पूछताछ में भाग ले सकते हैं.

इस बीच, रूस समर्थक टेलीग्राम अकाउंट ने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें यूक्रेनी युद्ध के मैदान में रूसी और उत्तर कोरियाई झंडे एक साथ दिखाए गए हैं. इससे उन अटकलों को बल मिलता है कि उत्तर कोरिया ने संभवतः युद्ध में यूक्रेन के खिलाफ रूस की मदद के लिए सैनिक भेजे हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)